डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति माह 1 एवं 16 तारीख को प्रकाशित | पृष्ठ : 20 | 1 से 26 नवम्बर 2023 | वर्ष-40 | अंक-क्र. | मूल्य ₹ 10.00

/ संक्षिप्त खबर /

निर्वाचन शिकायतों के निराकरण के लिये दल गठित

भोपाल, विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदान की तैयारियों और मतदान प्रक्रिया के दौरान कठिनाइयों, शिकायतों के निराकरण के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में 4 दलों का गठन किया। नर्मदापुरम एवं जबलपुर संभाग के जिलों के लिये संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती निमिषा जायसवाल, इंदौर एवं उज्जैन संभाग के लिये संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राकेश सिंह, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश यादव एवं अन्य सहायक अधिकारी कर्मचारी तैनात रहे। ग्वालियर, भोपाल एवं चम्बल संभाग के लिये संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री बसंत कुर्रे, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रंजना देवड़ा एवं अन्य सहायक अधिकारी, कर्मचारी, सागर, शहडोल एवं रीवा संभाग के लिये संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रुचिका चौहान, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती सुरभि तिवारी एवं अन्य सहायक अधिकारी, कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई।

आकस्मिक सेवाओं के लिये एयर एम्बुलेंस और हेलीकॉप्टर

भोपाल, विधानसभा निर्वाचन-2023 के सुचारू संचालन के लिये एक एयर एम्बुलेंस और 2 हेलीकॉप्टर 16 एवं 17 नवम्बर को आकस्मिक सेवाओं के लिये तैनात किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि एक एयर एम्बुलेंस मतदान दिवस से पहले 16 नवम्बर को सुबह 11 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक गोंदिया (महाराष्ट्र) में तथा इसके पश्चात गोंदिया से रवाना होकर 17 नवम्बर मतदान सम्पन्न होने तक जबलपुर पहुँची। इसके बाद एयर एम्बुलेंस गोंदिया के लिये रवाना हुई। एक हेलीकॉप्टर मतदान सम्पन्न होने तक बालाघाट में एवं एक अन्य हेलीकॉप्टर भोपाल में पूरे समय उपलब्ध रहा।

सी-विजिल एप पर प्राप्त 9 हजार 980 शिकायतें निराकृत

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 में आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की 9 हजार 980 शिकायतें मिलीं। सी-विजिल एप के माध्यम से मिली इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए 9 अक्टूबर से आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हुई। आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन की त्वरित जानकारी के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल एप तैयार किया गया। यह एप आदर्श आचरण संहिता के लागू होते ही सक्रिय हो गया था।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

वरिष्ठ और दिव्यांग वोटर्स में उत्साह

सतना में विधानसभा निर्वाचन-2023 में 80 प्लस और दिव्यांग मतदाताओं में भरपूर उत्साह देखा गया। सभी मतदान केन्द्रों पर वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं के लिये व्हील चेयर की व्यवस्था की गई। सूची के अनुसार सतना और मैहर जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों में 80 वर्ष से अधिक मतदाताओं की संख्या 22 हजार 927 है। विधानसभा चुनाव में दिव्यांग और 80 वर्ष से अधिक मतदाताओं ने संबंधियों एवं दिव्यांग मित्रों के साथ मतदान केन्द्रों पर मतदान किया। दिव्यांग और वरिष्ठ मतदाताओं ने अपनी शारीरिक असमर्थता को बाधा नहीं मानते हुए विधानसभा निर्वाचन के लिये मतदान किया।

30 इंच के कैलाश का पहला मतदान

मंडला विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खड़देवरा निवासी 30 इंच लम्बाई के 18 वर्षीय श्री कैलाश ठाकुर ने मतदान केन्द्र पहुँचकर पहली बार उत्साहपूर्वक मतदान किया। पहली बार वोट देने की उमंग उनके चेहरे पर साफ-साफ दिखाई दे रही थी। इस दौरान बातचीत करने पर कैलाश ने बताया कि मैंने अपने जीवन का आज पहला वोट दिया है मुझे इस बात की बहुत खुशी हो रही। देश के विकास में योगदान देना अपने आप में गौरव की बात है। देश के विकास से ही मेरा और सबका भविष्य जुड़ा है। हम सभी को राष्ट्र के लिए वोट करना चाहिए।

मतदान प्रक्रिया की मॉनिटरिंग

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान सहित अन्य व्यवस्थाओं की कंट्रोल रूम से सतत् मॉनिटरिंग की। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग एवं सीसीटीवी की व्यवस्था की गई थी। इससे 42 हजार से अधिक मतदान केन्द्रों पर हुई गतिविधियों का लाइव प्रसारण और सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की गई। विधानसभा निर्वाचन 2023 में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के परिवहन वाले मतदान दलों एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट को सम्मिलित कर 23,510 वाहनों में जीपीएस डिवाइस भी लगाई गई।

विधानसभा चुनाव 2023 **230 सीटों पर 2,533 अभ्यर्थियों के लिये हुआ मतदान, परिणाम 3 दिसंबर को होंगे जारी**

मध्यप्रदेश में रिकॉर्ड 76.22 प्रतिशत हुआ मतदान

भोपाल, मध्यप्रदेश में 230 विधानसभा सीटों के लिये 17 नवंबर को मतदान संपन्न हुए। प्रदेश में इस बार रिकॉर्ड 76.22 प्रतिशत मतदान हुआ। यह आंकड़ा वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव से 0.59 प्रतिशत अधिक है। पिछले चुनाव में 75.63 प्रतिशत मतदान हुआ था।

सबसे अधिक सिवनी और सबसे कम मतदान अलीराजपुर जिले में

इस वर्ष सबसे ज्यादा मतदान 85.68 प्रतिशत सिवनी जिले में हुआ। जबकि सबसे कम मतदान 60.10 प्रतिशत अलीराजपुर जिले में दर्ज किया गया। वहीं, राजधानी भोपाल में 66 प्रतिशत, इंदौर में 70.54 प्रतिशत, ग्वालियर में 67.01 प्रतिशत और जबलपुर में 74.30 प्रतिशत मतदान हुआ। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7 बजे से मतदान प्रक्रिया प्रारंभ हुई।

64 हजार से अधिक केन्द्रों पर मतदान

मध्यप्रदेश में कुल 64,626 मतदान केन्द्रों (103 सहायक मतदान केन्द्रों सहित) पर मतदान संपन्न हुए। मतदान प्रारम्भ होने के पूर्व सुबह 5:30 से 7 बजे के बीच सभी केंद्रों पर मॉक पोल सम्पन्न किया गया। श्री राजन ने बताया कि निर्वाचन में कुल 2533 अभ्यर्थियों (2280 पुरुष, 252 महिला एवं 1 थर्ड जेण्डर अभ्यर्थी) ने निर्वाचन प्रक्रिया में हिस्सा लिया। प्रदेश के सभी मतदान केन्द्रों में शांतिपूर्ण मतदान हुआ।

बालाघाट जिले में दोपहर 3 बजे तक मतदान

श्री राजन ने बताया कि बालाघाट जिले के 3 विधानसभा क्षेत्रों- बैहर, लांजी, एवं परसवाड़ा के सभी मतदान केंद्र, मंडला जिले के 2 विधानसभा क्षेत्रों बिछिया (47 मतदान केंद्रों) एवं मंडला (8 मतदान केंद्रों) और डिण्डोरी जिले के विधानसभा क्षेत्र डिण्डोरी के 40 मतदान केन्द्र पर सुबह 7 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक ही मतदान कराया गया।

विधानसभा निर्वाचन 2023 अनंतिम जानकारी

जिला	कुल मतदाता	कुल मतदान	मतदान प्रतिशत
सिवनी	1073277	919551	85.68
बालाघाट	1344776	1146142	85.23
आगर मालवा	468416	398298	85.03
शाजापुर	688349	584994	84.99
राजगढ़	1149276	968727	84.29
रतलाम	1099121	916644	83.40
नीमच	609602	507809	83.30
मंदसौर	1033171	860443	83.28
छिंदवाड़ा	1618363	1340037	82.80
नरसिंहपुर	849466	703353	82.80
डिंडोरी	514359	424404	82.51
निवाड़ी	411108	338569	82.36
मंडला	790998	648982	82.05
हरदा	425470	348422	81.89
नर्मदापुरम	938284	767948	81.85
सीहोर	996945	812958	81.54
देवास	1212620	984839	81.22
बैतूल	1223483	987301	80.70
श्योपुर	512099	407224	79.52
रायसेन	1005985	798828	79.41
विदिशा	1094901	867167	79.20
खरगोन	1441034	1136772	78.89
शिवपुरी	1287016	1014525	78.83
अशोकनगर	631107	497120	78.77
गुना	933101	734229	78.69
उज्जैन	1532998	1201222	78.36
शहडोल	781004	608379	77.90
धार	1658042	1279262	77.15
अनूपपुर	529156	407592	77.03
झाबुआ	864435	663237	76.72
बुरहानपुर	582945	446979	76.68
उमरिया	479371	367056	76.57
सागर	1782725	1348407	75.64
कटनी	985092	742044	75.33
दतिया	601349	452812	75.30
टीकमगढ़	695949	523883	75.28
दमोह	967344	725824	75.03
बड़वानी	1069195	801180	74.93
खंडवा	997535	747448	74.93
सिंगरौली	708271	527163	74.43
जबलपुर	1871320	1390332	74.30
पन्ना	764846	566515	74.07
सतना	1685838	1234832	73.25
छतरपुर	1417763	1009405	71.20
इंदौर	2755433	1943722	70.54
सीधी	1023349	713581	69.73
मुरैना	1481269	1011219	68.27
ग्वालियर	1624567	1088583	67.01
रीवा	1833889	1226000	66.85
भोपाल	2087032	1377380	66.00
भिंड	1283861	812357	63.27
अलीराजपुर	566234	340317	60.10
कुल योग	**55983139**	**42672017**	**76.22**

पेड न्यूज प्रदेश में 80 प्रकरणों में 78 उम्मीदवारों को नोटिस जारी

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से निर्वाचन संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग हर स्तर पर मुस्तैदी से कार्य कर रहा है। प्रदेश में लागू आचार संहिता के दौरान राजनीतिक पार्टियों के चुनाव प्रचार और पेड न्यूज मामले पर भी सख्ती से नजर रखी जा रही है। जिला स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) और राज्य स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी 24 घंटे पेड न्यूज की निगरानी कर रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पेड न्यूज के अब तक 80 प्रकरण सामने आए हैं, इसमें से जिला स्तरीय एमसीएमसी कमेटी ने 78 प्रकरणों में उम्मीदवारों को नोटिस जारी किये हैं। जबकि 2 प्रकरण ऐसे हैं जो शुरुआती जांच में पेड न्यूज के नहीं निकले इसलिए उन्हें जिला स्तर पर ही निरस्त कर दिया गया है। शेष 30 प्रकरण पेड न्यूज के माने गये हैं। समिति के समक्ष 48 प्रकरण विचाराधीन हैं।

पेड न्यूज पर मिलता है नोटिस

जिला स्तरीय एमसीएमसी कमेटी संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर को निर्देश देती है कि वह संबंधित उम्मीदवार को पेड न्यूज प्रकरणों में जवाब देने के लिए नोटिस जारी करे। उम्मीदवार को पेड न्यूज का नोटिस जारी होने के बाद इस संबंध में अपना जवाब देना होता है। यदि उम्मीदवार 48 घंटे के अंदर जवाब नहीं देता है, तो जिला एमसीएमसी कमेटी इस पूरे मामले पर अपना निर्णय लेती है और पेड न्यूज पर होने वाले खर्च को उम्मीदवार के चुनाव खाते में जोड़ दिया जाता है।

असंतुष्ट उम्मीदवार कर सकते हैं अपील

पेड न्यूज प्रकरणों में अगर कोई उम्मीदवार जिला स्तरीय कमेटी के निर्णय से संतुष्ट नहीं है तो वह राज्य स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग कमेटी के समक्ष इस प्रकरण में अपील कर सकता है। अगर कोई उम्मीदवार राज्य स्तरीय समिति के निर्णय से भी संतुष्ट नहीं है तो वह भारत निर्वाचन आयोग में गठित मीडिया सर्टिफिकेशन एवं मॉनिटरिंग समिति के समक्ष भी अपील कर सकता है।

24 घंटे पेड न्यूज पर नजर

भारत निर्वाचन आयोग ने निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए पेड न्यूज मामलों की गंभीरता से मॉनिटरिंग कराने के लिए निर्देश दिए हैं।

11 नवम्बर

कोयला रहित खदानों में पंप भंडारण परियोजनाएं शुरू होंगी

● कोयला मंत्रालय विशाल भूमि बैंक और आर्थिक व्यवहार्यता का लाभ उठाते हुए, कोयला रहित कोयला खदानों में पंप भंडारण परियोजनाएं (पीएसपी) विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। इस योजना का उद्देश्य ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के मामले में विविधता लाना है। पंप भंडारण परियोजनाओं के माध्यम से कोयला क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए जल विद्युत विकसित करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करने की योजना बनाई गई है। इस पहल का उद्देश्य दिन में सौर ऊर्जा का उपयोग करना और रात में पनबिजली का उत्पादन करना है। पम्प्ड स्टोरेज पावर प्लांट ऐसे पानी का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करने के लिए गुरुत्वाकर्षण का उपयोग करते हैं, जिसे पहले गड्ढे में एक जलाशय से सतह पर ऊपरी जलाशय में पंप किया गया है। कम मांग की अवधि के दौरान इस पानी को उच्च जलाशय में पंप किया जाता है। जब मांग अधिक होती है, तो बिजली घर में टरबाइन चलाने और ग्रिड में बिजली पहुंचाने के लिए पानी छोड़ा जाता है।

● वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद

निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने ताजे फलों के निर्यात की संभावनाओं को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए नीदरलैंड को आईएनआई फार्म्स द्वारा समुद्री मार्ग से ताज़े केलों की पहली परीक्षण खेप के निर्यात की सुविधा प्रदान की है। नीदरलैंड के लिए केले के एक कंटेनर की पहली निर्यात खेप को कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के अध्यक्ष श्री अभिषेक देव ने महाराष्ट्र के बारामती से रवाना किया। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने केले की परीक्षण खेप के लिए तकनीकी सहायता के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के केंद्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान (सीआईएसएच), लखनऊ का सहयोग लिया है, जबकि आईएनआई फार्म्स ने यूरोप में विपणन और वितरण के लिए डेल मोंटे और लॉजिस्टिक्स के लिए मेर्स्क के साथ साझेदारी की है।

12 नवम्बर

वार्षिक नौसेना शिक्षा समिति सम्मेलन आयोजित

● वार्षिक नौसेना शिक्षा समिति (एनईएस) सम्मेलन 2023 गुजरात के पोरबंदर में आयोजित किया गया था। इसकी अध्यक्षता कार्मिक प्रमुख और नौसेना शिक्षा समिति के अध्यक्ष वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने की थी। सम्मेलन में कमोडोर (नौसेना शिक्षा) और नौसेना शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष कमोडोर जी रामबाबू और देश भर के नौसेना बाल स्कूलों के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रमुखों ने भी भाग लिया। नौसेना शिक्षा समिति (एनईएस) के अध्यक्ष वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने इस अवसर पर पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को रोलिंग

ट्रॉफियां प्रदान कीं। उन्होंने नौसेना कर्मियों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में नौसेना शिक्षा समिति द्वारा निभाई गई भूमिका की प्रशंसा की।

● केन्द्रीय कौशल विकास मंत्रालय ने विमानन क्षेत्र में दीर्घावधि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए दसो एयरक्राफ्ट सर्विसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। यह प्रशिक्षण कानपुर के भारतीय कौशल संस्थान में दिया जाएगा। मंत्रालय इस संस्थान की स्थापना कौशल की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कर रहा है। मंत्रालय ने कंप्यूटर न्यूमेरिकल कंट्रोल मशीनों के बारे में प्रशिक्षण के लिए हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। कानपुर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ भी एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गये हैं। इन समझौतों पर नई दिल्ली में कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये गये। उन्होंने कहा कि इस संयुक्त सहयोग में मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम को प्राथमिकता दी जाएगी।

13 नवम्बर

उपकरणों की वारंटी या गारंटी नीति को संशोधित करने का आग्रह

● उपभोक्ता मामले विभाग ने व्हाइट गुड्स (बड़े घरेलू उपकरण) के निर्माताओं और विक्रेताओं से वारंटी या गारंटी नीति को संशोधित करने का आग्रह किया है ताकि खरीद की तारीख के बजाय स्थापना की तारीख से इसकी शुरुआत को दर्शाया जा सके। उपभोक्ता मामले विभाग के सचिव श्री रोहित कुमार सिंह ने रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, वॉशिंग मशीन आदि जैसी व्हाइट गुड्स के निर्माताओं को वारंटी को संशोधित करने की सलाह दी है। उन्हें उपभोक्ताओं को व्हाइट गुड्स की बिक्री में गारंटी नीति, खरीद की तारीख के बजाय स्थापना की तारीख से इसकी शुरुआत को प्रतिबिंबित करने की सलाह दी गई है।

● यूरोपियन यूनियन ने फेसबुक-इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा और इमेज शेयरिंग

प्लेटफार्म स्नैपचैट को उन टेक कंपनियों की लिस्ट में शामिल किया है जिनकी वह ऑनलाइन गैरकानूनी कंटेंट रोकने को लेकर जांच कर रहा है। दोनों कंपनियों से यूनियन ने गैरकानूनी और नुकसानदायक कंटेंट से बच्चों को बचाने के बारे में किए जा रहे उपायों की जानकारी देने के लिए कहा है। इसके लिए 1 दिसंबर तक का समय दिया गया है। इससे पहले यूरोपियन यूनियन ने अल्फाबेट के यूट्यूब और टिकटॉक को भी यही जानकारी देने के लिए कहा है।

14 नवम्बर

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.59 प्रतिशत बढ़ा

● केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा कि 1 अप्रैल से 9 नवंबर के बीच भारत का सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 17.59 प्रतिशत बढ़कर 12.37 लाख करोड़ रुपये हो गया है। प्रत्यक्ष कर प्रशासन के मुताबिक यह संग्रह वित्त वर्ष 2023-24 के प्रत्यक्ष कर संग्रह के कुल बजट अनुमान का 58.15 प्रतिशत है। सरकार ने कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत आयकर से राजस्व में 10.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ चालू वित्त वर्ष में 18.23 लाख करोड़ रुपये राजस्व प्राप्ति का अनुमान लगाया था।

● बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-

सितंबर) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। बीएसई का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर चार गुना बढ़कर 118.4 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल यह 29.4 करोड़ था। BSE का ऑपरेशंस से रेवेन्यू सालाना आधार पर 53% बढ़कर 367 करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में यह 240 करोड़ रुपए रहा था। सितंबर तिमाही में इक्विटी सेगमेंट में बीएसई का औसत दैनिक कारोबार बढ़कर 5,922 करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 4,740 करोड़ रुपए था। बीएसई के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ सुंदरारामन राममूर्ति ने कहा हम ह्यूमन रिसोर्सेज, नए प्रोडक्ट्स, टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर आदि के विकास में निवेश करना जारी रखेंगे और इस प्रकार लॉन्ग टर्म ग्रोथ शेयरधारकों को आगे बढ़ाएंगे और वाइब्रेंट BSE 2025 के अपने मिशन को पूरा करेंगे।

15 नवम्बर

आईआईसीए, लीन कैंपस स्टार्टअप्स और भारतीय महिला उद्यमी अंतर्राष्ट्रीय चैंबर्स के बीच समझौता

● भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) और लीन कैंपस स्टार्टअप्स

(ट्रस्ट) और भारतीय महिला उद्यमी अंतर्राष्ट्रीय चेंबर (डब्ल्यूआईसीआई) इंडिया ने गुरुग्राम के मानेसर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। आईआईसीए और लीन कैंपस स्टार्टअप्स तथा डब्ल्यूआईसीआई इंडिया का सहयोगात्मक उद्देश्य कॉर्पोरेट और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना और विविध कार्यबल की प्रभावी स्थापना और प्रबंधन में उनके ज्ञान, कौशल और दक्षताओं को बढ़ाना है। आईआईसीए के साथ साझेदारी में लीन कैंपस स्टार्टअप्स महिला उद्यमियों और छात्रों के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगा। सहयोग का उद्देश्य कॉर्पोरेट क्षेत्र और विशेष रूप से महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना है। सशक्तिकरण की इस प्रक्रिया में संसाधन, प्रशिक्षण, परामर्श और अन्य सहायता तंत्र प्रदान करना शामिल होगा।

● नेपाल सरकार ने सामाजिक तालमेल को नुकसान पहुंचाने के आरोप में सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक पर पाबंदी लगाने का फैसला किया है। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद विदेश मंत्री नारायण प्रकाश सऊद ने बताया कि तत्काल प्रभाव से टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। श्री सऊद ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए यह फैसला जरूरी था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म को जवाबदेह बनाने के लिए सरकार ने कंपनियों से नेपाल में संपर्क कार्यालय पंजीकृत कराने, कर का भुगतान करने और देश में लागू नियमों और विधानों का अनुपालन करने को कहा है। टिकटॉक की कई देशों में जांच हो रही है। यह चिंता उठाई जा रही है कि चीन अपने हित में डेटा का उपयोग करने के लिए इस ऐप का दुरुपयोग कर सकता है।

16 नवम्बर

भारतीय नौसेना की तोपखाना संगोष्ठी आयोजित

● दक्षिणी नौसेना कमान मुख्यालय के तत्वावधान में नौसेना के तोपखाना और

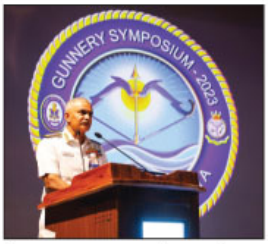

मिसाइल युद्ध उत्कृष्टता केन्द्र, आईएनएस द्रोणाचार्य में तोपखाना संगोष्ठी 2023 का आयोजन किया गया। संगोष्ठी हर तीन साल में एक बार आयोजित किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जो तोपखाना क्षेत्र के विशेषज्ञों को भविष्य की प्रौद्योगिकियों और सेंसरों के परिचालन संबंधी उपयोग से जुड़े मामलों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष की संगोष्ठी का मुख्य विषय 'एमर्जिंग टेक्नोलॉजीस इन गनरी एंड मिसाइल वारफेयर' था और प्रख्यात पैनलिस्टों ने कई पेपर प्रस्तुत किए। संगोष्ठी के दौरान अगली पीढ़ी के मिशन और प्रौद्योगिकियां, आधुनिक नौसेना की विशिष्ट प्रौद्योगिकियों की खोज व भविष्य-रोधी बल के लिए प्रशिक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत 'पत्रों का सार-संग्रह' भी जारी किया गया।

● केंद्रीय विद्युत और नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री आर.के. सिंह ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला- 2023 में भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय की ओर से स्थापित विद्युत मंडप का उद्घाटन किया। इस मंडप का उद्देश्य घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग के सामने विद्युत क्षेत्र की प्रमुख पहलों को प्रदर्शित करना है। इसके साथ ही सरकार की योजनाओं और नीतियों में जन जागरूकता और भागीदारी में सुधार करना भी है। इस मंडप में विभिन्न नीतिगत पहलों और विषयों रेखांकित किया गया है। इनमें राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, कार्बन कैप्चर तकनीक, एक सूर्य-एक विश्व-एक ग्रिड, नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से सार्वभौमिक विद्युत पहुंच, विद्युत (उपभोक्ताओं के अधिकार) नियम, स्मार्ट एनर्जी (स्मार्ट ग्रिड, स्मार्ट मीटर), ग्रिड स्थिरता के लिए पंपयुक्त हाइड्रो भंडारण, विद्युत रूपांतरण, चार्जिंग अवसंरचना और ई-मोबिलिटी शामिल हैं।

17 नवम्बर

महू में आयोजित हुआ इन्फैंट्री कमांडरों का सम्मेलन

● इन्फैंट्री कमांडरों का 37वां सम्मेलन इन्फैंट्री स्कूल मध्यप्रदेश के महू में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस द्विवार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल मनोज पांडे ने की। इस सम्मेलन में संचालन, प्रशिक्षण, क्षमता विकास और प्रौद्योगिकी के समावेशन में इन्फैंट्री से संबंधित मौजूदा और भविष्य के मुद्दों के बारे में चर्चा की गई। पारंपरिक युद्ध परिदृश्य और उग्रवाद और आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन्फैंट्री की क्षमताओं की समीक्षा करते हुए, भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप इन्फैंट्री की क्षमता को और आगे बढ़ाने के बारे में जरूरी निर्णय लिए गए। सम्मेलन के दौरान, इन्फैंट्री ने घातकता, गतिशीलता, युद्धक्षेत्र पारदर्शिता, स्थितिजन्य जागरूकता और उत्तरजीविता के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी नवीनतम उपलब्धियों का प्रदर्शन किया। यह सम्मेलन हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया है और इसमें सेना के उप प्रमुख, छह जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के सत्रह अधिकारी और मेजर जनरल रैंक के चौदह अधिकारियों के अलावा इन्फैंट्री रेजिमेंट के कर्नलों और रेजिमेंटल सेंटर कमांडेंट्स ने भी भाग लिया। कई प्रतिभागी महू में उपस्थित थे जबकि कुछ अधिकारियों ने देश के प्रमुख सैन्य स्टेशनों से ऑनलाइन मोड में इस सम्मेलन में भाग लिया। सेना प्रमुख ने इन्फैंट्री को भविष्य के लिए एक अजेय बल में परिवर्तित करने के लिए नवीनतम तकनीक को अपनाने की दिशा में सभी स्तरों पर किए जा रहे समर्पित और दृढ़ प्रयासों के लिए प्रतिभागियों की सराहना की।

● प्रगति मैदान में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के जिओग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) पैवेलियन में विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। यहां हर आयु वर्ग को ध्यान में रखते हुए कृषि, खाद्य से लेकर हस्तशिल्प और हथकरघा से संबंधित 200 से ज्यादा विशेष भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। जीआई उत्पादों में खास तरह की विशेषताएं होती हैं और उनमें भौगोलिक उत्पत्ति से जुड़े गुण मौजूद होते हैं। इस पैवेलियन में पद्मश्री और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं के द्वारा गोंड पेंटिंग, वर्ली पेंटिंग, पिथोरा पेंटिंग, शैम्फी लैंफी, संदूर लंबानी कढ़ाई, ओडिशा पट्टचित्रा इत्यादि जैसी पारंपरिक कलाकृतियों का जीवंत प्रदर्शन और चित्रण आगंतुकों को भारत की समृद्ध पारंपरिक और सांस्कृतिक आत्मा का अनुभव देता है। युवा प्रतिभागियों के लिए पैवेलियन में शारीरिक और डिजिटल गतिविधि के संयोजन के साथ किड्स प्ले जोन भी तैयार किया गया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 40, अंक 47 20.11.2023 से 26.11.2023

रोज़गार और निर्माण
www rojgaarnirman.in

● प्रबंध संचालक - मनीष सिंह
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

सरल, सहज और सुगमता से मतदान की प्रक्रिया संपन्न

मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिये 17 नवंबर को मतदान संपन्न हुए। प्रदेश के विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रत्याशियों की जीत और हार का फैसला आगामी 3 दिसंबर को मतगणना में होगा। प्रदेश में कुल 64 हजार 626 मतदान केन्द्र (103 सहायक मतदान केन्द्र) बनाये गये। जिनमें मतदान का कार्य संपन्न हुआ। इस विधानसभा चुनाव में प्रदेश में कुल 76.22 प्रतिशत मतदान हुआ।मतदान की इस पूरी प्रक्रिया को संपन्न करवाने में चुनाव आयोग की बड़ी भूमिका रही है। चुनाव की तारीख की घोषणा के बाद से प्रदेश में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में चुनाव कार्य की भूमिका सुनिश्चित हुई, इसमें जिम्मेदारी संभाल रहे कर्मचारियों-अधिकारियों सहित अन्य लोगों ने पूरी निष्ठा के साथ इस कार्य को संपन्न करवाने में अहम भूमिका निभाई। यही कारण है कि प्रदेश में निर्विघ्न मतदान का कार्य संपन्न हुआ।

इस बार प्रदेश के 230 विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला प्रदेश के 5 करोड़ 60 लाख से अधिक मतदाताओं ने किया है। मतदाता बड़ी संख्या में अपने घरों से निकलकर मतदान स्थल पर पहुंचे और उन्होंने अपने मत का प्रयोग किया। मतदान के दौरान कुछ ऐसी तस्वीरें भी देखने को मिलीं, जहां पहली बार अपने मत का प्रयोग करने पहुंचे युवा उत्साहित दिखे। चुनाव आयोग के अनुसार प्रदेश में लगभग 22 लाख ऐसे युवा मतदाता हैं जिन्होंने पहली बार अपने मत का प्रयोग किया है।

प्रदेश में निष्पक्ष मतदान हो इसके लिये भी विशेष तैयारी देखने को मिली। मतदान केन्द्र पर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई खासतौर से संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर केंद्रीय सुरक्षा बल को तैनात किया गया। इसके अलावा सी.सी.टी.वी. कैमरा, मतदान केन्द्रों की लाइव बेव स्ट्रीमिंग, माइक्रो ऑब्जर्वर, सघन मॉनिटरिंग और पुलिस पेट्रोलिंग टीम के माध्यम से सुरक्षा की पूरी चाकचौबंद व्यवस्था की गई।

लोकतंत्र में मतदान प्रत्येक नागरिक का प्रमुख अधिकार है। हर नागरिक अधिक से अधिक संख्या में मतदान स्थल पर पहुंचकर मतदान करें इसके लिये प्रदेश में सुनियोजित ढंग से कार्य किया गया। प्रचार-प्रसार के तमाम साधनों के अलावा कॉलेजों में क्लब और कैंपस एम्बेसेडर बनाए गए, सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से प्रचार-प्रसार का कार्य कर लोगों को मतदान के लिये प्रेरित किया गया। इस बार मतदान केन्द्रों पर कुछ नवाचार भी देखने को मिले। कई जिलों में पिंक बूथ बनाये गये, जिसके प्रबंधन की जिम्मेदारी महिलाओं ने संभाली। ऐसे मतदान केन्द्र भी बनाये गये जिसके प्रबंधन का कार्य दिव्यांगजनों ने संभाला। कई ऐसे मतदान केन्द्र बनाए गए जिसके प्रबंधन का कार्य 35 वर्ष तक के युवाओं ने बखूबी संभाला। मतदान केन्द्र पर बुजुर्ग मतदाताओं के बैठने की व्यवस्था, वॉलेंटियर्स की उपलब्धता, बुजुर्गों को मतदान में प्राथमिकता, प्रतिक्षालय जैसी तमाम व्यवस्थाएं की गईं जिससे मतदान की प्रक्रिया सरल, सहज और सुगम बनी।

नीदरलैंड के शोधकर्ताओं ने खोजा ऑस्ट्रेलिया से गायब हुए आर्गोलैंड महाद्वीप का ठिकाना

नीदरलैंड के यूट्रेक्ट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का हाल ही में एक शोध सामने आया। इस शोध के मुताबिक वैज्ञानिकों की टीम ने लगभग 15 करोड़ वर्ष पहले ऑस्ट्रेलिया से गायब हुए महाद्वीप को खोज निकाला है। शोधकर्ताओं का दावा था कि ऑस्ट्रेलिया से करोड़ों साल पहले धरती का एक बड़ा टुकड़ा अलग होकर गायब हो गया था। वैज्ञानिकों की टीम ने इस टुकड़े को आर्गोलैंड महाद्वीप नाम दिया है जिसे ढूंढने में अब तक कई वैज्ञानिक सफल नहीं हो सके। नीदरलैंड के यूट्रेक्ट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस गायब हुए धरती के टुकड़े का रहस्य सुलझा लिया है जो दक्षिण-पूर्वी एशिया के ईस्टर आइलैंड के नीचे छुपा हुआ है। शोधकर्ताओं ने उस महाद्वीप के अलग होने से लेकर उसके गायब होने तक के सफर को फिर से तैयार करने की कोशिश की है। शोध में पाया गया कि इस भूमि के टुकड़े के हिस्से इंडोनेशिया और म्यांमार के आस-पास मौजूद हैं। पूरी प्रकिया को समझने के लिए वैज्ञानिकों ने आर्गोलैंड महाद्वीप की उत्तरी दिशा की यात्रा को रिक्रिएट किया। उन्हें इस दौरान छोटे सागरों के अवशेष मिले जो कि 20 करोड़ साल पुराने थे। वैज्ञानिकों ने पाया कि खोया हुआ महाद्वीप टेक्टॉनिक फोर्स के कारण मुख्य महाद्वीप से अलग हो गया और साउथ-ईस्ट एशिया में टुकड़ों में बिखर गया। इस हाइपोथिसिस पर काम करते हुए शोधकर्ताओं ने बताया है कि आर्गोलैंड महाद्वीप असल में गायब नहीं हुआ था। लेकिन यह टुकडों के रूप में जिंदा रहा और इंडोनेशिया के पूर्व में आइलैंड्स के नीचे दबा रहा। अब वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि उनकी स्टडी से इस क्षेत्र के पुराने जलवायु तंत्र के बारे में जानकारी मिल सकती है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस - 26 नवम्बर

स्वस्थ पर्यावरण से खुशहाल जीवन की परिकल्पना संभव

पर्यावरण अर्थात हमारे चारों तरफ का वातावरण जहां हम रहते हैं। इसमें सभी तत्वों का सह-अस्तित्व के साथ जीना आवश्यक है। पर्यावरणीय तंत्र में एक दूसरे का अंतर्संबंध है। इसकी श्रृंखला के किसी भी एक तत्व के विखंडन का समस्त पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है। धरती पर मनुष्य ने विकास के साथ कहीं न कहीं पर्यावरण की कड़ी में हस्तक्षेप किया है। जिससे इसका संतुलन बिगड़ा और इसके परिणाम देखने को मिल रहे हैं। ओल्डो लियोपोल्ड ने लिखा है कि ''संतुलन शास्त्र की बुनियादी धारणा यह है कि भूमि एक समाज है। इस भूमि को प्रेम करना, उसका आदर करना नीति शास्त्र का विस्तार है। हम भूमि का दुरुपयोग इसीलिए करते हैं क्योंकि हम उसे एक पदार्थ समझते हैं और हम यह समझते हैं कि यह हमारी मिलकियत है। हम जब समझेंगे कि भूमि एक समाज है और हम भी इस समाज के सदस्य है तब हम प्रेम और आदर से उसका उपयोग करने लगेंगे।''

धरती और धरती पर निवास करने वाली सभी इकाईयों का सामंजस्य जरूरी है। यह सामंजस्य टूटा इसीलिए कई भयावह परिस्थितियां निर्मित हुई हैं। बाढ़, सूखा, भूस्खलन, ग्लोबल वार्मिंग जैसी प्राकृतिक आपदाओं से मनुष्य परेशान है। यह गंभीर चिंता का विषय है। पर्यावरण को संरक्षित किया जाना जरूरी है। पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए 26 नवम्बर को विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस मनाया जाता है।

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस का उद्देश्य

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस की शुरुआत 26 नवम्बर 1992 में हुई थी। इस दिवस के आयोजन का उद्देश्य है लोगों को बिगड़ते पर्यावरण की स्थिति-परिस्थिति से अवगत कराना और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। इस दिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए किये जाने वाले प्रयासों से लोगों को जोड़ने का काम किया जाता है। पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और बचाव के लिए दुनिया भर में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जाता है।

पर्यावरण क्या है

पर्यावरण में हवा, पानी, पशु-पक्षी, जीव-जन्तु, पेड़-पौधे, पर्वत, नदियां, पृथ्वी सभी शामिल हैं। समान्यतः हम जहां भी निवास करते हैं उसके आसपास जो भी है वह पर्यावरण है। पर्यावरण के सभी तत्व आपस में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। सभी का एक दूसरे पर प्रभाव पड़ता है। इसमें किसी भी तत्व का जैसे हम पर असर होता है वैसे ही हमारे किसी भी क्रिया-कलाप का पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है। इसीलिए पर्यावरण के सभी तत्वों का आपस में सामंजस्य और संतुलन जरूरी है।

पर्यावरण का संरक्षण क्यों आवश्यक है

पर्यावरण के सभी तत्व पृथ्वी जल, जंगल, हवा, जीव-जन्तु, वनस्पति सभी एक दूसरे पर निर्भर हैं। विकास के साथ मनुष्य ने प्रकृति का दोहन शुरू किया, अपनी आवश्यकता के लिए जंगल काटे, पर्वतों को खाली कर दिया, उद्योगों के अपशिष्ट को पर्यावरण में सीधे छोड़ दिया, उसके उपचार पर कोई विचार नहीं किया। आगे बढ़ने के लिए विकास जरूरी है, लेकिन एक प्राकृतिक संतुलन के साथ। मनुष्य ने कभी उस संतुलन का विचार नहीं किया। अनियंत्रित रूप से प्रकृति का दोहन करते हुए पर्यावरण संतुलन की समूची श्रृंखला को तोड़-मरोड़कर रख दिया। इसके परिणाम स्वरूप ही नदियों में बाढ़, कभी सूखा तो कभी अधिक वर्षा का सामना करना पड़ रहा है। हवा को इतना दूषित कर दिया कि पर्यावरण की ओज़ोन परत भी इससे प्रभावित हो गई। वर्तमान में पर्यावरण के इसी विखण्डन से जो सबसे बड़ी समस्या खड़ी हुई है, वह है ग्लोबल वार्मिंग। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। पर्यावरण के संतुलन पर चिंतित ''जीव का जाल'' (वेब ऑफ लाइफ) के लेखक लिखते हैं कि ''मनुष्य प्रकृति से इतनी दूर हट गया है कि अब प्राणियों तथा वनस्पतियों की अनिवार्यता का महत्व समझना कठिन हो गया है। मनुष्य अकेला खड़ा नहीं है। साधारण मनुष्य इस सारे जीवित समूह को, संचालित करने वाले सिद्धांतों और नियमों को समझ सके, इसकी बड़ी आवश्यकता हैं। तब हर एक की उत्पादन शक्ति जारी रह सकेगी। क्या मनुष्य उस विज्ञान को गहराई से समझकर अपने हृदय में उस प्रेरणा और उसी ज्ञान का संचार कर सकेगा, जिससे वह अपनी नव अर्जित शक्तियों का सदुपयोग कर सके और सारे प्राणी और वनस्पति जगत को एक ही प्रतिरूप में देख सके।''

वर्तमान समय में हमें इस संदर्भ को समझना जरूरी है। यह पर्यावरण संरक्षण के लिए विचारणीय सत्य है। मनुष्य के भविष्य को बचाने के लिए पर्यावरण को बचाना होगा। समाप्त होते जंगलों से प्रकृति का स्वास्थ्य बिगड़ेगा, इसका सबसे अधिक प्रभाव मानव पर पड़ेगा जीव-जन्तु की प्रजातियां विलुप्त होंगी तो समूचा इकोसिस्टम टूटेगा। मनुष्य भी इसी इकोसिस्टम का हिस्सा है। अतः इसका प्रभाव मनुष्य पर भी पड़ेगा। पेड़-पौधों के घटने से होने वाली समस्याएं हमारे सामने है। इन सभी समस्याओं का एक ही उपाय है पर्यावरण को संतुलित किया जाये।

पर्यावरण में प्रदूषण

पर्यावरण में प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से प्रदूषण उत्पन्न होता है। पर्यावरण के किसी भी घटक में होने वाले भौतिक या रासायनिक परिवर्तन जो अन्य घटकों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं प्रदूषण कहलाता है। प्रदूषण में मुख्यतः वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, थल प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण शामिल है।

वायु प्रदूषण

वायु जीवन के लिए आवश्यक तत्व है। सामान्यतः वायु में 78 प्रतिशत नाइट्रोजन, 20.8 प्रतिशत ऑक्सीजन, 0.035 प्रतिशत कार्बन डाई ऑक्साइड तथा शेष निष्क्रीय गैसे और जलवाष्प होती हैं। वायु में उपस्थित ऑक्सीजन पर सभी जीवधारियों का जीवन निर्भर करता है। वायु के भौतिक, रसायनिक या जैविक गुणों में जब कोई भी परिवर्तन होता है तो यह वायु प्रदूषण कहलाता है। औद्योगिक चिमनियों से निकलने वाला धुंआ, मोटर गाड़ियों से निकला धुंआ तथा विभिन्न मानवीय गतिविधियों से उड़ने वाली धूल पर्यावरण को दूषित कर रही है। इससे गैसों की मात्रा में बदलाव हुआ है और तापमान बढ़ने से जलवायु परिवर्तन की समस्या खड़ी हुई है। इसमें सुधार के लिए वायु प्रदूषण से उत्पन्न होने वाले घातक परिणामों से लोगों को अवगत कराया जाये, वायु प्रदूषण के स्तरों की जांच की जाए, ऊर्जा के वैकल्पिक साधनों का उपयोग बढ़ाया जाये।

जल प्रदूषण

जल प्रदूषण को जल स्रोत के प्रदूषण के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। जल प्रदूषण तब होता है जब नदियां, झीलें, महासागर, भूजल आदि जल स्रोत औद्योगिक और कृषि अपशिष्टों से दूषित हो जाते हैं। जब पानी प्रदूषित हो जाता है, तो यह उन सभी पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस पर निर्भर हैं। जल प्रदूषण के प्राथमिक कारणों में से एक जहरीले रसायनों द्वारा जल का प्रदूषण होता है। जल में प्रदूषित तत्वों के मिलने से जल को स्वच्छ करने वाले जलीय जीव जन्तुओं की मृत्यु हो जाती है और जलीय इकोसिस्टम टूटता है। पानी में जीवाणु और विषाणु निर्मित होते हैं। औद्योगिक अपशिष्ट में यदि लेड, मरकरी, क्रोमियम, कैडमियम आदि उपस्थित हो तो घातक रोग उत्पन्न होते हैं। जल प्रदूषण के खतरों को देखते हुए जल प्रदूषण को रोकना जरूरी है।

थल प्रदूषण

मिट्टी में उत्पन्न होने वाला प्रदूषण थल प्रदूषण कहलाता है। यह मुख्यतः कृषि में अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग करने या ऐसे पदार्थ जो मिट्टी में नहीं मिलाए जाना चाहिए उसे मिलाए जाने से होता है। इससे मिट्टी की उर्वरा क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। मिट्टी के प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण रासायनिक खेती है। इसमें उपयोग होने वाले रासायनिक खाद और पेस्टीसाइड्स मिट्टी की प्रकृति को बदल देते हैं। इससे कुछ वर्षों बाद मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी समाप्त हो जाती है। थल प्रदूषण के अन्य कारणों में औद्योगिक अपशिष्ट को मिट्टी में मिलाया जाना, वनों की कटाई, बढ़ते शहरीकरण, अम्लीय वर्षा और खनन आदि शामिल हैं। थल प्रदूषण ने मिट्टी की प्रकृति को बदल दिया है। इसे बचाने के लिए जैविक खेती को अपनाना, वनों को काटना बंद करना और वृक्षारोपण आवश्यक है।

ध्वनि प्रदूषण

किसी प्रकार की ध्वनि जो सुनने योग्य क्षमता से उच्च स्वर में हो ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न करती है। किसी भी प्रकार की अनुपयोगी ध्वनि मनुष्य और जीव-जन्तुओं को परेशान करती है। मनुष्य के विकास और बढ़ती जनसंख्या के साथ यातायात और वाहनों की संख्या में वृद्धि हुई। जो ध्वनि प्रदूषण का बड़ा कारण है। कार्यालय उपकरण, मशीनरी निर्माण कार्य, बिजली उपकरण, उच्च संगीत मनोरंजन प्रणाली, शोर-शराबा यह सभी ध्वनि प्रदूषण के अन्य कारण हैं।

विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस का महत्व

आज समूचा विश्व पर्यावरणीय असंतुलन को लेकर चिंतित है। बिगड़ता पर्यावरण मानव अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा है। लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस बड़ा आयोजन है। इसमें लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करने के साथ इसके संरक्षण को लेकर गंभीर विचार-विमर्श किया जाता है। इस तरह के आयोजन से ही पर्यावरण को बचाने के हल खोजे जा सकते हैं।

देवेन्द्र गोरे

(लेखक- समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023

द्वितीय प्रश्नपत्र जनरल एप्टीट्यूट की तैयारी की रणनीति

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2023 में दो वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र होंगे। पहला प्रश्नपत्र सामान्य अध्ययन का एवं दूसरा प्रश्नपत्र जनरल एप्टीट्यूट टेस्ट का होगा। इस परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी प्रतियोगी सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र के लिए चिंतित तो रहते हैं, लेकिन कई प्रतियोगी एप्टीट्यूट प्रश्नपत्र पर क्वालि-फाइंग प्रकृति का होने के कारण उचित ध्यान नहीं देते हैं। सुनियोजित रूप से वे उसकी तैयारी नहीं करते हैं। नि:संदेह सामान्य अध्ययन की तैयारी की तरह एप्टीट्यूट प्रश्नपत्र की भी अच्छी तैयारी जरूरी है। कारण यह कि इसका पाठ्यक्रम अधिकांश प्रतियोगियों के लिए बिलकुल नया होता है। वहीं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा के इच्छुक अभ्यर्थियों हेतु द्वितीय प्रश्नपत्र भी समान रूप से महत्वपूर्ण होता है।

गौरतलब है कि एप्टीट्यूट यानी अभिरुचि प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम के विभिन्न भागों में बोधगम्यता, संचार कौशल सहित अन्तर्वैयक्तिक कौशल, तार्किक तर्क एवं विश्लेषण योग्यता, निर्णय लेना एवं समस्या का समाधान करना, सामान्य मानसिक योग्यता, आधारभूत संख्यांकन तथा हिन्दी भाषा बोधगम्यता कौशल सम्मिलित है। हिन्दी भाषा में बोधगम्यता कौशल दसवीं कक्षा के स्तर का रहेगा। इस प्रश्नपत्र की तैयारी हेतु पिछले कुछ वर्षों में राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों को देखा जाना चाहिए।

बोधगम्यता (कॉम्प्रीहेंशन) जनरल एप्टीट्यूट के प्रश्नपत्र में बोधगम्यता का विशेष महत्व है

जनरल एप्टीट्यूट के प्रश्नपत्र में बोधगम्यता की विशेष अहमियत है। इससे प्रतियोगी की भाषा को समझने की क्षमता का परीक्षण होता है। इसमें गद्य अवतरण पर आधारित प्रश्नों के द्वारा यह परखा जाता है कि उम्मीदवार तथ्य खोजने, सूचनाओं का विश्लेषण करने, कथ्य की व्याख्या करने, दी गई सूचनाओं से निष्कर्ष निकालने तथा सूचनाओं के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष अर्थ को समझने में कितना दक्ष है। गौरतलब है कि बोधगम्यता में गद्यांश संबंधी प्रश्न होते हैं, जिन पर सामान्यत: उम्मीदवार द्वारा विशेष ध्यान नहीं दिया जाता और न ही उनकी विशेष तैयारी की जाती है, जो कि बहुत हानिप्रद है। बोधगम्यता के तहत व्यक्ति की समग्र अवबोधन क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। आवश्यक सूचनाएं खोजने में समर्थ मस्तिष्क प्रशासनिक क्षेत्र की अहम आवश्यकता है। प्रशासन में नैतिक एवं नीतिक निर्णय लेने संबंधी परीक्षण के बहुत अधिक अवसर हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि बोधगम्यता व्यक्तित्व के बहुआयामी पहलुओं के परीक्षण की एक पद्धति है। इसके द्वारा निहितार्थ की समझ, अवबोधन क्षमता, निर्णयन क्षमता एवं सही निष्कर्ष तक पहुंचने की क्षमता की जांच एक साथ की जाती है। जाहिर है, इतने सारे परीक्षणों के द्वारा व्यक्तित्व का समग्र प्रभाव स्पष्ट हो जाता है। ऐसे में बोधगम्यता के प्रश्नों को हल करने में अतिरिक्त सावधानी एवं सचेतता आवश्यक है। इस प्रकार के प्रश्नों के सही उत्तर देने के लिए निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है। उम्मीदवार को सर्वप्रथम अवतरण को पढ़कर उसके निहितार्थ को समझने की कोशिश करनी चाहिए। एक बार गद्यांश पढ़कर मूल भाव को समझने में कठिनाई हो तो उसे एक से अधिक बार पढ़ें। जब तक निहितार्थ समझ में न आ जाए, दिए गए गद्यांश को बारंबार पढ़ें। निहितार्थ समझ लेने पर प्रश्नों का उत्तर देना बहुत आसान हो जाता है।

सबसे पहले दिए गए गद्यांश का सही-सही अर्थ समझने का प्रयत्न करें अर्थात सक्रियतापूर्वक कल्पना करें कि गद्यांश के शब्द किस ओर संकेत कर रहे हैं। मूल पाठ स्वयं को पुन: समझाएं। कल्पना में देखें कि गद्यांश क्या कह रहा है। किन्तु गद्यांश में बाहरी विचार लाने की प्रवृत्ति से बचें। प्रत्येक गद्यांश के पहले कुछ वाक्यों को स्पष्टता से समझें, क्योंकि वे समस्त गद्यांश के लिए महत्वपूर्ण इनपुट उपलब्ध कराते हैं। लंबे या कठिन गद्यांश को हल करने का यह एक शक्तिशाली उपाय है कि जो कुछ आप गद्यांश में पढ़ रहे हैं, उसके अर्थ और प्रयोजन के संबंध में स्वयं से प्रश्न करते रहें कि जो कुछ मैंने पढ़ा है, उसका क्या अर्थ है? यह वाक्य यहां क्यों है? पैराग्राफ ब्रेक्स पर भी फोकस करें। वे कुछ नया इंगित करते हैं। उनमें से प्रत्येक किसी प्रकार की नई शुरुआत को चिह्नित करता है।

संचार कौशल सहित अंतर्वैयक्तिक कौशल (इन्टरपर्सनल स्किल्स इनक्ल्यूडिंग कम्युनिकेशन स्किल्स)

एप्टीट्यूट के प्रश्नपत्र में संचार कौशल और अंतर्वैयक्तिक कौशल का उद्देश्य सामाजिक अंत:क्रिया के कारकों को समझने और उनका प्रबंधन करने की उम्मीदवार की योग्यता परखना है। संप्रेषण कौशल कतिपय मनोवैज्ञानिक, मनोवृत्तिपरक, व्यक्तित्वगत विशेषताओं और भाषा बोध का कार्य है। सीधे शब्दों में कहें तो अंतर्वैयक्तिक संप्रेषण से तात्पर्य है, आमने-सामने का वार्तालाप, जिसकी सबसे अच्छी परख किसी साक्षात्कार अथवा सामूहिक परिचर्चा जैसे प्रारूप में हो सकती है। इसे लिखित माध्यम द्वारा भी परखा जा सकता है, यदि उम्मीदवार यह समझ सके कि क्या लिखा है तथा उसे दूसरों को भी समझा पाने में सक्षम हो।

इस कौशल के तहत प्रशासन के संदर्भ में, आंतरिक गुणों के रूप में व्यक्ति की उन आंतरिक क्षमताओं, व्यवहार, संवाद के गुण आदि को देखा-परखा जाता है, जिनका उपयोग वे प्रशासन संगठन में कार्यों की सफलता के लिए करते हैं।

कभी-कभी आंतरिक गुणों को व्यक्ति के व्यक्तिगत गुण या संवाद क्षमता के रूप में भी देखा जाता है। आंतरिक गुणों में नेतृत्व के गुण समाहित होते हैं। इन गुणों के द्वारा व्यक्ति विशेष अन्य व्यक्ति के साथ बखूबी संवाद करता है तथा स्वयं के साथ ही दूसरों की भी मदद करता है। सकारात्मक आंतरिक गुणों से संगठन के अंदर उत्पादकता बढ़ती है तथा विरोध कम होते हैं। विभाग का वातावरण काम के लिए आरामदायक और खुशनुमा होता है।

तार्किक तर्क एवं विश्लेषणात्मक योग्यता (लॉजिकल रीजनिंग एंड एनेलिटिकल एबिलिटी)

निसंदेह एप्टीट्यूट के प्रश्नपत्र में तार्किक तर्क एवं विश्लेषणात्मक योग्यता के प्रश्नों की विशेष अहमियत है। तार्किक विवेचन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें तर्कशास्त्र के सिद्धांतों के आधार पर प्रत्येक तथ्यों या आधार वाक्यों से वांछित निष्कर्ष या अनुमान प्राप्त किए जाते हैं। गौरतलब है कि तार्किक निष्कर्ष का आशय तर्क द्वारा व्युत्पन्न निष्कर्ष से है न कि सत्य या प्रत्यक्ष तथ्य से। सही एवं गलत के मध्य विभेद करने की विधि के नियमों और तरीकों का अध्ययन ही तर्क है। तार्किकता, किसी भी अभिवृत्ति परीक्षण का महत्वपूर्ण भाग होती है। किसी भी प्रशासनिक सेवक को समझौता करने अथवा गलत निर्णय लेने के स्थान पर वैकल्पिक होने की आवश्यकता होगी। उम्मीदवार के भीतर इसी योग्यता का परीक्षण करने हेतु तार्किक तर्क एवं विश्लेषणात्मक योग्यता के प्रश्न पूछे जाते हैं।

तार्किक तर्क कौशल निर्विवाद तथ्यों की सच्चाई निश्चित करने की प्रक्रिया है। यह हमारी विश्लेषणात्मक योग्यता की मजबूती तय करती है। हमें सदैव याद रखना चाहिए कि तर्क का अर्थ सत्य की खोज करना नहीं होता है। तर्क का वास्तव में अर्थ है कि कोई बात परिष्कृत दलीलों द्वारा विवेचना के विभिन्न तत्वों का प्रयोग कर तथ्य के रूप में स्थापित की जा सकती है। चूंकि तार्किक कौशल संबंधी प्रश्न दिए गए विवरणों की कमांड, औपचारिक निगमनात्मक योग्यता, नियमों द्वारा व्यवहार को सीमित और आदेशित करने के ढंग से तथा समस्याएं हल करने के लिए डाटा के अनेक अंशों का उपयोग करने की योग्यता परखते हैं, अत: उम्मीदवारों में इन तीन कौशलों का होना आवश्यक है। 1. सूचना को समझना। 2. सूचना का आरेखन। 3. सूचना को क्रम से लगाना (सीक्वेंसिंग)।

इन तीन कौशलों में से पहला कौशल दिए गए वक्तव्यों के विभिन्न प्रकारों का अर्थ निकालने से संबंध रखता है। जहां तक तार्किक कौशल संबंधी प्रश्न हल करने का संबंध है, दूसरा कौशल सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। यह कौशल विद्यार्थियों से परिदृश्य और नियमों से संबंधित विभिन्न कारकों से परिचित होने की अपेक्षा रखता है। तीसरे कौशल के संबंध में उत्तर प्राप्त करने के लिए आपको कुछ आधारभूत नियम ध्यान में रखने होंगे। 1. आपको प्रत्येक सेट में सीक्वेंसिंग के पहलू पर विशेष ध्यान देना होगा। भ्रमित न हों, अनेक प्रश्नों के उत्तर केवल छूट गई चीजों के बारे में सोचने भर से दिए जा सकते हैं। आपको उन चीजों और उनकी स्थिति के बारे में सोचना चाहिए। 2. कई बार आपको किसी तार्किक कौशल की स्थिति को समझना कठिन लगेगा। निराश न हों, अपने-आपसे प्रश्न पूछते रहें और तार्किक कौशल सेट को चलता रहने दें। अपने-आपसे लगातार प्रश्न पूछते रहने से आप समस्या के समाधान तक बहुत आसानी से पहुंच पाएंगे। 3. तार्किक कौशल सेट को आरेख अर्थात डाइग्राम में बदलना उससे निपटने का सर्वोत्तम तरीका है। यदि आप इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए प्रश्नपत्र के इस खंड को हल करेंगे तो निश्चित ही प्रश्नों के सही उत्तर दे पाएंगे।

निर्णय लेना एवं समस्या का समाधान करना (डिसिजन मेकिंग एंड प्रॉब्लम सॉल्विंग)

निश्चित रूप से निर्णय लेने एवं समस्या के समाधान का सिद्धान्त प्रशासनिक व्यवहार का एक अहम बिन्दु है। निर्णय लेना एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके अन्तर्गत कोई व्यक्ति विभिन्न रणनीतियों या विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चुनाव करता है। जॉर्ज आर. टेरी ने कहा है कि दो या दो से अधिक सम्भावित विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चुनाव करना ही निर्णय लेना है।

उल्लेखनीय है कि सभी प्रकार के संगठनों में निर्णय लेने का महत्व लगभग समान रूप से प्रभावकारी होता है। यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया में बौद्धिकता, तार्किकता, वैज्ञानिकता जैसे तत्वों की प्रधानता रहती है तो संगठन की गतिशीलता और लक्ष्योन्मुखता के साथ अन्ततः उसकी सफलता निश्चित है। दूसरी ओर यदि इसके विपरीत तत्वों की भूमिका कायम होती है, तो संगठन की निष्क्रियता और लक्ष्यविहीनता के साथ अन्ततः उसकी असफलता निश्चित है। निर्णयकर्ता के पास विशेष योग्यता, कौशल, तार्किक क्षमता आदि का होना नितांत आवश्यक है।

प्रजातांत्रिक एवं विकासशील देशों में नित नई समस्याएं सामने आती रहती हैं, जिनका समाधान प्रशासन को प्राथमिकता के आधार पर करना होता है। अत: प्रशासनिक अधिकारी द्वारा निर्णय लेना अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि सही समय पर लिया गया सही निर्णय समस्या का त्वरित समाधान कर देता है तथा इसके विपरीत एक गलत निर्णय समस्या को बढ़ाकर विकराल रूप प्रदान कर सकता है। हरबर्ट साइमन का यह कथन कि निर्णय लेना ही प्रशासन है बिल्कुल उचित प्रतीत होता है।

ऐसे में यह कहा जा सकता है कि निर्णय लेने या समस्या का समाधान करने की योग्यता सामान्य रूप से एप्टीट्यूट प्रश्नपत्र में प्रश्नों के द्वारा परखी जाएगी। जहां तक निर्णय लेने और समस्या-समाधान के नैतिक पहलुओं का संबंध है, वे निम्नलिखित प्रकार से परखे जा सकते हैं- अभिप्रेरणा, द्वंद्व-प्रबंधन, प्रशासनिक व्यवहार, वैयक्तिक मनोविज्ञान, सामाजिक मनोविज्ञान तथा उद्देश्य द्वारा प्रबंधन। प्रश्नपत्र के इस खंड का आशय अन्य गुणों के साथ-साथ उम्मीदवार के नैतिक गुण परखना भी है। सही निर्णय लेने में ये गुण बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सामान्य मानसिक योग्यता (जनरल मेंटल एबिलिटी)

सामान्य मानसिक योग्यता के परीक्षण में संख्यात्मक, शाब्दिक, अमूर्त या स्थानिक रीजनिंग के प्रश्न शामिल रहते हैं। जब हम सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षा के संबंध में अभ्यास की बात करते हैं, तो हम इस तथ्य से इंकार नहीं कर सकते कि अभ्यास द्वारा आप अपने स्कोर को बहुत सीमा तक सुधार सकते हैं। अभ्यास आपको आपकी पूरी संभावना साकार करवा सकता है और सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षा में आपका सर्वोत्तम संभव निष्पादन प्राप्त करवा सकता है। कुछ प्रमुख सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षणों के अन्तर्गत अमूर्त तर्क-कौशल परीक्षाएं चित्रों के भीतर पैटर्न पहचानने की आपकी योग्यता का मूल्यांकन करती है। प्रश्नों में कोई संख्यात्मक या शाब्दिक सूचना नहीं होती, अत: आपको उन्हें हल करने के लिए किसी पूर्व शिक्षण की आवश्यकता नहीं है। उन्हें हल करना बहुत आसान होता है, बशर्ते आपमें प्रत्येक समस्या को छोटे, आसानी से अनुसरित कदमों में खंडित करने की योग्यता हो। श्रृंखला पर आधारित प्रश्न उम्मीदवारों की किसी श्रृंखला में निहित पदों या आकृतियों के बीच पारस्परिक संबंध को पहचानने की योग्यता, जिसके आधार पर वे श्रृंखला में निहित अगले पदों या आकृतियों के बीच संबंध स्थापित कर सकें, की जांच करने के लिए पूछे जाते हैं।

वस्तुतः सादृश्य दो एक जैसे या सदृश्य आकृतियों के विवेचन की एक प्रक्रिया है। इसका संबंध दो वस्तुओं के बीच किसी न किसी प्रकार से मेल या साम्य स्थापित करने से है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिनके द्वारा दो आकृतियों, डिजाइनों या पैटर्नों के बीच अंतर्निहित संबंधों को निर्धारित किया जाता है। अभाषिक वर्गीकरण संबंधी तर्कबुद्धि परीक्षण विषयक प्रश्नों में आकृतियों का एक समूह दिया जाता है तथा उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे दी गई आकृतियों को उनके विशिष्ट गुणों या विशेषताओं के आधार पर अलग-अलग समूहों अथवा वर्गों में वर्गीकृत करें। आकृतियों या मदों को उनकी बनावट, आकार, प्रतिरूप, संरचना, प्रकार, क्रम, रूप-रंग, कोटि, शैली, संघटक अवयवों और अन्य प्रकार की विशेषताओं में समानता के आधार पर समूहों या वर्गों में वर्गीकृत करना होता है और तत्पश्चात उस समूह से भिन्न अर्थात विजातीय आकृति की पहचान करनी होती है। इस प्रकार के प्रश्नों में एक पूर्ण आकृति के कटे हुए टुकड़े दिए जाते हैं जिनके साथ वह पूर्ण आकृति भी दी जाती है जिससे विभिन्न टुकड़े काटे गए हैं। इसमें वह आकृति ज्ञात करनी होती है जिससे दिए गए टुकड़े काटे गए हैं। इस प्रकार के प्रश्नों को हल करने के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार अपनी कल्पना शक्ति और स्थान बोध का भरपूर प्रयोग करे।

आधारभूत संख्यांकन तथा आंकड़ों की व्याख्या (बेसिक न्यूमरेसी एंड डेटा इन्टरप्रिटेशन)

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के सामान्य अभियोग्यता प्रश्नपत्र में एक प्रमुख भाग आधारभूत संख्यांकन और आंकड़ों के निर्वचन से संबंधित है। आधारभूत संख्यांकन तथा आंकड़ों का निर्वचन एक साथ दिए होने से एक ही चीज के घटक प्रतीक होते हैं, परंतु ये अलग-अलग हैं और इस कारण इन पर अलग-अलग विचार किया जाना आवश्यक है। आधारभूत संख्यांकन का लोकप्रिय नाम मात्रात्मक अभिरुचि (क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूट) है, जिसमें उम्मीदवार की आधारभूत गणितीय संकल्पनाओं का ज्ञान और समझ परखी जाती है, जिन्हें अतिप्राचीन काल से आम आदमी भी अपने दैनिक जीवन में प्रयोग करता रहा है।

उल्लेखनीय है कि उपयोगी सूचना प्राप्त करने के लिए आंकड़ों के रूपांतरण और रूपांतरित आंकड़ों के आधार पर निश्चित निष्कर्ष तक पहुंचने का कार्य आंकड़ों का निर्वचन कहलाता है। आंकड़े किसी विशेष सामाजिक, आर्थिक अथवा राजनैतिक घटना आदि से संबंधित संख्यात्मक या गैर-संख्यात्मक तथ्य एवं अंक आदि कुछ भी हो सकते हैं। आपको सदैव ध्यान रखना चाहिए कि उपयुक्त रूप से प्रबंधित न किए जाने पर आंकड़े समस्या पैदा कर देते हैं।

हिन्दी भाषा बोधगम्यता कौशल (हिन्दी लैंग्वेज कॉम्प्रीटेंशन स्किल)

हिन्दी भाषा में बोधगम्यता कौशल के तहत हिन्दी में दिए गए बोधगम्यता आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। इस खंड का उद्देश्य उम्मीदवार की हिन्दी भाषा में गद्य को समझने की क्षमता का पता लगाना है। इस भाग में दिए गए लेखांशों को पढ़कर उचित निष्कर्ष पर पहुंचने की उम्मीदवार की अभिरुचि को परखा जाएगा। इसके साथ ही इस खंड में हिन्दी व्याकरण से जुड़े अनेक प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(लेखक, कैरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस - 25 नवम्बर

महिलाओं के खिलाफ हिंसा समवेत प्रयास से ही होगी समाप्त

संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहल पर दुनिया भर में हर साल 25 नवम्बर को महिलाओं पर होने वाली हिंसा को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को रोकने के लिये ज्यादा से ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता को रेखांकित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा नागरिकों, ग्रामीणों, देश और समाज तथा महिला अधिकार के लिये कार्यरत संस्थाओं और सरकारों के समवेत प्रयास से ही समाप्त होगी। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के इतिहास की यदि हम चर्चा करें तो डोमेनिक गणराज्य की तीन बहनों पैट्रिया, मिनेर्वा और मारिया टेरेसा मिराबैल की शहादत की घटना सामने आती है। इन तीन बहनों ने डोमिनिक शासक रैफेल ट्रुजिलो की तानाशाही का कड़ा विरोध किया था, जिससे क्रोधित होकर उस क्रूर शासक के आदेश से इन तीन बहनों की 25 नवम्बर, 1960 को हत्या कर दी गई थी। वर्ष 1981 से उस दिन को महिला अधिकारों के समर्थक और कार्यकर्ता उन्हीं तीन बहनों की मृत्यु की पुण्यतिथि के रूप में मनाते आए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 07 फरवरी, 2000 को एकमत से हर साल 25 नवम्बर का दिन ही महिलाओं के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मनाने के लिए निर्धारित किया गया। संयुक्त राष्ट्र ने सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों को इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाने और इस दिन महिलाओं पर हिंसा की खिलाफत करने वाली गतिविधियां आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया। संयुक्त राष्ट्र की महिला (लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण) इकाई हर साल इस दिन को मनाती है और अन्य संगठनों को भी इसे मनाने के लिए सुझाव देती है।

विभिन्न देशों में होती हैं कई गतिविधियां

संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न सदस्य देश महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को रोकने के लिये इस दिन को विशेष मान्यता देते हैं और उसी परिप्रेक्ष्य में अपने देश में विभिन्न गतिविधियां भी चलाते हैं। ऑस्ट्रेलिया में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस के आसपास एक प्रभावी जागरूकता अभियान चलाया जाता है। महिला अधिकारों के लिये काम करने वाली संस्थाएं इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। यह अभियान एक सप्ताह चलता है। फिलीपींस सरकार प्रतिवर्ष लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ वैश्विक सक्रियता में सक्रिय रूप से भाग ले रही है। फिलीपींस में इस अभियान के पालन के प्रति देश की प्रतिबद्धता तब मजबूत हुई जब हर साल पच्चीस नवम्बर को 'महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय चेतना दिवस' घोषित करने वाला एक कानून बनाया गया।

महिला हिंसा के खिलाफ 'ऑरेंज द वर्ल्ड' अभियान

महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उनके प्रति हिंसा पर रोक लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की आनुषांगिक संस्था 'यू एन वूमेन' और उनके सहयोगियों ने 'ऑरेंज द वर्ल्ड' अभियान आरम्भ किया था, जिसके अच्छे परिणाम सामने आये।

महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती, चाहे परिवार हो या रिश्ते महिलाएं हमेशा से मानव मात्र के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं। इसके

बावजूद भी महिलाओं को सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक आदि हर पड़ाव पर भेदभाव व कई प्रकार की हिंसा का सामना करना पड़ रहा है जो लम्बे समय से चला आ रहा है। इन सभी बातों की गहराई को जानते और समझते हुए ही 'यूनाइट टू एण्ड वॉयलेंस अगेंस्ट वूमेन' अभियान की शुरुआत की गई थी। दिल्ली के 'यूएन हाउस' को भी नारंगी रंग में रंग दिया गया है, जो खुशियों और उत्साह का प्रतीक माना जाता है और साथ ही व्यक्ति की भावनाओं को सक्रिय करने के लिए इस रंग को बहुत प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा नारंगी रंग स्वतंत्रता, खुशी, ऊर्जा, सृजन और सामाजिकता का भी प्रतीक होता है। भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में महिलाओं के प्रति हिंसा के मामले कम नहीं हो रहे हैं, कोई भी राज्य, क्षेत्र या समुदाय ऐसा नहीं है जहां महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटना न हुई हों। घर हो या ऑफिस, हर जगह महिलाओं के प्रति भेदभाव और उत्पीड़न के मामले दिख ही जाते हैं। महिलाएं और लड़कियां समाज की कई कुरीतियों का शिकार होती जा रही हैं चाहे वो घरेलू हिंसा हो या शारीरिक और मानसिक यातनाएं। इसी भेदभाव को खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 2008 में हर महीने की 25 तारीख को ऑरेंज डे और 25 नवंबर का दिन अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में घोषित किया था।

हिंसा की समाप्ति के लिये आभासी ज्ञान केन्द्र बने

महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए आभासी ज्ञान केंद्र भी बनाये गये हैं। इन आभासी ज्ञान केन्द्रों का सूत्रवाक्य है - 'आप अकेले नहीं हैं'। इन आभासी ज्ञान केन्द्रों द्वारा महिलाओं को यह संदेश दिया जाता है कि यदि आपने दुर्व्यवहार का अनुभव किया है और मदद की जरूरत है? यदि आपको खतरा महसूस हुआ है, आप खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं या सहायता की आवश्यकता है, तो कृपया देश की सहायता लाइनों की सूची देखें। आइए इस दुर्घटना की घड़ी को रोकें और अब महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए मिलकर प्रभावी कार्रवाई करें। महिलाओं और लड़कियों की लिंग संबंधी हत्याओं पर नई रिपोर्ट भी चौंकाने वाली है।

दो साल पहले जब कोरोना महामारी फैली तो महिलाओं ने बताया कि उन्होंने या उनकी किसी परिचित महिला ने महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा के एक नये रूप का अनुभव किया है। इस महामारी के दौरान महिलाओं ने कहा कि उन्हें लगता है कि साथी द्वारा मौखिक या शारीरिक शोषण आम हो गया है।

सुरक्षा से जुड़े मामलों के लिये गृह मंत्रालय में बना प्रभाग

देश में महिलाओं की सुरक्षा के नियमों को सुदृढ़ करने के लिये भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने गत 28 मई, 2018 को एक नया 'महिला सुरक्षा प्रभाग' स्थापित किया था। समग्र रूप से न्याय के तीव्र और प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से यह प्रभाग महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने और उनमें व्यापक सुरक्षा की भावना उत्पन्न करने का महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न करता है। प्रभाग इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता के लिए नीति निर्माण, योजना समन्वय और सुरक्षा परियोजनाओं को लागू करने में सहायता करेगा। यह प्रभाग महिला कैदियों के प्रति जेल में व्यवहार और मानव तस्करी के रूप में लड़कियों की तस्करी पर भी निगरानी रखेगा। इसके साथ-साथ आपराधिक न्याय प्रणाली में आईटी और टैक्नोलॉजी के बढ़े हुए उपयोग और फोरेंसिक विज्ञान और अपराध और आपराधिक रिकॉर्ड के लिए एक सहायक ईको सिस्टम को सक्षम करना भी शामिल रहेगा।

बीजिंग में रणनीतियों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई

पिछली सदी में वर्ष 1995 में बीजिंग में कई सरकारें एक साथ एक मंच पर आई थीं। त्वरित कार्रवाई के लिए बनाये गये इस मंच ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने, महिलाओं को सशक्त बनाने और लैंगिक समानता हासिल करने के लिए प्रमुख रणनीतियों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई। इसी आधार पर बीस साल बाद 2015 में मंच की बैठक में उन वादों का स्मरण किया गया और यह कहा गया कि वे वादे आज भी मान्य हैं। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून ने एक बार कहा था कि मैं उस हिंसा को समाप्त करने की मांग करने वाली आवाजों के समूह का स्वागत करता हूं जो अपने जीवनकाल में अनुमानित रूप से तीन में से एक महिला को प्रभावित करती है। मैं उन नेताओं की सराहना करता हूं जो कानून बनाने और लागू करने तथा मानसिकता बदलने में मदद कर रहे हैं और मैं दुनियाभर के उन सभी नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जो पीड़ितों को ठीक होने और परिवर्तन के एजेंट बनने में मदद करते हैं। इस संदेश का सकारात्मक प्रभाव दर्ज हुआ था।

- राजा दुबे

(लेखक : जनसंपर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में भारत के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं?
(अ) बाइचुंग भूटिया
(ब) संदेश झिंगन
(स) सुनील छेत्री
(द) इनमें से कोई नहीं

2. इनमें से किस शहर में वर्ष 2024 में ओलिपिक खेलों का आयोजन होगा?
(अ) लॉस एंजिलिस
(ब) पेरिस
(स) बार्सिलोना
(द) मेलबर्न

3. आईसीसी वन-डे क्रिकेट वर्ल्डकप पहली बार किस वर्ष आयोजित किया गया था?
(अ) वर्ष 1975 (ब) वर्ष 1979
(स) वर्ष 1980 (द) वर्ष 1983

4. इस वर्ष मियामी ओपन में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी हैं?
(अ) एलिना रिबाकिना
(ब) पेत्रा क्वितोवा
(स) कैरोलिना गार्सिया
(द) कोको गॉफ

5. लियोनल मेसी वर्तमान में किस क्लब के लिए प्रोफेशनल फुटबॉल खेलते हैं?
(अ) इंटर मियामी (ब) अल नासर
(स) मैनचेस्टर सिटी (द) बार्सिलोना

6. भारत ने एशियन गेम्स-2023 में कुल कितने पदक जीते हैं?
(अ) 100 (ब) 101
(स) 105 (द) 107

7. ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में एक हजार रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं?
(अ) रोहित शर्मा
(ब) शुभमन गिल
(स) सूर्यकुमार यादव
(द) श्रेयस अय्यर

8. भाला फेंक खिलाड़ी एंडरसन पीटर्स किस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) अमेरिका (ब) ग्रेनेडा
(स) क्रोएशिया (द) कनाडा

9. मिल्खा सिंह ने किस वर्ष कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था?
(अ) वर्ष 1950 (ब) वर्ष 1954
(स) वर्ष 1958 (द) वर्ष 1970

10. एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप-2023 में किस खिलाड़ी ने स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) बजरंग पूनिया
(ब) रवि कुमार दाहिया
(स) दीपक पूनिया
(द) अमन सहरावत

11. औजस देवताले किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) निशानेबाजी (ब) तीरंदाजी
(स) एथेलेटिक्स (द) जिम्नास्टिक

12. एशियन गेम्स-2023 में किस खिलाड़ी ने बैडमिंटन में पुरुष एकल वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) शी युकी
(ब) ली शिफेंग
(स) केंटो मोमोटा
(द) एच.एस. प्रणय

13. किस पुरुष खिलाड़ी ने टेनिस में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम एकल खिताब जीते हैं?
(अ) रोजर फेडरर
(ब) राफेल नडाल
(स) नोवाक जोकोविच
(द) आंद्रे अगासी

14. इनमें से किस क्लब ने सबसे ज्यादा बार ला लीगा खिताब जीता है?
(अ) वेलेंसिया (ब) बार्सिलोना
(स) सेविला (द) रियल मैड्रिड

15. अनु रानी ने एशियन गेम्स-2023 में किस खेल में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) भाला फेंक (ब) लंबी कूद
(स) मैराथन दौड़ (द) चक्का फेंक

16. खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले खिलाड़ी हैं?
(अ) सचिन तेंदुलकर
(ब) विश्वनाथन आनंद
(स) लिएंडर पेस
(द) गीत सेठी

17. विश्व चैम्पियन तैराक काइली मैक्योन किस देश की दिग्गज खिलाड़ी हैं?
(अ) अमेरिका
(ब) मैक्सिको
(स) ऑस्ट्रेलिया
(द) चेक गणराज्य

18. वर्ष 2007 में किस देश ने आईसीसी ट्वेंटी-20 वर्ल्डकप जीता था?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) भारत
(स) श्रीलंका (द) वेस्टइंडीज

19. इस वर्ष किस टीम ने वूमेन एनबीए बास्केटबॉल टूर्नामेंट जीता है?
(अ) लॉस एंजेलिस लेकर्स
(ब) डलास विंग्स
(स) लास वेगास एसेस
(द) न्यूयॉर्क लिबर्टी

20. वर्ष 2018 में इनमें से किस देश ने एफआईएच हॉकी वर्ल्डकप जीता था?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) जर्मनी
(स) नीदरलैंड (द) बेल्जियम

21. एशियन गेम्स-2023 में किस देश ने पुरुष हॉकी वर्ग का स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) भारत (ब) जापान
(स) द. कोरिया (द) मलेशिया

22. इनमें से किस देश में इस वर्ष वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप आयोजित की गई?
(अ) जापान (ब) हंगरी
(स) स्वीडन (द) जर्मनी

23. इस वर्ष किस खिलाड़ी ने स्टॉकहोम ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीता है?
(अ) गेल मोन्फिल्स
(ब) होल्गर रूने
(स) डेन इवांस
(द) इनमें से कोई नहीं

24. इस वर्ष किस राज्य में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन किया गया है?
(अ) मणिपुर (ब) गोवा
(स) तमिलनाडु (द) गुजरात

25. इस वर्ष किस देश में जूनियर हॉकी वर्ल्डकप का आयोजन किया जायेगा?
(अ) स्पेन (ब) बेल्जियम
(स) मलेशिया (द) द. कोरिया

उत्तर

1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (ब), 5. (अ), 6. (द), 7. (स), 8. (ब), 9. (स), 10. (द), 11. (ब), 12. (ब), 13. (स), 14. (द), 15. (अ), 16. (ब), 17. (स), 18. (ब), 19. (स), 20. (द), 21. (अ), 22. (ब), 23. (अ), 24. (ब), 25. (स)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण लेख

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस)

वर्तमान युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अथवा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की वर्चस्वता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास ने उन कल्पनाओं को साकार रूप देना प्रारंभ कर दिया है, जो कल तक केवल चलचित्रों और विज्ञान की कथाओं का हिस्सा हुआ करती थी। कल तक हमारे कुछ ही कार्मों में मदद कर पाने वाला कंम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर आज ग्राहकों को उत्पाद पसंद करवाने या उनकी सोच को प्रभावित करने, खेल से लेकर पढ़ाई तक, खाना पकाने, चित्रकारी करने से लेकर शल्य चिकित्सा करने, दूसरे ग्रहों पर खोज करने से लेकर बमों को निष्क्रिय करने तक का काम कर रहा है। इससे भी बढ़कर वे हमारी पसंद-नापसंद तक का ख्याल रखने लगे हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोगों द्वारा सागर की अतल गहराई से लेकर हिम शिखरों की बुलंदियों पर खनन की विपरीत परिस्थितियों में और अंतरिक्ष की ऊंचाई पर विभिन्न अनुसंधानों को अंजाम दिया गया है। मानव-मशीन सहसंबंध स्थापित करने के लिये सोफिया, सैम, सिमॉन, सिरी, वॉटसन जैसे अनेक कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त 'रोबोट' अथवा 'प्रणालियों को ईजाद किया गया है।

इन तमाम मशीनों का अविष्कार इस तरह से किया जा रहा है कि वे मनुष्यों की तरह निर्णय लेने, सही गलत की समझ होना, दृश्य धारणा, पहेलियां सुलझाने तथा तर्क व सीखने की क्षमता द्वारा रणनीति बनाने, इंसानों की पहचान, तथा उनके विभिन्न कार्यों को एक साथ संपादित कर सकें।

सरल शब्दों में कृत्रिम बुद्धि कम्प्यूटर जैसी मशीनों की ऐसे कार्य करने की क्षमता है, जिन्हें सामान्यतःकिये जाने के लिये मानव मस्तिष्क की जरूरत होती है। कृत्रिम बुद्धि के जनक 'जॉन मैकार्थी' के अनुसार - "कृत्रिम बुद्धि मशीनों, विशेष रूप से कंम्प्यूटर प्रोग्रामों के निर्माण की तकनीक है।" वर्तमान में हम प्रौद्योगिकीयुक्त वातावरण में जीवन यापन करते हैं। आज बिना प्रौद्योगिकी के मानव अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता है। इन प्रौद्योगिकी में से "कृत्रिम बुद्धि'' अपेक्षाकृत अधिक तीव्रता से क्रांतिकारी परिवर्तन लाने का सामर्थ्य रखती है।

'वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम' ने कृत्रिम बुद्धि को 'चतुर्थ औद्योगिक क्रांति' के रूप में संदर्भित किया है। जिसने हमारे जीवनयापन, कार्य करने और जीवन के प्रत्येक पक्ष में तीव्र परिवर्तन कर दिया है। शायद ही जीवन का कोई ऐसा पक्ष शेष रहा हो, जहाँ कृत्रिम बुद्धि की मौजूदगी ना हो।

कृत्रिम बुद्धि सामाजिक न्याय, जीवन की सुख सुविधाओं में वृद्धि, नागरिकों को बेहतर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने में सक्षम है। यह मानव की तुलना में अधिक सटीक और ज्यादा समय तक बिना थके हुए कार्य कर सकती है। परिणामत: स्वाभाविक रूप से उत्पादन में वृद्धि हो सकेगी। बड़े औद्योगिक कारखानों में इसका उपयोग निर्माण संबद्ध गतिविधियों को संचालित करने में और जिन कार्यों को करने में मानव की मृत्यु का जोखिम अधिक है, वहां सफलता पूर्वक अधिक कार्य किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आपदा प्रबंधन, मानव की अधिक सटीकता से सर्जरी करने तथा अन्य चिकित्सकीय क्षेत्रों में इसका उपयोग सफलतापूर्वक किया जाता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता अथवा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) क्या है?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता शब्द सामान्यहः उन मशीनों के लिये प्रयुक्त होता है, जो मानव बुद्धिमत्ता के अभिलक्षण प्रदर्शित करती हैं। - जिनमें अवलोकन, अवलोकन से इनपुट लेना, तार्किकता और विवेक बुद्धि, निर्णय निर्माण, हेर-फेर या जोड़ - तोड़, व्यवहार तथा पैटर्न 'से सीखना, संपर्क करना, जटिल स्थितियों का विश्लेषण तथा लक्ष्य व उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु कार्य करना शामिल है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से आशय "ऐसी मशीन से है जो वो सारे काम करने में सक्षम होती है जिन्हें एक मानव कर सकता है। इसमें मशीन मानव बुद्धिमत्ता के कुछ चयनित अभिलक्षण प्रदर्शित करने की बजाय चेतना के संदर्भ में एक मानव के समान व्यवहार करती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कम्प्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट या फिर मनुष्य की तरह इंटेलिजेंस तरीके से सोचने वाला सॉफ्टवेयर बनाने का एक तरीका है। यह इस बारे में अध्ययन करता है कि मानव मस्तिष्क कैसे सोचता है और समस्या को हल करते समय कैसे सीखता है, कैसे निर्णय लेता है और कैसे काम करता है।

सामान्य बुद्धिमत्ता से प्रायोगिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शुरुआत संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई जिसका विशेष उद्देश्य ऐसी मशीनों का विकास करना था जो 'रशियन भाषा को अंग्रेजी में तथा अंग्रेजी को रशियन में रूपांतरित कर सकें। यह उद्देश्य तत्कालीन सोवियत यूनियन के साथ-साथ शीत युद्ध के संदर्भ में था।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का पूर्ण: पुर्नः प्रवर्तन वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रायोगिक दृष्टिकोण में उन्नति के रूप में हुआ। वर्तमान में विशेष समस्याओं के समाधान हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। वैज्ञानिकों को यह विश्वास है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का यह दृष्टिकोण टॉप डाउन दृष्टिकोण से बेहतर है। इसमें अनुसंधान का प्रारंभिक ध्यान एक ऐसे कृत्रिम मस्तिष्क के निर्माण पर है जो मानव मस्तिष्क की भांति कार्य कर सके।

अधिकतम ध्यान आकर्षित करने वाले अनुप्रयोगों में मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, स्वायत्ता प्रणाली और स्वाभाविक भाषा प्रोसेसिंग (Content) प्राप्त करने या निर्मित करने, उस साम्रगी की विवेचना करने तथा उससे ज्ञान प्राप्त करने, ताकि उस विवेचना के आधार पर निर्णय निर्माण हो सके की क्षमता हो।

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

विभिन्न कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहलों के कारण भारत इस संदर्भ में पहले ही काफी आगे बढ़ चुका है। इस उद्योग में निजी क्षेत्र काफी संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। भारतीय बजट में सरकार द्वारा मशीन लार्निंग तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को प्रोत्साहन दिये जाने के संकेत मिले हैं।

नीति आयोग ने इसके अनुसंधानों तथा इसके अनुप्रयोगों के विकास सहित कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एक देशव्यापी प्रोग्राम का रोडमैप तैयार करने को कहा है।

भारत सरकार ने बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रिटेल तथा परिवहन सहित प्रमुख क्षेत्रों में अनुप्रयोग आधारित अनुसंधान आरंभ करने वाले स्टार्ट अप्स और उद्यम कोषों को प्रोत्साहन देने का वादा किया है। सेवा तथा तकनीक विभाग में भी रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल मैन्युफेक्चरिंग, बिग डाटा एनालिसिस क्वाण्टम कम्प्यूनिकेशन क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा कौशल में निवेश बनाने वाले उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना पर विचार कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में आरंभ किये गये विभिन्न स्टार्ट अप्स जो कि प्रगतिशील निजी क्षेत्र समूहों के अलावा भारत के CAIR (सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) तथा रोबोटिक्स DRDO ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता चालित कई उत्पादों का निर्माण किया है। इनमें से अधिकांश उत्पाद रोबोटिक्स, स्वायत्ता प्रणालियों और इंटेलीजेंस प्रणालियों (जो त्वरित परिणाम देने हेतु मानवीय मदद के बिना विश्लेषण करने में सक्षम होगी) के क्षेत्रों से संबंधित हैं।

भारत में निर्मित Active AI स्वायत्तता, नेचुरल लैंग्वेज (प्रोसेसिंग और उन्नत मशीन इंटेलीजेंस पर लक्षित संवादात्मक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्य कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IRCTC) ने हिंदी भाषा में ग्राहकों के साथ बातचीत करने के लिये बातचीत सक्षम, ASKDISHA, चैटबॉट संचालित किया है। एक Artificial Intelligent आधारित चैटबॉट है। यह एक विशेष कंम्प्यूटर कार्यक्रम है जो उपयोगकर्ताओं के साथ बातचीत का अनुकरण करने के लिये डिजाइन किया गया है, विशेष रूप से इंटरनेट पर शुरुआत में अक्टूबर 2018 में इसे अंग्रेजी भाषा में लॉन्च किया गया था । इसका उद्देश्य विभिन्न सेवाओं से संबंधित रेल यात्रियों के प्रश्नों को इंटरनेट पर हल करना है। इसके द्वारा ग्राहक अब लेखन के साथ-साथ बोलकर भी ASKDISHA से हिन्दी में प्रश्न पूछ सकते हैं। इसके लान्च के बाद से टिकटों के रिजर्वेशन, कैंसिलेशन, रिफंड, स्टेट्स की जांच, किराया, पीएनआर सर्च, ट्रेन रनिंग स्टेटस, रिटायरिंग रूम और टूरिज्म प्रॉडक्ट्स के बारे में पूछताछ पर मदद मांगने वाले यात्रियों को लाभ पहुंचा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के अनुप्रयोग

AI के अनुप्रयोग विशाल तथा विविध हैं, जिनमें स्वास्थ्य देखभाल और वित्त से लेकर परिवहन, मनोरंजन और बहुत कुछ शामिल है। जैसे की स्वचालित गाड़ियां, एआई-पावर्ड असिस्टेंट/फेशियल रिकॉग्निशन, सिफारिश प्रणाली, रोबोटिक्स आदि, आजकल सबसे लोकप्रिय AI आधारित एप्लीकेशन चैट जीपीटी है। यह ऐसा सॉफ्टवेयर है जो उपयोगकताओं को प्रश्न टाइप करते ही उसका उत्तर दे देता है, यह बिल्कुल एक इंसान जैसा उत्तर देता है।

AI इमेज जेनरेटर, जो एक सॉफ्टवेयर है जो उपयोग-कर्ताओं को प्रश्न टाइप करते ही मनमाफिक फोटो जनरेट कर देता है। ये बिल्कुल ही अकल्पनीय सॉफ्टवेयर है, सोफिया, एक बहुत ही उन्नत ह्यूमनाइड रोबोट है जो एक व्यक्ति की तरह कार्य और व्यवहार कर सकती है। सोफिया मानव संकेतों (भाव-भंगिमाओं) और चेहरे के हाव-भाव की नकल भी करती है और विशेष प्रश्नों के उत्तर देने व पूर्व निर्धारित विषय में सरल संवाद करने में सक्षम है।

'सोफिया' एक मानव सदृश सामाजिक रोबोट है। जिसका विकास हांगकाग की कम्पनी, हेनसन रोबोटिक्स द्वारा किया गया है। चेहरे के 62 से अधिक हाव-भाव प्रदर्शित करने की क्षमता से युक्त सोफिया ने बहुत ही हाई प्रोफाइल साक्षात्कारों में भाग लिया है। अक्टूबर 2017 में सोफिया को सऊदी अरब की नागरिकता प्रदान की गई। इसके साथ यह किसी देश की नागरिकता प्राप्त करने वाला प्रथम रोबोट गई है।

हेनसन कंपनी ने सोफिया को नर्सिंग होम अथवा बड़े कार्यक्रमों या पार्कों में भीड़ की सहायता हेतु डिजाइन किया है। सोफिया अन्ततः स्वास्थ्य देखभाल, उपभोक्ता सेवाओं, थैरेपी तथा शिक्षा कार्यों में उपयोगी साबित होगी।

वर्तमान में AI की सहायता से समय व संसाधानों को बिना व्यर्थ किये लक्ष्य प्राप्ति में सहायता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही किसी कार्य को मानव की अपेक्षा अधिक तीव्र गति से संपन्न किया जा सकता है। इनकी सहायता से कुछ अनसुलझे रहस्यों तथा बाह्य अंतरिक्ष के मामलों को सुलझाया जा सकता है। जो हमारे दैनिक जीवन में लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बुद्धि की सहायता से यंत्रों को ऐसे कठिन व तनावयुक्त कार्य करने में सक्षम बनाया जा सकता है। जो प्राय: मानवों के द्वारा किये जाते हैं। जिससे किसी कार्य को मानव की अपेक्षा अधिक तीव्र गति से संपन्न किया जा सकता है। इनकी सहायता से किये गये कार्यों में, गलतियों की संभावनाएं कम रहती है। जो तनावयुक्त व शारीरिक कष्ट देने वाले कार्यों से मुक्ति प्रदान करता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानसिक रूप से पीड़ित रोग से पीड़ित, दिव्यांगों आदि की सहायता कर सकता है। यह एक ऐसे वातावरण का निर्माण करने में सक्षम है। जहां बैठकर गेम खेलने से आप वास्तविकता का अनुभव कर सकते हैं। साथ ही साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता/ बुद्धि की सहायता से कठिन कंम्प्यूटर कार्यक्रमों (सॉफ्टवेयर) को आसानी से समझा जा सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के दोष

कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्राकृतिक बुद्धिमत्ता को विस्थापित कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता/ बुद्धि में मानव संवेदनाओं का आभाव है। जिससे मानव की गुणवत्ता की अनदेखी का खतरा बना रहता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनेक लाभों के बावजूद हम इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि किसी भी मशीन में भावनाएं नहीं हो सकती हैं। ये संयंत्र दिये गये लक्ष्यों को पूरा करने हेतु भयानक व हिंसात्मक तरीके भी अपना सकते हैं। न उनमें मनुष्यों की तरह संवेदना होगी और न ही प्रेमा प्राकृतिक बुद्धिमत्ता का सरोकार कराने वाले करुणा, परोपकार और ममता जैसे भाव की तो बात करना भी बेमानी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से होने वाला सबसे बड़ा बदलाव मनुष्य की स्वायत्ता में कमी के रूप में होगा। कृत्रिम बुद्धि मानव बुद्धि से अधिक सक्षम तथा अपने को क्षीण बनाने की क्षमता से संपन्न है। यदि ऐसा हुआ तो आने वाले वर्षों में मनुष्यों को अपना नियंत्रण इस बुद्धिमत्ता के हाथों सौंप देना पड़ेगा/कृत्रिम बुद्धिमत्ता/बुद्धि युक्त यंत्र द्वारा मानव के स्थान ग्रहण करने के कारण से मजदूरों व कामगारों में हीन भावना का विकास होता है।

उल्लेखनीय है कि कृत्रिम बुद्धि से संबंधित सर्वाधिक महत्वपूर्ण समस्या भविष्य में बेरोज़गारी के खतरे से जुड़ी हुई है। कृत्रिम बुद्धि के विकास से भविष्य में प्रौद्योगिकी और मानवीय श्रम के मध्य संबंध में आमूलचूल परिवर्तन होगा। स्वचालन को बढ़वा देने से, बड़े पैमाने पर लोगों के रोज़गार समाप्त हो जायेंगे। इससे न केवल "ब्लु कॉलर लेबर'' अर्थात शारीरिक श्रम करने वाले मजदूर और निम्न गुणवत्ता कौशल से युक्त कर्मचारियों के रोज़गार पर संकट है। बल्कि "लोअर व्हाइट कॉलर लेबर" कर्मचारियों पर रोज़गार का संकट भी है। अतः कृत्रिम बुद्धि सूक्ष्म स्तर पर रोज़गारों को प्रभावित करेगी।

ऑटोमेशन के कारण निर्माण गतिविधियों में तीव्र वृद्धि होती है। इसलिये उद्योगों में रोबोटो की मांग बढ़ती जा रही है। वस्तुत रोबोट मानव की तरह थकते नहीं हैं। और ना ही उन्हें कार्य करने हेतु बेहतर कार्य-दशाओं जैसी सुविधाओं की आवश्यकता है। इसके अलावा रोबोट के प्रयोग से हड़ताल, वेतनवृद्धि जैसे प्रश्न भी उत्पन्न नहीं होते हैं। अर्थात रोबोट या स्वचालित यंत्र सभी परिस्थितियों में मानव से बेहतर नज़र आते हैं। जिससे इन क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्तयों के रोज़गार पर संकट उत्पन्न हो गया है। '' मैकेंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट यह बताती है कि 2030 तक रोबोटिक्स और स्वचालन की कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण विश्व का काफी मानव श्रम विस्थापित हो जायेगा।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक बुद्धिमत्ता को विस्थापित कर रही है

यह प्रश्न तब से है जब बुद्धिमान मशीनों के संभावित लाभों ने हमें उत्साहित किया है अपितु इनके द्वारा मानव का स्थान लिये जाने का भय भी उत्पन्न हुआ है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का निर्माण ऐसे कार्यों के निष्पादन हेतु किया जा रहा है। जिसमें समस्या समाधान की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी एक चिंता यह है कि पृथ्वी एक ऐसे स्थान में परिवर्तित हो जायेगी, जहां मानव स्वयं से अधिक बुद्धिमान मशीनों का गुलाम होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के द्वारा समय के साथ निश्चत रूप से ऐसी मशीनों का निर्माण किया जा रहा है, जो स्वयं से पूर्व की मशीनों से अधिक बुद्धिमान होती हैं। इसलिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसे भविष्य की ओर कदम बड़ा रही है, जहां मशीनें अत्यधिक बुद्धिमान होंगी, परन्तु इससे संबंधित भय कि मनुष्य मशीनों का दास होगा।

उपयुक्त विश्लेषण के आधार पर सामान्यतः यह निष्कर्ष निकालना न्यायसंगत उपयुक्त नहीं है कि कृत्रिम बुद्धि का उत्थान मानतीय सभ्यता के लिये 'अभिशाप' है। लेकिन यह भी सत्य है कि कृत्रिम बुद्धि के संदर्भ में, हमें विवेकशील तथा तर्कसंगत मत अपनाने का प्रयास करना चाहिये। जो प्रौद्योगिकी मानवीय सभ्यता की दशा व दिशा को परिवर्तित करने का सामर्थ्य रखती हो, उसे केवल पूर्ण आशंकाओं के आधार पर पूर्णत: खारिज नहीं किया जा सकता।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उत्थान भविष्य में बेरोज़गारी का खतरा होने के साथ-साथ पूर्व कौशल और उच्चकौशल के माध्यम से बेहतर रोज़गार के सृजन का अवसर भी उपलब्ध करवाता है। प्रत्येक नवीन प्रौद्योगिकी के समान कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित चुनौतियां भी हैं। जिनका समुचित समाधान किया जाना भी आवश्यक है, नहीं तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानवीय सभ्यता के विनाश का कारण भी बन सकती है।

किसी भी नई तकनीक का पूर्वाग्रह के आधार पर अंधविरोध नहीं किया जाना चाहिये। कृत्रिम बुद्धि तकनीक की तुलना विद्वान 'आग' तथा 'बिजली' जैसे खोजों के साथ कर रहे हैं। जो मानवीय सभ्यता के विकास में आमूलचुल परिवर्तन लाने सामर्थ्य रखती है। मानव की कल्पनाओं को धरातल पर साकार करने में यह तकनीक मील का पत्थर साबित हो सकती है।

साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता को 'विनियमित' करने के लिये वैश्विक ढांचे की भी आवश्यकता है। ताकि अनेक चुनौतियों का साझा समाधान किया जा सके। इस प्रकार भविष्य 'अनिश्चत्ताओं' से भरा हुआ है। यह मानव के विवेक व उसके दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि वह इस चुनौती को अवसर में परिवर्तित कर पाता है या नहीं।

- श्रद्धा सुमन

(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के विषयों पर लेखन करती हैं)

स्माल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया

पद का नाम - असिस्टेंट मैनेजर (जनरल स्ट्रीम)
पदों की संख्या - 50
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री या सीए/सीएस/सीडब्ल्यूए/सीएफए/सीएमए या लॉ में ग्रेजुएट/बीई। अधिकतम आयु 30 वर्ष।
अंतिम तिथि - 28 नवंबर, 2023
वेबसाइट - https://www.sidbi.in/

संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

पद का नाम - जूनियर इंजीनियर, तकनीकी अधिकारी, ट्यूटर सहित अन्य पद
पदों की संख्या - 171
योग्यता - पद के अनुसार मान्यता प्राप्त संस्थान से इंजीनियरिंग में डिप्लोमा, ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट, एमबीबीएस, एमडी की डिग्री।
अंतिम तिथि - 25 नवंबर, 2023
वेबसाइट - https://sgpgims.org.in/

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - हाई स्पीड रेल पायलट
पदों की संख्या - 20
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - www.nhsrcl.in

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

पद का नाम - वैज्ञानिक अधिकारी जीव विज्ञान
पदों की संख्या - 07
योग्यता - वनस्पति विज्ञान या प्राणी विज्ञान या जैव रसायन शास्त्र या सूक्ष्मय जीव विज्ञान या न्यायालयिक विज्ञान में एमएससी की उपाधि, 2 वर्ष का वैज्ञानिक शोध कार्यानुभव
अंतिम तिथि - 06 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - https://mppsc.mp.gov.in/

दिल्ली न्यायिक सेवा परीक्षा

पद का नाम - न्यायाधीश
पदों की संख्या - 53
योग्यता - लॉ में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए, अधिकतम आयु 32 वर्ष।
अंतिम तिथि - 22 नवंबर, 2023
वेबसाइट - https://delhihighcourt.nic.in/

त्रिपुरा स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड

पद का नाम - असिस्टेंट मैनेजर, कैश कम जनरल क्लर्क, मल्टी टास्किंग स्टाफ
पदों की संख्या - 156
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 28 नवंबर, 2023
वेबसाइट - https://tscbank.nic.in/

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना

पद का नाम - अधीक्षक, तकनीकी सहायक, तकनीशियन, कनिष्ठ सहायक (लेखा), कार्यालय परिचर
पदों की संख्या - 47
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 29 नवंबर, 2023
वेबसाइट - https://www.nitp.ac.in/

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद

पद का नाम - हिन्दी अधिकारी, हिन्दी टाइपिस्ट सह अनुवादक
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 25 नवंबर, 2023
वेबसाइट - www.icssr.org

चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान

पद का नाम - विशेषज्ञ ग्रेड 1, विशेषज्ञ ग्रेड II, जनरल ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी
पदों की संख्या - 31
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 23 नवंबर, 2023
वेबसाइट - www.cnci.ac.in

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वारंगल

पद का नाम - रजिस्ट्रार, पुस्तकाध्यक्ष, सहायक रजिस्ट्रार और अन्य
पदों की संख्या - 05
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 नवंबर, 2023
वेबसाइट – www.nitw.ac.in

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान

पाठ्यक्रम का नाम - बैचलर ऑफ डिजाइन, मास्टर ऑफ डिजाइन
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 01 दिसंबर, 2023
वेबसाइट - https://nid.edu

स्कॉलरशिप अलर्ट

डॉ. रेड्डी फाउंडेशन सशक्त स्कॉलरशिप

भारत की युवा छात्राओं को विज्ञान के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वालों के लिए।
योग्यता - 12वीं पास, बी.टेक., एमबीबीएस या बीएससी प्राकृतिक, शुद्ध विज्ञान में अध्ययनरत्।
क्या मिलेगा - प्रति वर्ष 80 हजार रुपये तीन वर्ष तक
अंतिम तिथि - 30 नवंबर 2023
वेबसाइट - sashaktscholarship.org

निरंकारी राजमाता स्कॉलरशिप स्कीम

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर पर तकनीकी या व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।
योग्यता - मान्यता प्राप्त संस्थान का नियमित छात्र, कॉलेज या विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया हो, 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।
क्या मिलेगा - प्रति वर्ष 75 हजार रुपये तक की ट्यूशन फीस।
अंतिम तिथि - 30 नवंबर, 2023
वेबसाइट - nirankarifoundation.org

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

आने वाला वक्त नि:संदेह आपका है

न हि कश्चित्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत्।
कार्यते ह्यवश: कर्म सर्व: प्रकृतिजैर्गुणै:॥
(श्रीमद्भगवद्गीता 3/5)

अर्थात प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के अर्जित गुणों के अनुसार कर्म करना पड़ता है, अत: कोई भी एक क्षण भर के लिए भी बिना कर्म किए नहीं रह सकता।

कहने का तात्पर्य है कि हम सब प्रतिपल किसी न किसी कर्म में लीन रहते हैं। सामाजिक व्यवस्था के अनुरूप सभी के मुख्य कर्म निर्धारित हैं। प्रत्येक मनुष्य को अपनी प्रकृति के अनुरूप कर्म करना चाहिए, यही उसका धर्म है। छात्र का कर्म अध्ययन करना है। अध्ययन ही उसका धर्म है, इसलिए पूरी ईमानदारी और समर्पित भाव से उसे अध्ययन करना आवश्यक है। गीता कहती है कि मनुष्य को प्रत्येक कर्म का फल अवश्य प्राप्त होता है। अच्छे कर्म का फल अच्छा और बुरे कर्म का फल बुरा। वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में सिविल सेवा की तैयारी का क्षेत्र एक कुरुक्षेत्र के समान है। यहां आपको पूरी ईमानदारी और समर्पित भाव से अध्ययन हेतु परिश्रम करना पड़ेगा, यदि आप ऐसा करते हैं तो विजयश्री प्राप्त करने से आपको कोई नहीं रोक सकता है।

मनुष्य इस सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। सर्वाधिक बुद्धिमान और विवेकशील। मनुष्य ने अनेकानेक परिकल्पनाओं को यथार्थ में बदला है। इस भौतिक जगत में आज हमें जो कुछ भी अकल्पनीय दिखाई देता है, उसके निर्माता हम मनुष्य ही हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि आप जो भी सोच लें, उसे अपने परिश्रम से पूर्ण अवश्य कर सकते हैं।

याद रखिए एक मनुष्य के रूप में आप संसार में सबसे अधिक गुण, समृद्धियां और शक्तियां लेकर अवतरित हुए हैं। आपके अंदर अपरिमित सामर्थ्य और शक्ति विद्यमान है। आपके अन्त:करण में जिन विचारों, भावनाओं और आकांक्षाओं का जन्म होता है, वही आपके भाग्य का, सफलता का और भविष्य का निर्माण करती हैं। आपके भीतर विचार-शक्ति की प्रबल तरंगे हैं, जिनका सकारात्मक प्रवाह आपके महान चरित्र का निर्माण कर सकता है।

आपके अंदर जो ईश्वरीय दिव्य तत्व निहित है, उसे प्रकट कीजिए। आपका एक-एक विचार आपके व्यक्तित्व निर्माण का मूल है। आपकी एक-एक कल्पना, एक-एक महत्वाकांक्षा जीवन को सर्वश्रेष्ठ बनाने का आधार है। आपके भीतर जो असीमित शक्तियां विद्यमान हैं, उनका आह्वान कीजिए। आप अपनी शक्तियों को जैसी आज्ञा देंगे वह वैसा ही कार्य करने लगेगी। हमारे भीतर की शक्तियों की यह विशेषता है कि हम जैसा सोचते हैं, जैसा चाहते हैं, हमारी शक्तियां स्वभावत: वैसे ही पदार्थ उत्पन्न करने लगती हैं। यदि आप बहुत कुछ प्राप्त करने के लिए आशान्वित हैं तो निश्चय रखिए कि आपके भीतर की शक्तियां स्वयमेव आपके उत्कृष्ट मनोरथ को क्रियात्मक स्वरूप प्रदान अवश्य करेंगी।

हम अपने आप को जैसा मानेंगे, वैसे ही अच्छा या बुरा चित्र हमारे अंत:करण में स्थिर होगा और वही मनोभाव हमारे व्यवहार में प्रकट होकर संसार के समक्ष आयेगा। याद रहे हमारे भीतर अद्भुत शक्तियों का भण्डार है, जिसकी कल्पना हम स्वयं भी नहीं कर सकते हैं। नैपोलियन बोनापार्ट संसार का एक महान शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता है। उसके साहसिक कार्यों के कारण ही संसार में उसका नाम अमर हो गया है, किन्तु जब हम उसके प्रारंभिक जीवन पर प्रकाश डालते हैं तो हमें आश्चर्य होता है कि नैपोलियन इतनी उन्नति कैसे कर सका। नैपोलियन का जन्म एक गरीब परिवार में हुआ था, उसका बचपन अंधकारमय था। वह अपने बाल्यकाल से ही मंदबुद्धि वाला लड़का समझा जाता था। अनेक मुसीबतों और कठिनाइयों के बावजूद नैपोलियन ने अपने आत्मबल और उच्च संकल्पशक्ति के बल पर उन्नति की और अंतत: फ्रांस का शासक बना। हम सभी के भीतर वह आत्मबल और संकल्पशक्ति विद्यमान है। बस उसे अपनी आत्मचेतना से जाग्रत करने की आवश्यकता है।

हमें भी अपनी महानता में अखण्ड विश्वास होना चाहिए। हमारे भीतर अद्भुत शक्तियों का भण्डार है। हमारे मन में जिन विचारों, भावनाओं तथा आकांक्षाओं की उत्पत्ति होती है, वे ही हमारे भाग्य, भविष्य और सफलता का निर्माण करती हैं। जिसे हम मानवीय विद्युत प्रवाह कहते हैं। याद रखिए हमारी उन्नति का उद्गम स्थल हमारी आत्मा है। अपने अंदर जो ईश्वरीय तत्व विद्यमान है, उसे प्रकट कीजिये। यदि आपने अपनी आत्मा में भटकते हुए मन को ईष्ट भावना पर आरुढ़ कर लिया है, तो ऐसा करने से ही आपका आधा कार्य पूर्ण हो गया है। शेष आधा कार्य आपके परिश्रम और पुरुषार्थ से पूर्ण हो जायेगा।

> आपकी एक-एक कल्पना, एक-एक महत्वाकांक्षा जीवन को सर्वश्रेष्ठ बनाने का आधार है। आपके भीतर जो असीमित शक्तियां विद्यमान हैं, उनका आह्वान कीजिए। आप अपनी शक्तियों को जैसी आज्ञा देंगे वह वैसा ही कार्य करने लगेगी। हमारे भीतर की शक्तियों की यह विशेषता है कि हम जैसा सोचते हैं, जैसा चाहते हैं, हमारी शक्तियां स्वभावत: वैसे ही पदार्थ उत्पन्न करने लगती हैं।

विचारों में नये जीवन, नये समाज और नये विश्व की रचना करने की अद्भुत शक्ति है। हमारे विचार ही हमारे जीवन की, समाज की और राष्ट्र की दिशा तय करते हैं। इसलिए अपने मस्तिष्क में सकारात्मक विचारों का प्रवाह होने दीजिए और अपनी सफलता के प्रति शत-प्रतिशत आशान्वित रहिए। याद रखिए आपके भीतर असीम शक्ति विद्यमान है, आप जो भी सोचेंगे उसे पूरा कर सकेंगे, इसलिए सकारात्मक चिंतन कीजिए और अपने परम लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ते रहिए, लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य होगी।

स्वामी विवेकानंद कहते हैं-''उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।'' स्वामी विवेकानंद भारतवर्ष के युवाओं के प्रेरणा स्रोत हैं, वे स्वयं को जाग्रत करने की शिक्षा युवाओं को देते हैं। वे कहते हैं- स्वयं को जाग्रत कीजिए, स्वयं को अपनी वास्तविक प्रकृति का बोध कराइए, अपनी सोई हुई आत्मा को जगाइए और देखिए कि वह कैसे जाग्रत होती है। आत्मा के आत्म-बोध की गतिविधि में लग जाने से आपके अंदर की शक्ति जाग्रत होगी और उससे आप वो हर चीज़ प्राप्त कर सकेंगे जो आपके लिए सर्वोत्तम है।

ऋग्वेद में कहा गया है -

मोषु वरुण मृण्मयं गृहं राजन्नहं गमम्।
मृळा सुक्षत्र मृळय॥
- ऋग्वेद 7/89/1

अर्थात मनुष्य को चाहिए कि वह अथक सच्चे परिश्रम और सतत पुरुषार्थ द्वारा अपनी स्थिति को सुदृढ़ बनाये ताकि संपूर्ण समाज समुन्नत हो सके। याद रहे आपका पुरुषार्थ न केवल आपके लिये अपितु संपूर्ण समाज के लिए हितकारी है।

जब आप दृढ़तापूर्वक यह विश्वास करते हैं कि आप एक साधारण मनुष्य नहीं हैं बल्कि एक असीम शक्ति का पुंज, महान तेजस्वी और पूर्ण प्रतिभा संपन्न हैं और जो भी चाहें उसे प्राप्त कर सकते हैं, तो यकीन मानिए आपके अंत:करण में एक अद्वितीय ऊर्जा का संचार होने लगता है और आपके भीतर अलौकिक बुद्धि सामर्थ्य और मन की सुप्त शक्तियां जाग्रत होने लगती हैं।

ये दुनिया हमेशा उगते हुए सूर्य को प्रणाम करती है। सफलता के शिखर पर विराजमान व्यक्ति के सामने नतमस्तक होती है। चौरासी लाख योनियों के बाद आपका मनुष्य के रूप में जन्म हुआ है। अपने आप को इस बात का बोध कराइए कि आप एक सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति बनने के लिए ही जन्में हैं। यकीन मानिए आपके भीतर जो असीमित शक्ति का भण्डार है, उससे आप जो चाहें कर सकते हैं। सृष्टि की कोई ताकत, कोई प्रतिकूल परिस्थिति आपको ऐसा करने से नहीं रोक सकती है। इसलिए उठो और बिना समय व्यर्थ किये अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पुरुषार्थ में लग जाओ। एक सर्वोत्तम जीवन आपकी प्रतिक्षा कर रहा है।

चाणक्य कहते हैं- ''जन्म लेना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन जन्म के उपरांत जीवन को सर्वश्रेष्ठ बनाना नि:संदेह हमारे हाथ में है। याद रहे आप साधारण व्यक्ति नहीं हैं, आत्म स्वरूप शक्ति का पुंज हैं, असीम शक्तियों के स्वामी हैं, महान तेजस्वी और पूर्ण प्रतिभा संपन्न हैं। आप अपने पुरुषार्थ के बल से सृष्टि का सर्वोत्कृष्ट कार्य कर अपने जीवन को सर्वश्रेष्ठ बना सकते हैं।''

अप्राप्यं नाम नेहास्ति धीरस्य व्यवसायिन:।

अर्थात पुरुषार्थ व्यक्ति के लिए कोई भी वस्तु अप्राप्य नहीं है। अपने अंत:करण का अवलोकन करो, आप महान पुरुषार्थी हैं। अपने पुरुषार्थ के बल पर उन्नति और अपना लक्ष्य प्राप्त करने का संपूर्ण सामर्थ्य आपके भीतर विद्यमान है।

आप परीक्षार्थी हैं, आपका ध्येय प्रतियोगी परीक्षा में सफल होना है। याद रहे कर्म के सिद्धांत के अनुसार अध्ययन का क्षेत्र ही आपके पुरुषार्थ का क्षेत्र है। इसलिए पूरी निष्ठा के साथ अपना पुरुषार्थ कीजिए। शास्त्रों में कहा गया है-

धीमन्तो वन्द्यचरिता मन्यन्ते पौरुषं महत्।
अशक्ता: पौरुषं कर्तुं क्लीबा दैवमुपासते॥

अर्थात् वंदनीय चरित्र वाले बुद्धिमान मनुष्य पुरुषार्थ को ही प्रधान मानते हैं और जो पुरुषार्थहीन मनुष्य हैं, वे भाग्य की ही उपासना करते हैं।

याद रहे आप पुरुषार्थहीन नहीं हैं, पुरुषार्थी हैं, आप भाग्य के उपासक नहीं हैं, कर्म के उपासक हैं। अपने सर्वश्रेष्ठ कर्म से अपने जीवन को सफल और सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। याद रहे इस प्रतिबद्धता में कुछ भी बाधक नहीं होना चाहिए।

मेरा सिविल सेवा की तैयारी में लगे परीक्षार्थियों से अनुरोध है, कि उठो! अपने अंदर विद्यमान शक्तियों को जागृत करो। पूर्ण आत्मविश्वास, सकारात्मकता और प्रतिबद्धता के साथ समर्पित भाव से परिश्रम करो। आने वाला वक्त नि:संदेह आपका है।

- डॉ. जीवन एस. रजक
(लेखक, राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, साहित्यकार तथा दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं लोकप्रशासन पुस्तक के लेखक हैं)

प्रधानमंत्री शेख हसीना

टाइम के कवर पेज पर

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को अमेरिका की प्रतिष्ठित मैगजीन टाइम ने अपने आगामी अंक के कवर पृष्ठ पर जगह दी है। कवर स्टोरी का शीर्षक है, शेख हसीना और बांग्लादेश में लोकतंत्र का भविष्य। हसीना ने मैगजीन को दिए साक्षात्कार में कहा कि उनके देश की आवाम उनके साथ है।

रेसर अलोंसो

रेडबुल के साथ नहीं जुड़ेंगे

एस्टन मार्टिन के स्टार, फॉर्मूला-1 रेसर अलोंसो ने रेडबुल के साथ जुड़ने की अफवाहों का खंडन किया है। साथ ही उन्होंने अफवाहों को लेकर गुस्सा भी जाहिर किया है। पिछले हफ्ते मैक्सिको ग्रांप्री के बाद अलोंसो के एस्टन मार्टिन छोड़ने की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया था। माना जा रहा था कि वे रेडबुल में सर्जियो पेरेज की जगह ले सकते हैं। अलोंसो ने स्पष्ट किया कि ये सब महज अफवाह है।

फुटबॉलर नेमार

सर्जरी के बाद वापस लौटेंगे

ब्राजील के फुटबॉलर नेमार पिछले कुछ महीनों से खेल से बाहर चल रहे थे। दरअसल वर्ल्डकप क्वालिफायर में उरुग्वे के खिलाफ खेलते हुए उन्हें घुटने में चोट लग गयी थी जिसके बाद वो मैच को बीच में ही छोड़ कर बेंच पर चले गए थे। उन्होंने अब सफल सर्जरी करवा ली है। मैच के बाद हुए एमआरआई स्कैन में उनके घुटने में एसीएल की चोट सामने आई थी।

जेफर हूगलैंड

टाइम ट्रायल साइकिलिंग में तोड़ा रिकॉर्ड

नीदरलैंड के जेफरी हूगलैंड ने पुरुषों की 1 किलोमीटर टाइम ट्रायल ट्रैक में नया रिकॉर्ड बनाया है। चार बार के टाइम ट्रॉयल चैंपियन जेफरी ने मैक्सिको में 55.433 सेकेंड में रेस पूरी करके फ्रांकोइस पेविंस का 2013 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फ्रांकोइस ने 56.303 सेकेंड में ये रेस पूरी की थी। उनका यह रिकॉर्ड सबसे लंबे समय तक चलने वाला ट्रैक विश्व रिकॉर्ड था।

प्रवीण मधुकर पवार

सीबीआई के संयुक्त निदेशक बने

भारत सरकार ने आईपीएस अधिकारी प्रवीण मधुकर पवार को 5 साल के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो के संयुक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। भारत सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आईपीएस अधिकारी प्रवीण को 5 साल की अवधि के लिए या अगला आदेश आने तक नियुक्ति प्रदान की जाती है।

लुइस हेबर

उरुग्वे के गृहमंत्री ने दिया इस्तीफा

उरुग्वे के गृहमंत्री लुइस अल्बर्टो हेबर ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ड्रग तस्कर को पासपोर्ट जारी करने के मामले में दो अन्य सहयोगियों के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी जगह अब निकोलस मार्टिनेली गृहमंत्री का पद संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि इसी विवाद के चलते विदेश मंत्री फ्रांसिस्को ने भी इस्तीफा दे दिया था। इन सभी पर तस्कर को पासपोर्ट जारी करने और जांच में छेड़छाड़ का आरोप लगाया गया था।

जीपीएस ट्रैकर एंक्लेट

जम्मू-कश्मीर में जमानत पर छूटे अपराधी पहनेंगे

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जमानत पर छूटे आरोपियों की मॉनिटरिंग के लिए जीपीएस ट्रैकर एंक्लेट (पायल) सिस्टम की शुरुआत कर दी है। वह अपराधियों की वास्तविक समय में ट्रैकिंग की तकनीक का इस्तेमाल करने वाली देश की पहली पुलिस बन गई है। इस तकनीक के जरिए अब आरोपी पुलिस की नजर से बच नहीं सकेंगे। इसके सफल होते ही तकनीक देशभर के आरोपियों के लिए लागू की जाएगी।

प्रिंस विलियम

अर्थशॉट पुरस्कार समारोह के लिए सिंगापुर पहुंचे

ब्रिटेन के प्रिंस विलियम सालाना अर्थशॉट पुरस्कार समारोह के लिए पिछले दिनों सिंगापुर पहुंचे। जलवायु परिवर्तन से लड़ने और ग्रह को बचाने के समाधान के साथ पर्यावरण नवप्रवर्तकों के लिए यह समारोह पहली बार एशिया में आयोजित किया गया। पुरस्कार समारोह में 5 विजेताओं के नाम घोषित किए गए। प्रत्येक विजेता को 10 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी।

इरीन पेरेडेस

कम्प्यूटर की गलती से 100वां मैच नहीं खेल पायीं

स्पेन महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी इरीन पेरेडेस वीमेंस नेशन लीग में अपना 100वां मुकाबला खेलने को तैयार थी। हालांकि कम्प्यूटर की गलती की वजह से इरीन का इंतजार लंबा हो गया है। दरअसल स्विट्जरलैंड के खिलाफ इरीन टीम में शामिल थीं जो उनका 100वां यादगार मुकाबला होने वाला था, लेकिन कम्प्यूटर में तकनीकी खामी की वजह से मैच अधिकारियों के पास पुराने मैच की सूची पहुंच गई। जिसमें इरीन का नाम ही नहीं था।

फिलीपींस

बीआरआई से हुआ बाहर

इटली के बाद अब फिलीपींस ने भी चीन की बीआरआई परियोजना से बाहर होने की घोषणा कर दी है। चीन सागर में फिलीपींस की पेट्रोलिंग पर दोनों देशों में खींचतान पर फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डीनांड मार्कोस जूनियर ने चिंता जताई थी। ज्ञात रहे कि हाल के वर्षों में यह परियोजना विवाद में आकर अपनी गति से धीमी हो गई है। चीन द्वारा दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस की पेट्रोलिंग के खिलाफ सख्त रुख अपनाना ही फिलीपींस के बाहर होने का कारण माना जा रहा है।

मैरी इयरप्स

स्पोर्ट्स वूमेन ऑफ द ईयर बनीं

इंग्लैंड महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी मैरी इयरप्स ने एक और खिताब अपने नाम कर लिया है। वर्ल्डकप का फाइनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी 2023 की संडे टाइम्स स्पोर्ट्स वूमेन ऑफ द ईयर बन गई हैं। मैरी इस साल वर्ल्डकप की बेस्ट गोल कीपर थीं। उन्होंने टूर्नामेंट में 3 क्लीन शीट रखी थी। जिसकी वजह से उन्हें गोल्डन ग्लव भी दिया गया था। साथ ही मैरी महिला बैलेन डि ओर खिताब जीतने की सूची में पांचवें स्थान पर रही थी।

रूस

न्यूक्लियर हथियार ले जाने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण

रूस ने परमाणु ईंधन वाली पनडुब्बी से न्यूक्लियर हथियार ले जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इसे नौसेना में शामिल करने का निर्णय भी लिया गया। यह मिसाइल 12 मीटर लंबी है, इसकी मारक क्षमता 8000 किलोमीटर है। यह अपने साथ 6 न्यूक्लियर हथियार ले जा सकती है। इसका परीक्षण ऐसे समय हुआ है, जब यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। बता दे कि रूस ने परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के अनुसमर्थन को रद्द करने के बाद से परमाणु बयानबाजी तेज कर दी है।

एमा हायेस

चेल्सी की मैनेजर पद छोड़ेंगी

महिला सुपर लीग के वर्तमान सीजन चेल्सी की मैनेजर एमा हायेस के लिए टीम के साथ यह आखिरी सीजन होगा। चेल्सी ने आधिकारिक बयान में कहा कि एमा अब क्लब और लीग से बाहर अवसरों की तलाश करेंगी। यह बयान हाल ही में एस्टनविला से 0-6 से हार के बाद आया। एमा 2012 से चेल्सी क्लब से जुड़ी है। उनके मैनेजर रहते हुए टीम ने 6 बार महिला सुपर लीग का खिताब जीता। 2021 में टीम फाइनल में बार्सिलोना से हार गई थी।

रजनीकांत

एशिया के सबसे अधिक मेहनताना लेने वाले अभिनेता बने

सुपरस्टार रजनीकांत ने दरबार, पेट्टा 2.0, चंद्रमुखी, काला जैसी फिल्मों के लिए जितना मेहनताना (पारिश्रमिक) लिया उससे कहीं ज्यादा आने वाली फिल्म थलाइवर के लिए 260-280 करोड़ रुपये लेना तय किया। जिसके कारण वह एशिया में सर्वाधिक पारिश्रमिक लेने वाले अभिनेता बन गए। यह पहली बार नहीं है जब रजनीकांत ने एशियाई सूची में टॉप पर स्थान ग्रहण किया है।

मुंशी प्रेमचंद

गांव को मिलेगा संग्रहालय का स्वरूप

महान उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद के जिले वाराणसी स्थित पैतृक गांव लमही को संग्रहालय का रूप दिया जाएगा। इसके लिए 10 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार कर शासन की अनुमति प्राप्त करने को भेजा गया है। स्वीकृति के साथ ही संग्रहालय के निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। संग्रहालय में वर्चुअल म्यूजियम और उनकी यादों से जुड़ी चीजें होंगी।

इंडोनेशिया में

दुनिया का सबसे पुराना पिरामिड

इंडोनेशिया में एक लावा की पहाड़ी के भीतर बनी 98 फीट गहरी संरचना दुनिया की सबसे पुरानी पिरामिड मानी जा रही है। पुरातत्वविदों के अनुसार यह मिस्र के पिरामिडों से भी पुराना है। रेडियोकार्बन डेटिंग के बाद पुरातत्वविदों का मानना है कि यह अत्यंत पुराना है, इस जगह को 'गुनुंग पडांग' कहा जाता है। 1890 में डच निवासी ने यहां की खोज की थी।

यूएई

भारत में करेगा 50 अरब डॉलर का निवेश

संयुक्त अरब अमीरात ने भारत में 50 अरब डॉलर का निवेश करने की बात कही है। उसने तेजी से बढ़ रही भारत की अर्थव्यवस्था पर भरोसा करते हुए इस बड़े निवेश 50 बिलियन डॉलर यानि 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश करने की बात कही है। माना जा रहा है कि संयुक्त अरब अमीरात के इस फैसले पर चीन अपनी नकारात्मक प्रतिक्रिया देगा।

सुरेन्द्र अधाना

यूएन सलाहकार समिति में फिर चुने गए

वरिष्ठ भारतीय राजनयिक सुरेन्द्र अधाना को 2024-26 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र के तहत स्थाई मिशन में प्रशासनिक बजटीय प्रश्नों पर सलाहकार समिति (एसीएबीक्यू) में सेवा देने के लिए फिर से चुना गया है। यह संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से चुने गए 21 सदस्यों की विशेषज्ञ समिति है। इसके सदस्य व्यक्तिगत क्षमता से काम करते हैं न कि सदस्य देशों के प्रतिनिधि के रूप में।

स्मृति शेष

गीता प्रेस के ट्रस्टी बैजनाथ का निधन

गीता प्रेस के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल का 90 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले 40 वर्षों से गीता प्रेस के ट्रस्टी के रूप में समाज की सेवा कर रहे थे। उनका जीवन सामाजिक जागरूकता और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री सहित देश के अन्य राजनीतिक हस्तियों ने उनके निधन पर शोक प्रकट किया।

अमेरिकी अभिनेता पेरी का निधन

मशहूर अमेरिकी टेलीविजन सीरियल 'फ्रेंड्स' में चैंडलर बिंग की भूमिका निभाने वाले अभिनेता मैथ्यू पेरी का 54 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। 'फ्रेंड्स' के 10 सीजन में अपने अभिनय के दम पर उन्होंने अलग मुकाम बना लिया था। उन्हें प्रतिष्ठित एमी पुरस्कार के लिए नामांकित भी किया गया था।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

एम.पी.पी.एस.सी. तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये उपयोगी जानकारी

राष्ट्रीय महिला आयोग

गठन

- राष्ट्रीय महिला आयोग एक सांविधिक निकाय है।
- राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम-1990 की धारा-3 के तहत 31 जनवरी 1992 में की गई।
- भारत सरकार का **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** इसका नोडल मंत्रालय है।
- राष्ट्रीय महिला आयोग का आदर्श वाक्य **महिलाओं के अधिकारों का सतत संरक्षण** हैं।
- राष्ट्रीय महिला आयोग का मुख्यालय नई दिल्ली में निर्भया भवन के नाम से जाना जाता है।
- सरोजनी नायडू के जन्म दिवस के उपलक्ष्य पर प्रति वर्ष 13 फरवरी को राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है।

उद्देश्य

- महिलाओं की संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा को सुनिश्चित करना।
- उनके लिए विधायी सुझावों की सिफारिश करना।
- शिकायत का निवारण करना।
- महिलाओं को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों में सरकार को सलाह देना।

आयोग की संरचना

- महिला आयोग एक बहुसदस्यीय निकाय है।
- आयोग में 1 अध्यक्ष , 5 सदस्य और 1 सदस्य सचिव होते है।
- आयोग के अध्यक्ष , सदस्यों व सचिव की नियुक्ति केन्द्र सरकार द्वारा की जाती है।
- आयोग का अध्यक्ष महिलाओं के हित के लिए समर्पित तथा प्रतिबद्ध व्यक्ति होना चाहिए।
- आयोग के सभी सदस्य विधि, प्रबंधन, आर्थिक विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रशासन में अनुभव रखने एवं महिलाओं के लिए कार्यरत स्वयंसेवी संस्था आदि से सबंद्ध व्यक्ति होने चाहिए।
- आयोग का सचिव, प्रबंधन, सामाजिक आंदोलन अथवा संस्थापक संरचना के क्षेत्र में विशेषज्ञ कोई व्यक्ति या संघ सरकार के अंतर्गत लोक सेवा में कार्यरत कोई अधिकारी जिसे, पर्याप्त अनुभव हो, होना चाहिए।
- राष्ट्रीय महिला आयोग में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का भी एक-एक सदस्य होना चाहिए।

पद अवधि एवं सेवा शर्तें

- कार्यकाल - 3 साल या 65 वर्ष जो भी पहले हो।
- इस्तीफा - केन्द्र सरकार को
- निष्कासन - केन्द्र सरकार द्वारा

आधार

- दिवालिया होने पर
- नैतिक अक्षमता के अपराध में दोषी पाए जाने पर
- केन्द्र सरकार द्वारा प्रदत्त कार्य को करने से इंकार करने पर
- लगातार तीन अधिवेशनों में अनुपस्थित होने पर
- केन्द्र सरकार को ऐसा प्रतीत हो कि अध्यक्ष या सदस्य का पद पर रहना लोक हित में नहीं है।
- अध्यक्ष एवं सदस्य को पद से हटाने से पूर्व जन सुनवाई का अधिकार प्रदान किया जायेगा।

वेतन एवं भत्ते

- अध्यक्ष सदस्यों एवं कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन आदि केन्द्र सरकार द्वारा दिए जाएंगे ।
- सरकार द्वारा अनुदान में से दिए जाएंगे।

रिपोर्ट

- केन्द्र स्तर पर - केन्द्र सरकार को, केन्द्र सरकार रिपोर्ट को संसद में रखेगी।
- राज्य स्तर पर - राज्य सरकार को

आयोग की शक्तियां

- अधिनियम के अंतर्गत शिकायतों पर जाँच करते समय आयोग को दीवानी अधिकार प्राप्त हैं अर्थात् वे सभी शक्तियां प्राप्त होंगी जो कि सिविल कोर्ट किसी वाद के विचारण के समय अपनाता है।
- किसी दस्तावेज को ढूंढना और प्रस्तुत करना
- हलफनामें पर साक्ष्य प्राप्त करना
- किसी पब्लिक रिकॉर्ड को मांगना अथवा किसी न्यायालय या कार्यालय से उनकी प्रति मांगना
- गवाहों और दस्तावेजों की जांच के लिए कमीशन का गठन करना या कोई अन्य मामला जिस का सुझाव दिया गया हो।
- प्रथम अध्यक्ष - जयंती पटनायक

म.प्र. राज्य महिला आयोग

- **गठन - 23 मार्च 1998**
- **उद्देश्य -**

1. महिलाओं को सशक्त बनाना।
2. गरिमा व सम्मान को सुनिश्चित करना।
3. हितों की देखभाल व उनका संरक्षण करना।
4. भेदभाव मूलक व्यवस्था को समाप्त करना।
5. अत्याचारों व अपराधों पर त्वरित कार्यवाही।

संरचना

- अध्यक्ष सहित 7 सदस्य, (5 सदस्य अशासकीय), (1 सदस्य सचिव)।
- पदावधि : अध्यक्ष एवं सदस्य की पदावधि 3 वर्ष या 65 वर्ष आयु।
- त्याग पत्र/निष्कासन : राज्य सरकार को

कार्य

- संवैधानिक व विधिक संरक्षण की समीक्षा करना।
- कल्याण कार्यक्रम एवं योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करना।
- प्रताड़ित महिलाओं को उचित संरक्षण दिलाना।
- राज्य सरकार को वार्षिक रिपोर्ट देना।
- शिक्षा तथा स्वावलंबन कार्यक्रम संचालन।

प्रतिवेदन

- आयोग अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को देता है।
- राज्य सरकार विधानसभा पटल पर रिपोर्ट प्रस्तुत करती है।
- यदि रिपोर्ट में किसी सुझाव को सरकार अस्वीकार करती है तो उसका कारण बताना आवश्यक है।

प्र.1 राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन कब किया गया था?
(अ) 23 मार्च 1992
(ब) 8 मार्च 1998
(स) 31 जनवरी 1992
(द) 23 मार्च 1998
उत्तर - (स)

प्र. 2 मध्यप्रदेश महिला आयोग का गठन कब किया गया था?
(अ) 31 जनवरी 1992
(ब) 23 मार्च 1998
(स) 23 मार्च 1992
(द) 23 मार्च 1999
उत्तर - (ब)

प्र. 3 राष्ट्रीय महिला आयोग के अध्यक्ष, सदस्यों एवं कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन आदि किसके द्वारा प्रदान किए जाते हैं
(अ) केन्द्र सरकार
(ब) वित्त आयोग
(स) राज्य सरकार
(द) संसदीय समिति द्वारा
उत्तर - (अ)

प्र. 4 राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष इनमें से कौन नहीं रही हैं -
(अ) गिरिजा व्यास
(ब) विभा पार्थसारथी
(स) रजनी राजदान
(द) पूर्णिमा आडवाणी
उत्तर - (स)

प्र. 5 राष्ट्रीय महिला आयोग की संरचना के संबंध में क्या गलत है?
(अ) आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 2 वर्ष का होता है।
(ब) आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष का होता है।
(स) आयोग का गठन राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम 1990 के अधीन किया गया है।
(द) राष्ट्रीय महिला आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य केन्द्र सरकार द्वारा मनोनीत होते हैं।
उत्तर - (अ)

प्र. 6 राष्ट्रीय महिला आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन भेजता है?
(अ) केंद्र सरकार
(ब) राष्ट्रपति
(स) राज्यपाल
(द) संसद
उत्तर - (अ)

प्र. 7 मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग में अध्यक्ष सहित कुल कितने सदस्य होते हैं?
(अ) 3 (ब) 4
(स) 5 (द) 7
उत्तर - (द)

प्र. 8 म.प्र. महिला आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है?
(अ) केन्द्र सरकार
(ब) राज्य सरकार
(स) राष्ट्रपति
(द) विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर - (ब)

प्र. 9 मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग का मुख्यालय इनमें से किस स्थान पर अवस्थित है?
(अ) भोपाल (ब) जबलपुर
(स) इन्दौर (द) ग्वालियर
उत्तर - (अ)

प्र. 10 म.प्र. राज्य महिला आयोग का गठन इनमें से किसके माध्यम से सम्पन्न हुआ?
(अ) राज्यपाल के अध्यादेश से
(ब) म.प्र. राज्य महिला आयोग अधिनियम 1990 के द्वारा
(स) म.प्र. राज्य महिला आयोग अधिनियम 1995 के द्वारा
(द) केन्द्र सरकार के द्वारा
उत्तर - (स)

प्र. 11 म.प्र. राज्य महिला आयोग अधिनियम 1995 को राष्ट्रपति की स्वीकृति कब मिली?
(अ) मार्च 1995
(ब) मार्च 1996
(स) दिसम्बर 1995
(द) दिसम्बर 1996
उत्तर - (द)

प्र. 12 राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन इनमें से किस रीति के तहत किया गया?
(अ) संसदीय अध्यादेश द्वारा
(ब) संवैधानिक संशोधन द्वारा
(स) राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम 1990 के द्वारा
(द) राष्ट्रीय महिला आयोग संरक्षण अधिनियम 1991 के द्वारा
उत्तर - (स)

प्र. 13 महिला आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को उनका कार्यकाल पूर्ण होने के पूर्व भी इनमें से किसके द्वारा हटाया जा सकता हैं -
(अ) केन्द्र सरकार द्वारा
(ब) राष्ट्रपति द्वारा
(स) उच्चतम न्यायालय द्वारा
(द) महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा
उत्तर - (अ)

प्र. 14 राष्ट्रीय महिला आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?
(अ) 2 वर्ष (ब) 3 वर्ष
(स) 4 वर्ष (द) 5 वर्ष
उत्तर - (ब)

प्र. 15 राष्ट्रीय महिला आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है?
(अ) संसद
(ब) महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
(स) लोकसभा अध्यक्ष
(द) केन्द्र सरकार
उत्तर - (द)

प्र. 16 मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग को निम्न में से कौन सी शक्ति प्राप्त नहीं है?
(अ) किसी व्यक्ति को समन भेजने की
(ब) शपथ पत्र पर साक्ष्य ग्रहण करने की
(स) दस्तावेज माँगने की
(द) दोषी पाए जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही करने की
उत्तर - (द)

प्र. 17 निम्न में से कौन-सी एक संवैधानिक संस्था नही हैं?
(अ) राष्ट्रीय महिला आयोग
(ब) राज्य वित्त आयोग
(स) लोकसभा सचिवालय
(द) केन्द्र का वित्त आयोग
उत्तर - (अ)

प्र. 18 राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष इनमें से कौन नहीं रही हैं?
(अ) जयंती पटनायक
(ब) वी. मोहिनी गिरि
(स) विभा पार्थसारथी
(द) अल्का सिरोही
उत्तर - (द)

प्र. 19 राष्ट्रीय महिला आयोग की कौन-सी अध्यक्ष लगातार दो कार्यकाल तक अपने पद पर बनी रहीं?
(अ) जयंती पटनायक
(ब) गिरीजा व्यास
(स) विभा पार्थसारथी
(द) ममता शर्मा
उत्तर - (ब)

प्र. 20 राष्ट्रीय महिला आयोग को निम्न में से कौन-सी शक्ति प्राप्त है?
(अ) आपराधिक न्यायाय
(ब) सिविल न्यायालय
(स) संवैधानिक
(द) इनमें से कोई नही
उत्तर - (ब)

प्र. 21 राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?
(अ) 2 वर्ष (ब) 3 वर्ष
(स) 4 वर्ष (द) 5 वर्ष
उत्तर -(ब)

प्र. 22 राष्ट्रीय महिला आयोग के वित्त का प्रबंध निम्न में से किस रीति से होगा -
(अ) संचित निधि से
(ब) आकस्मिकता निधि से
(स) केन्द्र सरकार के अनुदान से
(द) आयोग स्वयं व्यवस्था करेगा
उत्तर - (स)

प्र. 23 आयोग के संबंध में सही है -
(अ) आयोग सदस्यों का चयन स्वयं कर सकता है।
(ब) आयोग के सदस्यों का चुनाव राष्ट्रपति करते हैं।
(स) आयोग के सदस्यों को हटाने का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय को है।
(द) आयोग के सदस्यों का चुनाव सरकार करती है।
उत्तर - (द)

प्र. 24 राष्ट्रीय महिला आयोग की संरचना में शामिल होते हैं -
(अ) 1 अध्यक्ष + दो उपाध्यक्ष
(ब) 1 अध्यक्ष + 1 सचिव + 3 सदस्य
(स) 1 अध्यक्ष +1 सचिव + पाँच सदस्य
(द) एक अध्यक्ष + एक उपाध्यक्ष + पाँच सदस्य
उत्तर - (स)

(शेष अगले पृष्ठ पर)

अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस 20 नवंबर

हर बच्चे को मिले पूरी ज़मीन पूरा आसमां

आ चल के तुझे, मैं ले के चलूं
एक ऐसे गगन के तले
जहां ग़म भी न हो, आंसू भी न हो
बस प्यार ही प्यार पले
एक ऐसे गगन के तले
सूरज की पहली किरन से
आशा का सवेरा जागे
चंदा की किरन से धुलकर
घनघोर अंधेरा भागे...

किशोर कुमार का लिखा और उन्हीं की आवाज में गाया हुआ यह नगमा बरसों बाद भी गुनगुनाया जाता है। एक पिता और बच्चे पर फिल्माया गया यह गीत बचपन की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत करता है। एक ऐसी दुनिया जहां हर बच्चे को भोजन मिले, जहां प्रकृति में कोई प्रदूषण न हो, सांस लेने के लिए खुली हवा हो, जहां हर व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के मुक्त गगन में अपने सपनों को साकार कर सके। जहां धर्म या जाति के नाम पर कोई भेदभाव न किया जाता हो। जहां गरीबी और भुखमरी का नाम ही न हो और ऐसी दुनिया बनाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा क्योंकि दुनिया रूपी मकान को घर का आकार हम सभी मिलकर ही देते हैं। लेकिन घर का बच्चा खुश रहे, बेहतर परवरिश, सुख-सुविधाओं के बीच बेहतर जीये जबकि दूसरा बच्चा अभाव और भेदभाव भरा जीवन जीये यह उचित नहीं है।

बच्चों को आगे बढ़ने, पढ़ने के लिए समान अवसर मिलने चाहिए। बच्चे ही देश के विकास की नींव होते हैं और भविष्य भी, लेकिन अगर बच्चे अपने अधिकारों से वंचित रह जाएंगे तो एक बेहतर दुनिया का निर्माण नहीं किया जा सकेगा। हमें बच्चों की बेहतरी के लिए काम करना चाहिए, साथ ही हर बच्चे को हर अधिकार प्राप्त हो, उसके लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। चाहे सरकार हो या संस्थान, सभी को बच्चों के कल्याण और उनके अधिकारों के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना चाहिए। यदि हम एक उज्ज्वल भविष्य बनाना चाहते हैं तो बच्चों की भलाई और शिक्षा पर ध्यान देना बहुत महत्वपूर्ण है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे बच्चे स्वस्थ होकर बड़े हों और उन्हें साक्षर बनने का अवसर मिले। अपने बच्चों का पालन-पोषण और समर्थन करके, हम एक बेहतर कल की मजबूत नींव रख सकते हैं। बच्चों के इन्हीं अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रतिवर्ष विश्व भर में अलग-अलग तारीखों में बाल दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवंबर को "अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस" अथवा "विश्व बाल दिवस" मनाया जाता है। इस दिन को "बचपन दिवस" भी कहते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस का इतिहास

अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस की नींव 1954 में रखी गयी थी। यह दिवस अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता, बच्चों के हितों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों के कल्याण को बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। 20 नवंबर की तारीख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1959 में बाल अधिकारों को घोषित किया था। 20 नवंबर 1989 को संयुक्त राष्ट्र ने बाल अधिकारों पर हुए सम्मलेन के सुझावों को अपनाया था। 1990 से 20 नवंबर को विश्व बाल अधिकार दिवस संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दोनों घोषणाओं को अपनाए जाने के उपलक्ष्य के रूप में मनाया जा रहा है। भारत ने इस घोषणा का 11 दिसंबर 1992 को समर्थन किया।

हालांकि बाल अधिकारों को 20 नवंबर, 2007 में स्वीकार किया गया। बाल विकास और कल्याण के लिए मार्च 2007 में भारत सरकार ने एक संवैधानिक संस्था या कमीशन बनाया, जिसका नाम राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग रखा। आयोग की स्थापना संसद के बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005 के अंतर्गत हुई थी। केन्द्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की तर्ज पर राज्यों में भी बच्चों के हितों के संरक्षण के लिए बाल अधिकार संरक्षण आयोग की स्थापना की गई है। अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस का मुख्य उद्देश्य दुनियाभर के बच्चों के बीच में पारस्परिक सहयोग और सामंजस्य स्थापित करना एवं विश्व के सभी बच्चों के कल्याण के लिए विभिन्न कल्याणकारी कार्यों का संचालन करना है। अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस की परिकल्पना वी.के. कृष्णा मेनन ने रखी थी।

बच्चों के मानव अधिकार अर्थात् बाल अधिकार

हर मनुष्य के कुछ अधिकार हैं लेकिन बच्चों के मानवाधिकारों को बाल अधिकार कहते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1959 में बाल अधिकारों की घोषणा की। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1989 में बाल अधिकारों का अभिसमय अपनाया। इस समझौते पर 196 राष्ट्रों ने हस्ताक्षर किए। इसमें 54 अनुच्छेद हैं। इन 54 अनुच्छेदों में बच्चों को विशिष्ट अधिकार दिये गये हैं। इस अनुच्छेद में पहली बार आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक अधिकार दिए गए। इस अभिसमय में निहित प्रावधान के अनुसार बच्चे माता पिता के संरक्षण में प्रशिक्षणरत भावी वयस्क मात्र नहीं हैं, सर्वप्रथम वह मनुष्य हैं और उनके अपने अधिकार हैं। इसमें जीवन का अधिकार मौलिक अधिकारों में से एक है। इसके अलावा भेदभाव न हो, माता-पिता की जिम्मेदारी, स्वास्थ्य सेवाएं, अच्छा जीवन स्तर, विकलांग बच्चों के लिए उचित व्यवस्था, शिक्षा की व्यवस्था, नशीले पदार्थों से बचाव, दुर्व्यवहार से रक्षा, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां, अनाथ बच्चों की रक्षा, बाल श्रमिकों की सुरक्षा, यौन शोषण से बचाव, किशोर न्याय प्रबंधन, यातना-दासता पर रोक आदि अधिकार महत्वपूर्ण हैं।

बच्चों को मिले प्रमुख अधिकार

बच्चों का विकास : बच्चों के पालन पोषण की पहली जिम्मेदारी माता-पिता की है। राज्य का भी कर्तव्य है कि वह इस कार्य में अभिभावक को सहयोग देगा। राज्य और माता-पिता बच्चों के विकास के लिए मिलकर उचित प्रयास करें।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं : स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएं पाना हर बच्चे का अधिकार है। हर राज्य बच्चे के प्रारंभिक स्वास्थ्य की रक्षा और शिशुओं की मृत्यु दर कम करने पर विशेष तौर पर काम करें।

अच्छा जीवन स्तर : प्रत्येक बच्चे को अच्छा जीवन स्तर पाने का अधिकार है। बच्चे का पर्याप्त मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक और सामाजिक विकास होना चाहिए। बच्चे के लिए पर्याप्त रोटी, कपड़ा और मकान मिल सके।

दिव्यांग बच्चों के लिए उचित व्यवस्था : प्रत्येक दिव्यांग बच्चे को विशेष देखभाल पाने का अधिकार है। शारीरिक और मानसिक तौर पर विशेष बच्चों को प्रशिक्षण पाने का अधिकार है और सक्षम बनकर समाज का हिस्सा बन सकते हैं।

बेसहारा बच्चों की रक्षा : समाज के अनाथ बच्चे को सुरक्षा पाने का अधिकार है। राज्य का कर्तव्य है कि अनाथ बच्चों को संरक्षण दिया जाए। उन्हें पारिवारिक माहौल देने वाली संस्थाओं या सही परिवार द्वारा गोद लेने की व्यवस्था की जाए।

शिक्षा का अधिकार : हर बच्चे को शिक्षा पाने का अधिकार है। राज्य का कर्तव्य है कि हर बच्चे के लिए प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की नि:शुल्क और अनिवार्य व्यवस्था की जाए। बच्चों को माध्यमिक स्कूलों में दाखिला दिलाएं। विद्यालयों में बच्चों के विकास के लिए बेहतर माहौल हो। देश में लागू शिक्षा के अधिकार के तहत 14 वर्ष तक के हर बच्चे को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है।

भारत में 14 नवंबर को मनाते हैं बाल दिवस

किसी से यदि पूछा जाए कि हमारे देश में बाल दिवस कब मनाया जाता है तो जवाब होगा 14 नवंबर। वहीं वैश्विक स्तर पर बाल दिवस 20 नवंबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। बच्चे देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। केवल सही शिक्षा, देखभाल और प्रगति के रास्ते पर उनको चलाकर एक नया जीवन दिया जा सकता है।

बचपन को खत्म करता बालश्रम

भारत समेत दुनिया के वह देश जहां भी गरीबी है आर्थिक पिछड़ापन है सभी जगह बचपन जिम्मेदारियों के बोझ तले दब जाता है। बालश्रम की समस्या दशकों से प्रचलित है। बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। गरीब बच्चे सबसे अधिक शोषण का शिकार हो रहे हैं। गरीब बच्चियों का जीवन भी अत्यधिक शोषित है। छोटे-छोटे ग़रीब बच्चे स्कूल छोड़कर बाल-श्रम हेतु मजबूर हैं। बाल-श्रम, मानवाधिकार का खुला उल्लंघन है। यह बच्चों के मानसिक, शारीरिक, आत्मिक, बौद्धिक एवं सामाजिक हितों को प्रभावित करता है। बच्चे घरेलू नौकर का कार्य कर रहे हैं। वे होटलों, कारखानों, सेवा-केन्द्रों, दुकानों आदि में कार्य कर रहे हैं, जिससे उनका बचपन जिम्मेदारियों के बोझ तले खत्म हो जाता है।

वेल्डिंग के कार्य के कारण आंखों से कम उम्र में दिखाई देना बंद होना, फैक्ट्री के धुंए में निकलते खतरनाक अवशेषों को श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है। जहरीली गैसों की वजह से फेफड़ों का कैंसर, टीबी रोग हो सकता है। शारीरिक दुर्बलताएं और शिक्षा के अभाव में अपने अधिकारों का पता न होना ये सब समस्याएं हर उस बच्चे के जीवन में होती हैं, जो यह जिंदगी जीता है और छोटी उम्र से जीवन के संग शुरू हुआ उसका यह संघर्ष तब तक जारी रहता है जब तक उसकी सांसें नहीं टूट जातीं। ऐसा नहीं कि केवल लड़के ही बाल श्रमिक हैं लड़कियां भी इन कार्यों में लगी हैं।

घरों में ऐसे लड़के-लड़कियां आपको प्राय: मिल जायेंगे जो घरेलू कार्य करते हैं उनका शोषण भी होता है। विभिन्न प्रकार के उद्योग धंधों में छोटी बच्चियां भी कार्य करती हैं, इन बच्चियों को छोटी उम्र से ही मानसिक और कई बार शारीरिक शोषण का भी सामना करना पड़ता है। बाल श्रमिकों से सम्बंधित एक अन्य समस्या यह है कि कई बार इन बच्चों को तस्करी आदि कार्यों में भी लगा दिया जाता है। मादक द्रव्यों की तस्करी में व अन्य ऐसे ही कार्यों में इनको संलिप्त कर इनकी विवशता का लाभ उठाया जाता है।

शरणार्थी बनकर बढ़ता बचपन

बचपन ही भविष्य का निर्माण करता है लेकिन जिन बच्चों का पूरा बचपन रिफ्यूजी कैंप में बीत जाता है, उन्हें बिना किसी गुनाह के यातनाओं को सहना पड़ता है उसकी हृदय विदारक तस्वीरें लगातार सामने आती रहती हैं। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच के संघर्ष की बात करें, यूक्रेन और रूस के बीच या फिर कोई अन्य देश। राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले किसी भी संघर्ष या अशांति की वजह से होने वाली परिस्थिति के कारण रिफ्यूजी कैंप में रहने वाले बच्चों को भी शिक्षा, स्वास्थ्य, सही विकास जैसे अभाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों को ना ही सही समय पर जरूरी वैक्सीन और दवाएं मिल पाती हैं और ना ही उन्हें सही पोषण युक्त आहार मिल पाता है।

''उड़ने दो परिंदों को अभी शोख़ हवा में
फिर लौट के बचपन के ज़माने नहीं आते''

बशीर बद्र की यह नज़्म बचपन का महत्व बताती है। हर भाषा के साहित्य में बचपन पर ख़ूबसूरत शब्दों को पिरोया है। मिट्टी की तरह कच्चे बच्चों को हम जैसा चाहें वैसा गढ़ सकते हैं। बस उसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। वह सिर्फ किसी एक की जिम्मेदारी नहीं है और आज का सशक्त बच्चा ही कल का सशक्त नागरिक बनेगा।

- सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका : सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

प्र. 25 आयोग द्वारा की जाने वाली अनुशंसाएं संघ और राज्य सरकारों के लिए हैं -
(अ) बाध्यकारी
(ब) सलाहकारी
(स) यह सलाह नहीं देता
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (ब)

प्र. 26 राष्ट्रीय महिला आयोग के वित्तीय प्रबंध को लेकर इनमें से कौन -सा सही हैं -
(अ) वित्तीय सक्षम है
(ब) राज्य सरकारों पर निर्भर
(स) केन्द्र सरकार पर निर्भर
(द) एन.जी.ओ. आदि पर निर्भर

उत्तर - (स)

प्र. 27 राष्ट्रीय महिला आयोग की संरचना में शामिल सदस्यों में से कम से कम एक-एक सदस्य होना चाहिये -
(अ) अन्य पिछड़ा वर्ग का
(ब) अल्पसंख्यक समूह वर्ग का
(स) अनुसूचित जाति या जनजाति वर्ग का
(द) सभी का एक-एक

उत्तर - (स)

प्र. 28 महिलाओं के विरुद्ध, घरेलू हिसा, उत्पीड़न, दहेज, प्रताड़ना सहित अन्य अमानवीय कृत्यों की शिकायत राष्ट्रीय महिला आयोग की कौन-सी शाखा सुनती है?
(अ) वैधानिक शाखा
(ब) लोक सबंद्ध
(स) उत्तर भारत शाखा
(द) शिकायत एवं जाँच शाखा

उत्तर - (द)

प्र. 29 महिलाओं से संबंधित अनुसंधान को इनमें से कौन-सी राष्ट्रीय महिला आयोग की शाखा प्रोत्साहन देती है?
(अ) वैधानिक शाखा
(ब) लोक सम्बद्ध शाखा
(स) शिकायत एवं जाँच शाखा
(द) उत्तर भारत शाखा

उत्तर - (ब)

प्र. 30 राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम-1990 की किस धारा के तहत् राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना की गई है?
(अ) धारा-2 (ब) धारा-3
(स) धारा-4 (द) धारा-5

उत्तर - (ब)

प्र. 31 राष्ट्रीय महिला आयोग का मुख्यालय हैं -
(अ) नई दिल्ली (ब) लखनऊ
(स) मुम्बई (द) भोपाल

उत्तर - (अ)

प्र. 32 राष्ट्रीय महिला आयोग की शक्तियाँ हैं -
(1) सिविल न्यायालय की
(2) केन्द्र व राज्य विभागों से प्रतिवेदन माँगने की
(3) व्यक्ति या अधिकारी को समन भेजने की
(4) कृत्यानुसार दण्ड देने की
इनमें से कौन-कौन से सही हैं?
(अ) चारों
(ब) केवल 1, 2 एवं 3
(स) केवल 2 एवं 3
(द) केवल 1

उत्तर - (ब)

प्र. 33 राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम-1990 में कुल कितने अध्याय हैं -
(अ) 3 (ब) 4
(स) 5 (द) 6

उत्तर - (स)

- इमरत खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं)

यूनेस्को की सूची में शामिल भारत के विश्व धरोहर स्थल

यूनेस्को विश्व विरासत स्थल ऐसे खास स्थानों (जैसे वन क्षेत्र, पर्वत, झील, मरुस्थल, स्मारक, भवन, या शहर इत्यादि) को कहा जाता है, जो विश्व विरासत स्थल समिति द्वारा चयनित होते हैं; और यही समिति इन स्थलों की देखरेख यूनेस्को के तत्वावधान में करती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विश्व के ऐसे स्थलों को चयनित एवं संरक्षित करना होता है जो विश्व संस्कृति की दृष्टि से मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं। कुछ खास परिस्थितियों में ऐसे स्थलों को इस समिति द्वारा आर्थिक सहायता भी दी जाती है। अब तक (अक्टूबर 2023 तक) पूरी दुनिया में लगभग 1199 स्थलों को विश्व विरासत स्थल घोषित किया जा चुका है, जिसमें 933 सांस्कृतिक, 227 प्राकृतिक, 39 मिश्रित (सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों) स्थल हैं।

यूनेस्को द्वारा घोषित भारत के सांस्कृतिक विरासत स्थल निम्न हैं -

1. आगरा का किला : 1983 उत्तरप्रदेश

आगरा का किला यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर स्थल है। यह किला भारत के

उत्तर प्रदेश राज्य के आगरा शहर में स्थित है। इसके लगभग 2.5 किलोमीटर उत्तर में ताज महल मौजूद है। इस किले को कुछ इतिहासकार चारदीवारी से घिरी प्रासाद महल नगरी कहना बेहतर मानते हैं। यह भारत का सबसे महत्वपूर्ण किला है। भारत के मुगल सम्राट बाबर, हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब यहां रहा करते थे।

2. अजंता की गुफाएं :1983 महाराष्ट्र

अजन्ता गुफाएं महाराष्ट्र, भारत में स्थित तकरीबन 29 चट्टानों को काटकर बनी बौद्ध स्मारक गुफाएं हैं, जो द्वितीय शताब्दी ई.पू. की हैं। यहां बौद्ध धर्म से सम्बन्धित चित्रण एवम् शिल्पकारी के उत्कृष्ट नमूने मिलते हैं। इसके साथ ही सजीव चित्रण भी मिलते हैं। यह गुफाएं अजन्ता नामक गांव के सन्निकट ही स्थित हैं, जो महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में है।

3. एलोरा की गुफाएं : 1983 महाराष्ट्र

एलोरा या एल्लोरा (मूल नाम वेरुल) एक पुरातात्विक स्थल है जो भारत में छत्रपति संभाजीनगर, महाराष्ट्र में ओरंगाबाद से 30 किलोमीटर दूर स्थित है। इसे राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा बनवाया गया था। यह स्मारक गुफाओं के लिए प्रसिद्ध, एलोरा यूनेस्को द्वारा घोषित एक विश्व धरोहर स्थल है।

4. ताज महल : 1983 उत्तरप्रदेश

17वीं शताब्दी में सम्राट शाहजहां द्वारा निर्मित ताज महल, आगरा में है। यह अपनी

जटिल मुगल वास्तुकला और सुंदर उद्यानों के लिए जाना जाता है, जो इसे भारत के सबसे अधिक देखे जाने वाले यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से एक बनाता है।

5. महाबलिपुरम में स्मारकों का समूह : 1984 तमिलनाडु

महाबलिपुरम (Mahabalipuram) या मामल्लपुरम (Mamallapuram) भारत के तमिलनाडु राज्य के चेंगलपट्टु

ज़िले में स्थित एक शहर है। यह मंदिरों का शहर राज्य की राजधानी, चेन्नई, से 55 किलोमीटर दूर बंगाल की खाड़ी से तटस्थ है। द्रविड वास्तुकला की दृष्टि से यह शहर अग्रणी स्थान रखता है।

6. सूर्य मंदिर, कोणार्क : 1984 ओडिशा

कोणार्क सूर्य मंदिर भारत के ओडिशा के पुरी जिले में समुद्र तट पर पुरी शहर से लगभग 35 किलोमीटर (22 मील) उत्तर पूर्व में, कोणार्क में एक 13वीं शताब्दी (वर्ष 1250) में बना सूर्य मंदिर है। मंदिर का श्रेय पूर्वी गंगवंश के राजा प्रथम नरसिंह देव को दिया जाता है। सन् 1984 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी है।

भारतीय सांस्कृतिक विरासत के लिए इसके महत्व को दर्शाने के लिए भारतीय 10 रुपये के नोट के पीछे कोणार्क सूर्य मंदिर को दर्शाया गया है।

7. गोवा के 7 चर्च और कॉन्वेंट : 1984 गोवा

पुराना गोवा (Old Goa) भारत के गोवा राज्य के उत्तर गोवा जिले की मांडवी नदी के दक्षिणी तट पर स्थित एक ऐतिहासिक नगर है। यह 16वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी तक पुर्तगाली भारत की राजधानी थी। 18वीं शताब्दी में प्लेग के फैलने के कारण पुर्तगाली उपनिवेशी सरकार को राजधानी बदलनी पड़ी। वर्तमान में यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और गोवा राज्य की राजधानी, पणजी, से लगभग 10 किमी पूर्व में स्थित है।

8. फतेहपुर सीकरी : 1986 उत्तरप्रदेश

फतेहपुर सीकरी एक नगर है जो कि मुगल सम्राट अकबर ने सन् 1571 में बसाया था। यह भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में स्थित है। यह अकबर के राज्य में 1571 से 1585 तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रही। फतेहपुर सीकरी मुस्लिम वास्तुकला का सबसे अच्छा उदाहरण है। फतेहपुर सीकरी मस्जिद के बारे में कहा जाता है कि यह मक्का की मस्जिद की कॉपी है और इसके डिजाइन हिंदू और पारसी वास्तुशिल्प से लिए गए हैं। मस्जिद का प्रवेश द्वार 54 मीटर ऊंचा बुलंद दरवाजा है, जिसका निर्माण 1573 ई. में किया गया था।

9. हम्पी में स्मारकों का समूह 1986 कर्नाटक

हम्पी या विजयनगर मध्यकालीन हिंदू राज्य विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। यह तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित है। भारत के कर्नाटक राज्य में स्थित यह नगर यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थलों में शामिल किया गया है। हम्पी का विशाल फैलाव गोल चट्टानों के टीलों में विस्तृत है। घाटियों और टीलों के बीच पांच सौ से भी अधिक स्मारक चिह्न हैं।

10. एलीफेंटा गुफाएं : 1987 महाराष्ट्र

एलीफेंटा, भारत में मुम्बई के गेट वे ऑफ इण्डिया से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित एक स्थल है, जो अपनी कलात्मक गुफाओं के कारण प्रसिद्ध है। यहां कुल सात गुफाएं हैं। मुख्य गुफा में 26 स्तंभ हैं, जिसमें भगवान शिव को कई रूपों में उकेरा गया है। पहाड़ियों को काटकर बनाई गई ये मूर्तियां दक्षिण भारतीय मूर्तिकला से प्रेरित है। इसका ऐतिहासिक नाम घारपुरी है। यह नाम मूल नाम अग्रहारपुरी से निकला हुआ है। एलिफेंटा नाम पुर्तगालियों द्वारा यहां पर बने पत्थर के हाथी के कारण दिया गया था। यहां हिन्दू धर्म के कई देवी देवताओं की मूर्तियां हैं। ये मंदिर पहाड़ियों को काटकर बनाये गए हैं। यहां भगवान शंकर की त्रिमूर्ति प्रतिमा सबसे आकर्षक है। यह मूर्ति 23 या 24 फीट लम्बी तथा 17 फीट ऊंची है। इस मूर्ति में भगवान शंकर के तीन रूपों का चित्रण किया गया है। इस मूर्ति में शंकर भगवान के मुख पर अपूर्व गम्भीरता दिखती है।

11. महान जीवित चोल मंदिर : 1987 तमिलनाडु

महान जीवित चोल मन्दिर (Great Living Chola Temples) भारत के तमिलनाडु राज्य में चोल साम्राज्य काल के कुछ हिन्दू मन्दिरों की सूची है, जिन्हें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। यह 11वीं और 12वीं शताब्दी में निर्मित हुए थे।

12. पत्तदकल में स्मारकों का समूह : 1987 कर्नाटक

पत्तदकल (Pattadakal), जिसे रक्तपुर (Raktapura) कहा जाता था, भारत के कर्नाटक राज्य के बागलकोट जिले में मलप्रभा नदी के तट पर स्थित एक ऐतिहासिक गांव है, जो अपने यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के लिए प्रसिद्ध है। यहां चालुक्य राजवंश द्वारा 7वीं और 8वीं शताब्दी में बने नौ हिन्दू और एक जैन मन्दिर हैं।

13. शांतिनिकेतन : 2023 पश्चिम बंगाल

शान्तिनिकेतन भारत के पश्चिम बंगाल प्रदेश में वीरभूम जिले के अंतर्गत बोलपुर के समीप छोटा-सा शहर है। यह कोलकाता से लगभग 100 कि.मी. उत्तर की ओर स्थित है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित कवि श्री रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा विश्व-भारती विश्वविद्यालय की स्थापना के कारण यह नगर प्रसिद्ध हो गया। यह स्थान पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि टैगोर ने यहां कई कालजयी साहित्यिक कृतियों का सृजन किया। उनका घर ऐतिहासिक महत्व की इमारत है।

श्री रवीन्द्रनाथ के पिता श्री देवेंद्रनाथ टैगोर ने वर्ष 1863 में सात एकड़ जमीन पर एक आश्रम की स्थापना की थी। वहीं आज विश्वभारती है। श्री रवीन्द्रनाथ ने 1901 में सिर्फ पांच छात्रों को लेकर यहां एक स्कूल खोला। इन पांच लोगों में उनका अपना पुत्र भी शामिल था। 1921 में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा पाने वाले विश्वभारती में इस समय लगभग छह हजार छात्र पढ़ते हैं। इसी के इर्द-गिर्द शांति निकेतन बसा था।

14. भारत की पर्वतीय रेलवे 1999 पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश

भारत की पर्वतीय रेल नैरो-गेज रेलवे लाइनें हैं जो भारत के पहाड़ों में बनाई गई थीं। उनमें से तीन, दार्जिलिंग हिमालयी रेल, नीलगिरि पर्वतीय रेल और कालका-शिमला रेलवे को सामूहिक रूप से "भारत की पर्वतीय रेल" के नाम से यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया है। चौथा रेलवे, माथेरान हिल रेल, यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में है। चारों नैरो-गेज रेलवे हैं, और नीलगिरि माउंटेन रेलवे भी भारत में एकमात्र रैक रेलवे है।

15. हुमायूं का मकबरा, दिल्ली 1993 दिल्ली

हुमायूं का मकबरा इमारत परिसर मुगल वास्तुकला से प्रेरित मकबरा स्मारक है। यह

नई दिल्ली के दीनापनाह अर्थात् पुराने किले के निकट निज़ामुद्दीन पूर्व क्षेत्र में मथुरा मार्ग के निकट स्थित है। यहां मुख्य इमारत मुगल सम्राट हुमायूं का मकबरा है और इसमें हुमायूं की कब्र सहित कई अन्य राजसी लोगों की भी कब्रें हैं। यह समूह विश्व धरोहर घोषित है एवं भारत में मुगल वास्तुकला का प्रथम उदाहरण है। इस मक़बरे में की चारबाग शैली है।

16. कुतुब मीनार और स्मारक, दिल्ली : 1993 दिल्ली

कुतुब मीनार भारत में दक्षिण दिल्ली के महरौली भाग में स्थित, ईंट से बनी विश्व की सबसे ऊंची मीनार है। यह दिल्ली का एक प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल है। इसमें 379 सीढ़ियां हैं। मीनार के चारों ओर बने अहाते में भारतीय कला के कई उत्कृष्ट नमूने हैं, जिनमें से अनेक इसके निर्माण काल सन 1193 के हैं। इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर के रूप में स्वीकृत किया गया है।

17. बोधगया में महाबोधि मंदिर परिसर 2002 बिहार

महाबोधि विहार या महाबोधि मन्दिर, बोध गया स्थित प्रसिद्ध बौद्ध विहार है।

यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर घोषित किया है। यह विहार उसी स्थान पर खड़ा है जहां गौतम बुद्ध ने ईसा पूर्व 6वीं शताब्दी में ज्ञान प्राप्त किया था।

18. चंपानेर-पावागढ़ पुरातत्व पार्क 2004 गुजरात

चंपानेर-पावागढ़ पुरातात्विक उद्यान यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, जो कि भारत में स्थित है। इसे इस सूची में सन 2004 में सम्मिलित किया गया था। यहां वृहत स्तर पर उत्खनित पुरातात्विक, ऐतिहासिक एवं जीवित सांस्कृतिक धरोहर सम्पत्ति की बहुतायत है, जो कि एक प्रभावशाली भूखण्ड में सिमटी हुई है। इसमें प्रागैतिहासिक चैकोलिथिक स्थल, एक प्राचीन हिन्दू राज्य की राजधानी का एक महल व किला और गुजरात प्रदेश की राजधानी के अवशेष हैं।

19. छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (पूर्व में विक्टोरिया टर्मिनस) 2004 महाराष्ट्र

मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, पूर्व में जिसे विक्टोरिया टर्मिनस कहा जाता था, यह भारत की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई का एक ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन है जो मध्य रेलवे, भारत का मुख्यालय भी है। यह भारत के व्यस्ततम स्टेशनों में से एक है, जहां मध्य रेलवे की मुंबई में और मुंबई उपनगरीय रेलवे की मुंबई में समाप्त होने वाली रेलगाड़ियां रुकती और यात्रा पूर्ण करती हैं।

20. लाल किला परिसर, 2007 दिल्ली

लाल किला, ऐतिहासिक, क़िलेबंद, पुरानी दिल्ली के इलाके में स्थित, लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है।

21. जंतर मंतर 2010, जयपुर

जयपुर का जन्तर मन्तर सवाई जयसिंह द्वारा 1724 से 1734 के बीच निर्मित एक खगोलीय वेधशाला है। यह यूनेस्को के 'विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित है। इस वेधशाला में 14 प्रमुख यन्त्र हैं जो समय मापने, ग्रहण की भविष्यवाणी करने, किसी तारे की गति एवं स्थिति जानने, सौर मण्डल के ग्रहों की दिशा जानने आदि में सहायक हैं।

22. राजस्थान के पहाड़ी किले 2013 राजस्थान

राजस्थान के छह पहाड़ी दुर्ग यूनेस्को के विश्व धरोहर में शामिल हैं। वे दुर्ग हैं -

- चित्तौड़गढ़ का चित्तौड़गढ़ दुर्ग
- कुम्भलगढ़ का कुम्भलगढ़ दुर्ग
- सवाई माधोपुर का रणथंभोर दुर्ग
- झालावाड़ का गागरौन दुर्ग
- जयपुर का आमेर दुर्ग
- जैसलमेर का जैसलमेर दुर्ग

ये दुर्ग 8वीं से 18वीं सदी तक चले राजपूत शासन का प्रतीक हैं। इनमें से कई दुर्ग 20 किलोमीटर तक की तटबंदी रखते हैं।

23. रानी की वाव (रानी की बावड़ी) 2014 गुजरात

रानी की वाव भारत के गुजरात राज्य के पाटण में स्थित प्रसिद्ध बावड़ी (सीढ़ीदार कुआं) है। इसके चित्र को जुलाई 2018 में RBI (भारतीय रिज़र्व बैंक) द्वारा 100 के नोट पर चित्रित किया गया है तथा 22 जून 2014 को इसे यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल में सम्मिलित किया गया। पाटण को पहले 'अन्हिलपुर' के नाम से जाना जाता था, जो गुजरात की पूर्व राजधानी थी।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विश्व टेलीविज़न दिवस - 21 नवम्बर

ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन का सरल और सहज माध्यम

टेलीविज़न ने समूची दुनिया के जीवन में बड़ा परिवर्तन किया है। टेलीविज़न के माध्यम से हमें ज्ञान, शिक्षा, मनोरंजन, जानकारियां सभी कुछ प्राप्त हो रही हैं। घर बैठे हम विश्व की स्थिति, घटनाक्रम, देश दुनिया की उथल-पुथल और मौसम का हाल सभी कुछ जान लेते हैं। कुल मिलाकर सारी दुनिया की स्थिति-परिस्थिति टेलीविज़न के माध्यम से हमारे घर संसार तक पहुंच गयी है। इसने भौगोलिक सीमा को समाप्त कर दिया है। टेलीविज़न की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसने अशिक्षा की बाधा को पाट दिया है। ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन का यह एक ऐसा सहज पहुंच वाला माध्यम है जिसमें अक्षर ज्ञान के बिना भी हम विश्वज्ञान को टेलीविज़न के माध्यम से समझ सकते हैं। दुनिया की राजनीतिक हलचल की जानकारी अब विश्व के हर जन को है। टेलीविज़न ने समूची दुनिया को घर-घर तक पहुंचा दिया है। टेलीविज़न ने दुनिया को शिक्षित किया है, समझ विकसित की है, देश-दुनिया के घटनाक्रम से जोड़ा है, खेल प्रतिभा को जागृत किया है। राष्ट्र प्रेम को जागृत किया है। दूरदर्शन के माध्यम से ही कुछ प्रतिशत को छोड़कर ज्यादातर लोग अपनी परंपरा, अपना इतिहास, वर्षों के संघर्ष, शौर्य पराक्रम से परिचित हुए हैं। इससे समाज में राष्ट्रीयता का भाव विकसित हुआ है। कई बार ऐसे मौके आए हैं जब टेलीविज़न के धारावाहिक इतने लोकप्रिय हुए हैं कि लोग धारावाहिक के समय में घर से बाहर नहीं निकलते थे, सड़कों पर सन्नाटा रहता था। टेलीविज़न के प्रभाव का यह श्रेष्ठ उदाहरण है।

टेलीविज़न की उपयोगिता और महत्व इतना ज्यादा है कि यह घर के ड्राइंगरूम से निकलकर सफर करते समय गाडियों, कार हर जगह पहुंच गया है। विश्व में क्या घटा, क्या हुआ यह सत्यापित करने के लिए सबसे पहले टेलीविज़न की बटन दबाई जाती है। टेलीविज़न विश्व को मिला वह उपहार है जिसने जीवन की गति और समझ सैकड़ों गुना कर दी है। विश्व विकास में टेलीविज़न का बहुत बड़ा योगदान है। टेलीविज़न की महत्ता को जानने समझने और पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से ही 21 नवम्बर को विश्व टेलीविज़न दिवस मनाया जाता है।

विश्व टेलीविज़न दिवस का इतिहास

टेलीविज़न के आने से मनुष्य का जीवन आसान हो गया है। यह एक ऐसा मास मीडिया (जन माध्यम) है जिसमें ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन के जरिए

शिक्षा, मनोरंजन समाचार, राजनीति और जानकारियां सभी कुछ एक जगह बैठे-बैठे प्राप्त हो जाती हैं। टेलीविज़न के महत्व को और विस्तारित करने के उद्देश्य से विश्व टेलीविज़न दिवस का आयोजन किया जाता है।

नवम्बर 1996 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने पहले वर्ल्ड टेलीविज़न फोरम का आयोजन किया। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर टेलीविज़न के महत्व की चर्चा की गई। एक प्रस्ताव पारित कर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर वर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविज़न दिवस मनाने का निर्णय लिया। तभी से 21 नवम्बर को विश्व टेलीविज़न दिवस मनाया जाता है। इस दिन टेलीविज़न को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए वैश्विक स्तर पर बैठकें तथा अन्य आयोजन किया जाते हैं।

टेलीविज़न का इतिहास

स्कॉटिश इंजीनियर, जॉन लोगी बेयर्ड ने वर्ष 1924 में टेलीविज़न का अविष्कार किया। इसके पश्चात् वर्ष 1927 में फिलो फार्न्सवर्थ ने पहले वर्किंग टेलीविज़न का निर्माण किया था। इसकी जानकारी उन्होंने एक सितम्बर 1928 को सार्वजनिक की। जॉन लोगी बेयर्ड ने वर्ष 1928 में कलर टेलीविज़न का आविष्कार किया, इसकी पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग 1940 से शुरू हुई थी।

भारत में टेलीविज़न

भारत में टेलीविज़न की शुरुआत 15 सितम्बर 1959 में हुई थी। पहले सीमित संसाधन और तकनीकी कारणों से इसका प्रसारण कुछ देर के लिए ही किया जाता था। बाद में सैटेलाइट की वैज्ञानिक प्रगति के साथ टेलीविज़न का 24 घंटे प्रसारण होने लगा। अब तो चौबीस घंटे, दिन-रात यहां सैकड़ों चैनल उपलब्ध हैं।

टेलीविज़न की प्रगति

टेलीविज़न की प्रगति तकनीकी तथा भौतिक दोनों स्तर पर हुई। इसकी शुरुआत ब्लैक एण्ड व्हाईट से हुई थी। संरचना में टेलीविज़न भारी भरकम हुआ करते थे। वर्तमान में इसका आकार स्लिम हो गया है। इसे कहीं भी लटका कर देखा जा सकता है। तकनीकी दृष्टि से देखें तो निरंतर खोजों ने इसकी प्रस्तुति को रंगीन और आकर्षक किया है। यही नहीं अब तो इसकी प्रस्तुति में इंटेलिजेंस का उपयोग कर ए.आई. एंकर भी आ गयी हैं। जिनकी प्रस्तुतियों को देखकर यह अंदाज लगाना मुश्किल है कि यह वास्तविक मानव है या मशीन।

यह टेलीविज़न के अविष्कार और प्रगति का बेहतर परिणाम है। यह शिक्षा और मनोरंजन का सबसे जरूरी माध्यम है। टेलीविज़न एक ऐसा साधन है जिससे हम शिक्षित होते हैं, सूचनाएं तथा जानकारी प्राप्त करते हैं, और घर बैठे मनोरंजन भी करते हैं। वर्तमान में शिक्षा और मनोरंजन का यह सबसे जरूरी माध्यम है। सूचना क्रांति में टेलीविज़न का अतुलनीय योगदान है। टेलीविज़न ने समाज में जनसंचार की भावना को विकसित किया है। टेलीविज़न ने सामाजिकता और समूहिकता के भाव के विकास के साथ हमारे जीवन को बेहतरीन बना दिया है।

- हितेश शर्मा
(लेखक सम-सामायिक विषयों पर लेखन करते हैं)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

यह वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी तथा 27 मीटर गहरी है। यह भारत में अपनी तरह की अनूठा वाव है।

24. नालंदा में महावीर का पुरातात्विक स्थल 2016 बिहार

नालंदा प्राचीन भारत में उच्च शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विख्यात केन्द्र था। सर अलेक्जेंडर कनिंघम द्वारा खोजे गए इस महान बौद्ध विश्वविद्यालय के भग्नावशेष इसके प्राचीन वैभव का परिचय कराते हैं। अनेक पुराभिलेखों और सातवीं शताब्दी में भारत के इतिहास को पढ़ने आये चीनी यात्री ह्वेनसांग तथा इत्सिंग के यात्रा विवरणों से इस विश्वविद्यालय के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

25. ले कोर्बुज़िए का वास्तुशिल्प कार्य, आधुनिक आंदोलन में एक उत्कृष्ट योगदान : 2016 चंडीगढ़

चार्ल्स एदुआर् जिआन्नेरे-ग्रि, जो खुद को ली कोर्बुज़िए कहलाना पसंद करते थे (6 अक्टूबर 1887 – 27 अगस्त 1965), एक स्विस-फ्रांसीसी आर्किटेक्ट, रचनाकार, नगरवादी, लेखक व रंगकार, थे और एक नई विधा के अग्रणी थे, जिसे आजकल आधुनिक आर्किटेक्चर या अंतर्राष्ट्रीय शैली कहा जाता है। इनका जन्म स्विट्ज़लैंड में हुआ था, लेकिन 30 वर्ष की आयु के बाद वे फ्रांसीसी नागरिक बन गए।

26. अहमदाबाद का ऐतिहासिक शहर : 2017 गुजरात

अहमदाबाद का ऐतिहासिक नगर या पुराना अहमदाबाद, भारत के गुजरात राज्य के अहमदाबाद नगर का ही एक भाग है। 11वीं शताब्दी के आस पास अहमदाबाद आशावल के नाम से जाना जाता था, उस समय राजा आशा भील का शासन था। वैसे आधुनिक शहर की स्थापना अहमद शाह प्रथम ने 1411 में गुजरात सल्तनत के रूप

में की थी। तब से यह गुजरात सल्तनत की एवं कालान्तर के महत्वपूर्ण राजनैतिक एवं गुजरात के वाणिज्यिक केन्द्र की राजधानी बना रहा। वर्तमान में भी घना एवं संकुल होने के बाद भी आधुनिक अहमदाबाद नगर का हृदय केन्द्र बना हुआ है। इसे जुलाई 2017 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।

27. मुंबई के विक्टोरियन गोथिक और आर्ट डेको एन्सेम्बल 2018 महाराष्ट्र

सार्वजनिक भवनों और 20वीं सदी के आर्ट डेको भवनों का एक संग्रह है जो भारत के महाराष्ट्र में मुंबई के फोर्ट इलाके में है। इमारतों का यह समूह 30 जून 2018 को मनामा, बहरीन में विश्व धरोहर समिति के 42वें सत्र के दौरान विश्व धरोहर स्थलों की सूची में जोड़ा गया था।

28. जयपुर शहर 2019 राजस्थान

जयपुर एक ऐतिहासिक दीवारों वाला शहर, जिसकी स्थापना 1727 में महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय ने की थी।

29. काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर 2021 तेलंगाना

काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर, वारंगल तेलंगाना; यह मंदिर काकतीय वंश के राजा प्रताप रुद्रदेव ने बनवाया था तथा इसके वास्तुकार रामप्पा थे, 25 जुलाई, 2021 को तेलंगाना राज्य के मुलुगु जिले के पालमपेट गांव में अवस्थित इस मंदिर को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने की घोषणा की गई।

30. धोलावीरा, एक हड़प्पा शहर 2021 गुजरात

धोलावीरा भारत के गुजरात राज्य के कच्छ ज़िले की भचाऊ तालुका में स्थित

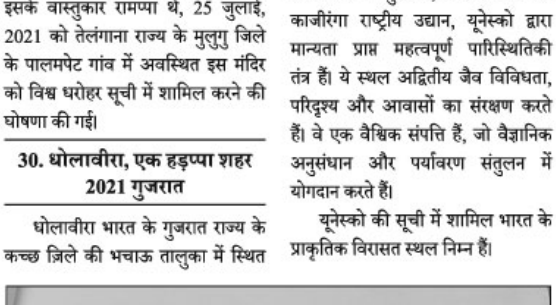

एक पुरातत्व स्थल है। इसका नाम यहां से एक किमी दक्षिण में स्थित ग्राम पर पड़ा है, जो राधनपुर से 165 किमी दूर स्थित है। धोलावीरा में सिन्धु घाटी सभ्यता के अवशेष और खण्डहर मिलते हैं और यह उस सभ्यता के सबसे बड़े ज्ञात नगरों में से एक था। भौगोलिक रूप से यह कच्छ के रण पर विस्तारित कच्छ मरुभूमि वन्य अभयारण्य के भीतर खादिरबेट द्वीप पर स्थित है।

31. होयसला के पवित्र समूह 2023 कर्नाटक

भारत में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में नवीनतम शामिल, तीन मंदिरों का निर्माण 12वीं और 13वीं शताब्दी में किया गया था।

भारत में प्राकृतिक विरासत स्थल

भारत में प्राकृतिक विरासत स्थल, जैसे भारत के सुंदरवन, पश्चिमी घाट और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र हैं। ये स्थल अद्वितीय जैव विविधता, परिदृश्य और आवासों का संरक्षण करते हैं। वे एक वैश्विक संपत्ति हैं, जो वैज्ञानिक अनुसंधान और पर्यावरण संतुलन में योगदान करते हैं।

यूनेस्को की सूची में शामिल भारत के प्राकृतिक विरासत स्थल निम्न हैं।

1. सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान, 1987 पश्चिम बंगाल।
2. पश्चिमी घाट, 2012 केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात।
3. नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, 1988 उत्तराखंड।
4. मानस वन्यजीव अभयारण्य, 1985 असम।
5. ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क, 2014
6. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, 1985 राजस्थान।
7. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, 1985 असम हिमाचल प्रदेश।

भारत में मिश्रित विरासत स्थल

भारत में मिश्रित विरासत स्थल सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों महत्व प्रदर्शित करते हैं। जबकि भारत अब तक एक मिश्रित विरासत स्थल का घर है, कई अन्य स्थल नामांकन के लिए विचाराधीन अस्थायी सूची में हैं। इनमें लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान और मणिपुर के केइबुल लामजाओ संरक्षण क्षेत्र शामिल हैं।

यूनेस्को द्वारा सूचीबद्ध भारत का एक मिश्रित विरासत स्थल :

1. कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान, 2016 सिक्किम

कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान

सिक्किम में स्थित कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान अपने लुभावने हिमालयी परिदृश्य के लिए जाना जाता है। इसमें प्राचीन वन, हिमनदी झीलें और दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी माउंट खंगचेंदज़ोंगा शामिल हैं। यह पार्क हिम तेंदुए और लाल पांडा सहित दुर्लभ वन्यजीवों के लिए एक अभयारण्य है।

अभी 2023 में दो स्मारक विश्व धरोहर की श्रेणी में यूनेस्को द्वारा जोड़े गये हैं एक असम से और दूसरा साउथ से है।

नोट - खजुराहो, सांची एवं भीमबैठका का विवरण पिछले अंक में दिया गया है अतः इस अंक में यहां विवरण नहीं दिया जा रहा है।

- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
(लेखक- पुरातत्व सलाहकार, म.प्र. पर्यटन बोर्ड, भोपाल से संबद्ध है)

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी

प्रश्न 1. 'देव और बिहारी' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
(अ) लाला भगवानदीन
(ब) कृष्णबिहारी मिश्र
(स) विश्वनाथप्रसाद मिश्र
(द) महावीरप्रसाद द्विवेदी
उत्तर - (ब) कृष्णबिहारी मिश्र

प्रश्न 2. 'समालोचनादर्श' के रचनाकार कौन हैं?
(अ) आचार्य रामचनद्र शुक्ल
(ब) बाबू जगन्नाथदास रत्नाकर
(स) जयशंकर प्रसाद
(द) महावीरप्रसाद द्विवेदी
उत्तर - (ब) बाबू जगन्नाथदास रत्नाकर

प्रश्न 3. 'साहित्यालोचन' कृति के रचयिता कौन हैं?
(अ) रामचन्द्र शुक्ल
(ब) नन्द दुलारे वाजपेयी
(स) जगन्नाथदास रत्नाकर
(द) बाबू श्याम सुंदर दास
उत्तर - (द) बाबू श्याम सुंदर दास

प्रश्न 4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल किस प्रकार के आलोचक हैं?
(अ) रसवादी
(ब) अलंकारवादी
(स) ध्वनिवादी
(द) कोई नहीं
उत्तर - (अ) रसवादी

प्रश्न 5. 'छायावाद' नामक ग्रंथ इनमें से किसने लिखा है?
(अ) नन्ददुलारे वाजपेयी
(ब) डॉ. नागेन्द्र
(स) डॉ. नामवर सिंह
(द) सुमित्रानन्दन पंत
उत्तर - (स) डॉ. नामवर सिंह

प्रश्न 6. हिन्दी का पहला आत्मकथा लेखक कौन है?
(अ) वियोगी हरि
(ब) बनारसीदास जैन
(स) बनारसीदास चतुर्वेदी
(द) उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
उत्तर - (ब) बनारसीदास जैन

प्रश्न 7. 'क्षण बोले कण मुस्काए' के रचनाकार इनमें से कौन है?
(अ) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
(ब) हरिशंकर परसाई
(स) उपेन्द्रनाथ अश्क
(द) प्रकाशचन्द्र गुप्त
उत्तर - (अ) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

प्रश्न 8. 'तूफानों के बीच' किस विधा की रचना है?
(अ) रिपोतार्ज
(ब) संस्मरण
(स) आत्मकथा
(द) यात्रा वृत्तांत
उत्तर - (अ) रिपोतार्ज

प्रश्न 9. इनमें से रेखाचित्र विधा की सर्वनाम रचना कौन-सी है?
(अ) स्मृति की रेखाएं
(ब) हमारे आराध्य
(स) पद्म पराग
(द) माटी की मूरतें
उत्तर - (स) पद्म पराग

प्रश्न 10. प्रेमचन्द की जीवनी किस नाम से लिखी गई है?
(अ) कलम का मजदूर
(ब) कलम का सिपाही
(स) दुर्दान्त योद्धा
(द) आवारा मसीहा
उत्तर - (ब) कलम का सिपाही

प्रश्न 11. 'क्या भूलूं क्या याद करूं' किस विधा की रचना है?
(अ) कविता
(ब) संस्मरण
(स) रेखाचित्र
(द) आत्मकथा
उत्तर - (द) आत्मकथा

प्रश्न 12. 'रसीदी टिकट' इनमें से किसकी आत्मकथा है?
(अ) खुशवंत सिंह
(ब) अमृतराय
(स) अमृता प्रीतम
(द) वियोगी हरि
उत्तर - (स) अमृता प्रीतम

प्रश्न 13. चीड़ों पर चांदनी के रचनाकार कौन हैं?
(अ) यशपाल
(ब) डॉ. रघुवंश
(स) निर्मल वर्मा
(द) डॉ. नागेन्द्र
उत्तर - (स) निर्मल वर्मा

प्रश्न 14. हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ यात्रावृत्त लेखक किसे माना जाता है?
(अ) रांगेय राघव
(ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) अज्ञेय
(द) यशपाल
उत्तर - (ब) राहुल सांकृत्यायन

प्रश्न 15. 'मेरी लद्दाख यात्रा' और 'मेरी तिब्बत यात्रा' नामक पुस्तकों के लेखक कौन हैं?
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ब) रांगेय राघव
(स) राहुल सांकृत्यायन
(द) मोहन राकेश
उत्तर - (स) राहुल सांकृत्यायन

प्रश्न 16. 'तूफानों के बीच' नामक रिपोर्ताज के लेखक कौन हैं?
(अ) रांगेय राघव
(ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) शिवदान सिंह चौहान
(द) धर्मवीर भारती
उत्तर - (अ) रांगेय राघव

प्रश्न 17. 'आखिरी चट्टान तक' नामक यात्रावृत्त के लेखक कौन हैं?
(अ) धर्मवीर भारती
(ब) विनयमोहन शर्मा
(स) मोहन राकेश
(द) अमरकांत
उत्तर - (स) मोहन राकेश

प्रश्न 18. 'अरे यायावर रहेगा याद' किसकी कृति है?
(अ) डॉ. नागेन्द्र
(ब) रामधारी सिंह दिनकर
(स) अज्ञेय
(द) शमशेर बहादुर सिंह
उत्तर - (स) अज्ञेय

प्रश्न 19. 'घुमक्कड़ शास्त्र' के लेखक कौन हैं?
(अ) यशपाल
(ब) प्रेमचन्द
(स) राहुल सांकृत्यायन
(द) अज्ञेय
उत्तर - (स) राहुल सांकृत्यायन

प्रश्न 20. 'सूरज की अंतिम किरण से सूरज की पहली किरण तक' किसकी रचना है?
(अ) मोहन राकेश
(ब) मणि मधुकर
(स) विपिन अग्रवाल
(द) सुरेन्द्र वर्मा
उत्तर - (द) सुरेन्द्र वर्मा

प्रश्न 21. 'क्या गोरी क्या सांवरी' किस विधा की रचना है?
(अ) उपन्यास
(ब) कहानी
(स) जीवनी
(द) रेखाचित्र
उत्तर - (द) रेखाचित्र

प्रश्न 22. सेतुबंध किसकी रचना है?
(अ) प्रो. प्रकाशचन्द्र गुप्त
(ब) बनारसीदास चतुर्वेदी
(स) डॉ. नागेन्द्र
(द) विष्णु प्रभाकर
उत्तर - (ब) बनारसीदास चतुर्वेदी

प्रश्न 23. 'भोलाराम का जीव' किस विधा की रचना है?
(अ) निबंध
(ब) रेखाचित्र
(स) संस्मरण
(द) व्यंग्य
उत्तर - (द) व्यंग्य

प्रश्न 24. 'विकलांग श्रद्धा का दौर' किस विधा की रचना है?
(अ) आत्मकथा
(ब) रिपोर्ताज
(स) हास्य-व्यंग्य
(द) डायरी
उत्तर - (स) हास्य-व्यंग्य

प्रश्न 25. निम्नलिखित पद में कौन सा अलंकार होगा?
''या स्वप्न या मति भ्रम, माया कि हाय छल था,
या दृश्यमान मेरा वह अल्प पुण्य-फल था?
(अ) भ्रांतिमान
(ब) सन्देह
(स) उल्लेख
(द) दृष्टान्त
उत्तर - (ब) सन्देह अलंकार

प्रश्न 26. ''पागल, प्रेमी और कवि तीनों कल्पना से ओत प्रोत रहते हैं'' प्रसिद्ध कथन किसका है?
(अ) शेक्सपीयर
(ब) बर्नार्ड शा
(स) मिल्टन
(द) पोप
उत्तर - (अ) शेक्सपीयर

प्रश्न 27. जासूसी उपन्यासों की नींव किस उपन्यासकार ने डाली?
(अ) हरिकृष्ण जौहर
(ब) गोपालराम गहमरी
(स) जी.पी. श्रीवास्तव
(द) बृजनंदन सहाय
उत्तर - (ब) गोपालराम गहमरी

प्रश्न 28. 'चन्द हसीनों के खतूत' के लेखक हैं?
(अ) पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र
(ब) इलाचन्द्र जोशी
(स) अनूपलाल मण्डल
(द) श्रीनाथ सिंह
उत्तर - (अ) पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र

प्रश्न 29. इलाचन्द्र जोशी द्वारा रचित 'जहाज का पंछी' किस कोटि का उपन्यास है?
(अ) घटनाप्रधान
(ब) आत्मकथात्मक
(स) चरित्रप्रधान
(द) जासूसी
उत्तर - (ब) आत्मकथात्मक

प्रश्न 30. 'शेखर : एक जीवनी' नामक उपन्यास के लेखक हैं?
(अ) प्रभाकर माचवे
(ब) नागार्जुन
(स) अज्ञेय
(द) इलाचन्द्र जोशी
उत्तर - (स) अज्ञेय

प्रश्न 31. 'कब तक पुकारूँ' के लेखक हैं?
(अ) रामदरश मिश्र
(ब) उदयशंकर भट्ट
(स) रांगेय राघव
(द) कृष्ण चन्द्र
उत्तर - (स) रांगेय राघव

प्रश्न 32. 'ठेठ हिन्दी का ठाठ' के लेखक हैं?
(अ) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(ब) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(स) नरेन्द्र कोहली
(द) अमृतलाल नागर
उत्तर - (अ) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

प्रश्न 33. हिन्दी की पहली मौलिक कहानियां किस पत्र/पत्रिका में प्रकाशित हुई?
(अ) माधुरी
(ब) सरस्वती
(स) हिन्दी प्रदीप
(द) सुदर्शन
उत्तर - (ब) सरस्वती

प्रश्न 34. 'यारों के यार' कहानी की लेखिका हैं?
(अ) आभा
(ब) कृष्णा सोबती
(स) शान्ति मेहरोत्रा
(द) मन्जु श्री
उत्तर - (ब) कृष्णा सोबती

प्रश्न 35. 'समान्तर कहानी' नामक कहानी आंदोलन के प्रवर्तक हैं?
(अ) कमलेश्वर
(ब) हिमांशु जोशी
(स) मोहन राकेश
(द) मन्मथनाथ गुप्त
उत्तर - (अ) कमलेश्वर

प्रश्न 36. प्रसिद्ध 'नाट्य शास्त्र' कृति के लेखक हैं?
(अ) कोहल
(ब) श्री कण्ठ
(स) भरतमुनि
(द) विश्वनाथ
उत्तर - (स) भरतमुनि

प्रश्न 37. हिन्दी रंगमंच के जन्मदाता हैं?
(अ) बालकृष्ण भट्ट
(ब) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(स) श्रीनिवासदास
(द) राधाशरण
उत्तर - (ब) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

प्रश्न 38. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक मोहन राकेश ने लिखा है?
(अ) लहरों के राजहंस
(ब) पगध्वनि
(स) अवसान
(द) अलग-अलग रास्ते
उत्तर - (अ) लहरों के राजहंस

प्रश्न 39. हिन्दी के अनेक विद्वानों ने किसे हिन्दी का पहला एकांकी माना है?
(अ) विषस्य विषमौषधम्
(ब) एक घूंट
(स) बादल की मृत्यु
(द) आकाशदीप
उत्तर - (ब) एक घूंट

प्रश्न 40. प्रथम स्वतंत्र निबंध के रूप में किसे हिन्दी का पहला मौलिक निबंध माना जाता है?
(अ) राजा भोज का सपना
(ब) आलसियों का कीड़ा
(स) विद्यांकुर
(द) पांचवे पैगम्बर
उत्तर - (अ) राजा भोज का सपना

प्रश्न 41. 'चाबुक' किसका निबंध-संग्रह है?
(अ) सुमित्रानन्दन पंत
(ब) महादेवी वर्मा
(स) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(द) श्रीराम शर्मा
उत्तर - (स) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

प्रश्न 42. हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत 'पुनर्नवा' नामक उपन्यास का नायक है?
(अ) चन्द्रगुप्त
(ब) गोपाल
(स) भर्टाक
(द) आर्यक
उत्तर - (द) आर्यक

प्रश्न 43. हिन्दी आलोचना के प्रथम आधार स्तम्भ हैं?
(अ) बाल कृष्ण भट्ट
(ब) भारतेन्द्र हरिश्चन्द्र
(स) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(द) रामचन्द्र शुक्ल
उत्तर - (स) महावीर प्रसाद द्विवेदी

प्रश्न 44. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपने ग्रंथ 'त्रिवेणी' में किन तीन महाकवियों की समीक्षा प्रस्तुत की है?
(अ) सूर, तुलसी, जायसी
(ब) कबीर, केशव, बिहारी
(स) कबीर, सूर, तुलसी
(द) प्रसाद, पंत, निराला
उत्तर - (अ) सूर, तुलसी, जायसी

प्रश्न 45. निम्नलिखित में से किसे आलोचक-सम्राट कहा जाता है?
(अ) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(ब) रामचन्द्र शुक्ल
(स) नन्द दुलारे वाजपेयी
(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर - (ब) रामचन्द्र शुक्ल

प्रश्न 46. रेखाचित्र विधा के जनक माने जाते हैं?
(अ) श्रीराम शर्मा
(ब) पद्मसिंह शर्मा
(स) बनारसीदास चतुर्वेदी
(द) रामवृक्ष बेनीपुरी
उत्तर - (ब) पद्मसिंह शर्मा

प्रश्न 47. चंद्रकांता उपन्यास के लेखक हैं -
(अ) देवकीनंदन खत्री
(ब) बाबू गुलाब राय
(स) कन्हैयालाल मिश्र
(द) महावीर प्रसाद द्विवेदी
उत्तर - (अ) देवकीनंदन खत्री

प्रश्न 48. हिन्दी की पहली आत्म कथात्मक कृति का नाम है?
(अ) निज वृत्तांत
(ब) अर्द्धकथा
(स) कल्याण पथ का पथिक
(द) कुछ आप बीती, कुछ जग बीती
उत्तर - (ब) अर्द्धकथा

प्रश्न 49. विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखित 'आवारा मसीहा' नामक जीवनी में किसके जीवन को प्रस्तुत किया गया है?
(अ) प्रेमचन्द
(ब) शरतचन्द चट्टोपाध्याय
(स) अज्ञेय
(द) अमृतराय
उत्तर - (ब) शरतचन्द चट्टोपाध्याय

प्रश्न 50. 'रिपोर्ताज' किस भाषा का शब्द है?
(अ) अंग्रेजी
(ब) हिन्दी
(स) फ्रांसीसी
(द) जर्मन
उत्तर - (स) फ्रांसीसी

- डॉ. राममनोहर उपाध्याय
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

अर्थशास्त्र

1. मांग का महत्वपूर्ण तत्व कौनसा/ से हैं?
अ. आवश्यकता या प्रभावी इच्छा।
ब. निश्चित समयावधि।
स. निश्चित कीमत।
द. उपरोक्त सभी।
उत्तर- द. उपरोक्त सभी।
व्याख्या- इन तीनों के अतिरिक्त प्रभावपूर्ण इच्छा को मांग बनने के लिये वस्तु के क्रय हेतु साधनों की उपब्धता तथा इसे व्यय करने की इच्छा भी होना आवश्यक है।

2. मांग के नियम की प्रमुख मान्यतायें कौनसी हैं?
अ. उपभोक्ता की आय स्थिर रहती है।
ब. अन्य संबंधित वस्तुओं की कीमतें स्थिर रहती हैं।
स. समय व परिस्थिति समान रहती है।
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- द. उपरोक्त सभी
व्याख्या- इसके अलावा उपभोक्ता के भाव तथा उपभोग आदतों में भी परिवर्तन नहीं होना चाहिये।

3. निम्न में से कौनसा उदाहरण संयुक्त मांग का है?
अ. पेन और स्याही
ब. स्कूटर व मोटर साइकिल
स. घी एवं मक्खन
द. पत्रिका एवं अखबार
उत्तर- अ. पेन और स्याही
व्याख्या- संयुक्त मांग वह होती है, जिनकी मांग एक साथ की जाती है, जैसे अगर पेन चलाना है तो स्याही की मांग भी होगी।

4. निम्न में से कौनसी वस्तु की मांग बेलोच होगी?
अ. कार ब. नमक
स. घी द. तेल
उत्तर- ब. नमक
व्याख्या- बेलोच वस्तुयें जीवन के लिये अनिर्वाय होती हैं। कीमत में होने वाले परिवर्तनों से इनकी मांग पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

5. यदि 'अ' वस्तु की मांग बढ़ने से 'ब' वस्तु की मांग भी बढ़ जाये तो दोनों वस्तुयें एक दूसरे की हैं--
अ. पूरक ब. प्रतिस्थापन
स. निकृष्ट द. उत्कृष्ट
उत्तर- अ. पूरक

6. एक वस्तु की मांग निर्धारित होती है?
अ. स्वतंत्र दरों से
ब. परतंत्र दरों से
स. आनुपातिक दरों से
द. स्थिर दरों से
उत्तर- ब. परतंत्र दरों से
व्याख्या- वस्तु की मांग उसकी कीमत, समय, आय आदि दरों से प्रभावित होती है।

7. मांग की लोच की धारणा का प्रतिपादन किसने किया?
अ. मार्शल ब. एडम स्मिथ
स. पीगू द. कीन्स
उत्तर- अ. मार्शल

8. वह सूची जो विभिन्न कीमतों पर वस्तु की मांगी जाने वाली विभिन्न मात्राओं को प्रदर्शित करती है, कहलाती हैं?
अ. आय सूची
ब. मांग सूची
स. व्यय सूची
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. आय सूची

9. एक वस्तु विशेष की अमुक मात्रा खरीदने की इच्छा को अर्थशास्त्र में क्या कहा जाता है?
अ. मांग
ब. प्रभाव पूर्ण मांग
स. इच्छा
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- द. उपरोक्त में से कोई नहीं

10. मांग की आड़ी लोच का विचार किसके द्वारा दिया गया है?
अ. मूर ब. स्मिथ
स. मार्शल द. कीन्स
उत्तर- अ. मूर

11. जब मांग की लोच इकाई के बराबर हो तो सीमान्त आय होगी?
अ. शून्य के बराबर
ब. शून्य से कम
स. एक के बराबर
द. एक से अधिक
उत्तर- स. एक के बराबर

12. गोसेन का प्रथम नियम निम्न में से कौनसा है?
अ. प्रतिस्थापना का नियम
ब. सीमान्त उपयोगिता नियम
स. मांग का नियम
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- ब. सीमान्त उपयोगिता नियम

13. व्युत्पन्न मांग से तात्पर्य है?
अ. वस्तुओं की मांग
ब. किसी अन्य वस्तु की मांग
स. एक वस्तु के साधन की मांग
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. एक वस्तु के साधन की मांग

14. यदि किसी वस्तु के मूल्य में 10 प्रतिशत की कमी होती है, तो ऐसी वस्तु की मांग में 20 प्रतिशत की वृद्धि हो जाती है तो ऐसी वस्तु की मांग होगी,
अ. लोचदार
ब. बेलोचदार
स. पूर्णतया लोचदार
द. अधिक लोचदार
उत्तर- द. अधिक लोचदार

15. निम्नलिखित में से कौनसा अपवाद मांग के नियम के संबंध में नहीं होता है?
अ. अत्यावश्यक वस्तुयें
ब. विभिन्न वस्तुयें
स. सीमान्त उपयोगिता नियम की क्रियाशीलता
द. कीमतों में लगातार वृद्धि या कमी
उत्तर- स. सीमान्त उपयोगिता नियम की क्रियाशीलता

16. सर्वप्रथम तटस्थता वक्र का प्रयोग उपभोक्ता की बचत को मापने के लिये किसने किया था?
अ. गोसन ब. हिक्स
स. रॉबिन्सन द. मार्शल
उत्तर- ब. हिक्स

17. किस अर्थशास्त्री ने उपभोक्ता की बचत को 'क्रेता की बचत' नाम दिया है?
अ. चेम्बरलीन ब. मार्शल
स. हिक्स द. बोल्डंग
उत्तर- द. बोल्डंग

18. निम्न में से सत्य कथन बताइये?
अ. एक क्षैतिज उदासीनता वक्र सम्भव है।
ब. एक क्षैतिज उदासीनता असम्भव है।
स. एक क्षैतिज उदासीनता वक्र असामान्य स्थिति में सम्भव है।
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. एक क्षैतिज उदासीनता वक्र सम्भव है।

19. हीरा-पानी का विरोधाभास किसके माध्यम से स्पष्ट किया जा सकता है?
अ. सीमन्त उपयोगिता द्वारा
ब. कुल उपयोगिता द्वार
स. उपरोक्त दोनों द्वारा
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. उपरोक्त दोनों द्वारा

20. वस्तु का उपयोग जितना सीमित होगा, उतनी ही तीव्र गति से उसकी अतिरिक्त इकाइयों से प्राप्त सीमान्त उपयोगिता.....
अ. घटती जायेगी
ब. बढ़ती जायेगी
स. समान बनी रहेगी
द. अनन्त हो जायेगी
उत्तर- अ. घटती जायेगी

21. मार्शल से पूर्व सीमान्त विश्लेषण किसने प्रस्तुत किया था?
अ. कार्ल मेजर एवं जेवेन्स ने
ब. ऑस्ट्रेलिया के अर्थशास्त्रियों ने
स. उपरोक्त सभी ने
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. उपरोक्त सभी ने

22. निम्न में से किस अर्थशास्त्री का नाम तटस्थता वक्र से नहीं जोड़ा जाता है?
अ. मार्शल ब. हिक्स
स. ऐलन द. पैरेटो
उत्तर- अ. मार्शल

23. यदि कीमत उपभोग वक्र Y अक्ष की ओर मुड़ जाता है तो?
अ. Y उत्कृष्ट तथा X निकृष्ट वस्तु है।
ब. Y निकृष्ट तथा X उत्कृष्ट वस्तु है।
स. X और Y दोनों निकृष्ट वस्तु है।
द. Xऔर Y दोनों उत्कृष्ट है।
उत्तर- अ. Y उत्कृष्ट तथा X निकृष्ट वस्तु है।

24. एंजिल वक्र एक वस्तु की उन मात्राओं को बताता है, जिन्हें उपभोक्ता क्रय करना चाहता है?
अ. कीमतों पर
ब. आय स्रोतों
स. आवश्यकताओं पर
द. मांग दर
उत्तर- ब. आय स्रोतों

25. एक तटस्थता वक्र जो मूल बिन्दु से जितनी अधिक दूरी पर स्थित होगा वह मूल बिन्दु से पास वाले तटस्थता वक्र की अपेक्षा अधिक संतुष्टि के स्तर को बताता है, यह कथन?
अ. सत्य है
ब. असत्य है
स. अनिश्चित है
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. सत्य है

26. ग्रिफिन वस्तुओं के प्रति आय प्रभाव....
अ. घनात्मक होता है
ब. ऋणात्मक होता है
स. शून्य होता है
द. अनिश्चित रहता है
उत्तर- ब. ऋणात्मक होता है

27. उपभोक्ता कीमत रेखा पर वस्तुओं के उस संयोग का चुनाव करेगा जो अधिकतम सम्भव तटस्थता वक्र पर स्थित होता है। यह कथन?
अ. सत्य है
ब. असत्य है
स. अनिश्चित है
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. सत्य है

28. मूल्य विरोभास 'हीरा - जल' का उदाहरण किस अर्थशास्त्री के द्वारा किया गया है?
अ. एडम स्मिथ ब. मार्शल
स. हिक्स द. ऐलन
उत्तर- अ. एडम स्मिथ

29. प्रगतिशील कराधान प्रणाली का आधार सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम है, क्योंकि?
अ. मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता अमीर के लिये गरीब की तुलना में कम होती है।
ब. अमीर व्यक्ति के लिये धन की सीमान्त उपयोगिता शून्य होती है।
स. धन संचय में यह नियम लागू नहीं होता है।
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- अ. क्योंकि मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता अमीर के लिये गरीब की तुलना में कम होती है।

30. आय प्रभाव व प्रतिस्थापन्न प्रभाव समान दिशा में कार्य करते हैं?
अ. निम्न कोटि की वस्तुओं में
ब. श्रेष्ठ वस्तुओं में
स. अधिकांश वस्तुओं में
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- अ. निम्न कोटि की वस्तुओं में

31. गोसन का द्वितीय नियम है--
अ. सम सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम
ब. सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम
स. उत्पत्ति वृद्धि नियम
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- अ. सम सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम

32. स्लट्स्की के अनुसार वस्तु की मांग एवं मूल्य के विपरीत संबंध का मुख्य कारण है?
अ. प्रतिस्थापना प्रभाव
ब. आय प्रभाव
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. उपरोक्त दोनों

33. 'चयन अधिमान को प्रकट करता है' यह कथन किस सिद्धांत का है?
अ. प्रकटित अधिमान सिद्धांत
ब. सम उपयोगिता ह्रास नियम
स. सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम
द. उपभोक्ता की बचत
उत्तर- अ. प्रकटित अधिमान सिद्धांत

34. कौनसी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ता को राजा माना जाता है?
अ. गांधीवादी ब. पूंजीवादी
स. समाजवादी द. मिश्रित
उत्तर- ब. पूंजीवादी

35. सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम किस पर लागू नहीं होता है?
अ. शराबी पर ब. लालची पर
स. प्रतिष्ठा मूलक द. उपरोक्त सभी पर
उत्तर- द. उपरोक्त सभी पर

36. निम्न में से किस वक्र के द्वारा कीमत प्रभाव प्रदर्शित किया जाता है?
अ. कीमत उपभोग वक्र द्वारा
ब. आय उपभोग वक्र द्वारा
स. आय-व्यय वक्र द्वारा
द. उपरोक्त सभी के द्वारा
उत्तर- अ. कीमत उपभोग वक्र द्वारा

37. उपभोक्ता साम्य में तटस्थता वक्र कीमत रेखा को स्पर्श करता है, क्योंकि?
अ. MRSxy=Px/Py
ब. MRSxy=Pxe/Py
स. MRSxy>Px/Py
द. उपरोक्त में कोई नहीं
उत्तर- अ. MRSxy=Px/Py

38. निम्नलिखित जोड़े में से कौनसा जोड़ा सही नहीं है?
अ. प्रकटित अधिमान- सैम्युल्सन सिद्धांत
ब. आगत-निर्गत - लियोन्तीफ विश्लेषण
स. गणना वाचक - रॉबिनसन उपयोगिता
द. उपरोक्त सभी सही हैं
उत्तर- स. गणना वाचक उपयोगिता - रॉबिनसन

39. उपभोक्ता की बचत की धारणा का आधार होता है?
अ. प्रकट अधिमान सिद्धांत
ब. उपयोगिता ह्रास नियम
स. तटस्थता वक्र
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- ब. उपयोगिता ह्रास नियम

40. समोत्पाद वक्र का वह भाग जो ऋजु रेखाओं के बीच में होता है?
अ. उत्पादक के लिये हानिकारक है।
ब. उत्पादक के लिये लाभप्रद है।
स. उत्पादक को केवल सामान्य लाभ देता है।
द. अनिश्चित होता है।
उत्तर- ब. उत्पादक के लिये लाभप्रद है।

41. तकनीकी प्रतिस्थापन प्रभाव की दशा में उत्पादक का वास्तविक व्यय?
अ. घटता जाता है
ब. बढ़ता जाता है
स. स्थिर बना रहता है
द. शून्य हो जाता है
उत्तर- स. स्थिर बना रहता है

42. समोत्पाद वक्र जितना अधिक चयता होगा उसमें प्रतिस्थापन लोच उतनी ही--
अ. कम होगी
ब. अधिक होगी
स. तेजी से घटेगी
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब. अधिक होगी

43. 'अनुपात' और पैमाने का विचार क्रमश संबंधित है?
अ. अल्पकाल, अल्पकाल
ब. अल्पकाल, दीर्घकाल
स. दीर्घकाल, दीर्घकाल
द. दीर्घकाल, अल्पकाल
उत्तर- ब. अल्पकाल, दीर्घकाल

44. जब सभी साधनों में एक साथ परिवर्तन हो तो कहा जाता है कि-
अ. फर्म का स्तर ऊंचा उठ रहा है।
ब. उद्योग का स्तर नीचे गिर रहा है।
स. फर्म का पैमाना बदल गया है।
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- स. फर्म का पैमाना बदल गया है।

45. सीमान्त उत्पादन ऋणात्मक होता है?
अ. उत्पादन फलन की प्रथम अवस्था में।
ब. उत्पादन फलन की द्वितीय अवस्था में।
स. उत्पादन फलन की तृतीय अवस्था में।
द. उपरोक्त सभी में
उत्तर- स. उत्पादन फलन की तृतीय अवस्था में।

46. श्रम विभाजन तथा विशिष्टीकरण से प्राप्त होती है?
अ. आन्तरिक बचतें
ब. बाहरी बचतें
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- स. उपरोक्त दोनों

47. उत्पत्ति वृद्धि नियम में--
अ. MC < AC ब. MC > AC
स. MC = AC स. MC X AC
उत्तर- अ. MC < AC

48. उत्पत्ति समता नियम में AC तथा MC की स्थित होती है?
अ. 04 अक्ष के समानांतर
ब. OX अक्ष के समानांतर
स. उपरोक्त दोनों
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- ब. OX अक्ष के समानांतर

49. कौनसा उत्पादन फलन अनुभव सिद्ध तथा प्रसिद्ध है?
अ. भाव उत्पादन फलन
ब. डगलस उत्पादन फलन
स. कॉब डगलस उत्पादन फलन
द. केविस डगलस उत्पादन फलन
उत्तर- स. कॉब डगलस उत्पादन फलन

- डॉ.माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

वन-डे रैंकिंग में शुभमन बने नंबर वन बल्लेबाज

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा रहा। आईसीसी वन-डे रैंकिंग में भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल विश्व के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं, वहीं वन-डे रैंकिंग में शीर्ष-5 में भारत के तीन गेंदबाज हैं। आईसीसी की ताजा वन-डे रैंकिंग में शुभमन ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को पछाड़ते हुए 832 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर कब्जा किया। आईसीसी द्वारा जारी रैंकिंग में भारतीय टीम क्रिकेट के तीनों प्रारूपों (वन-डे, टेस्ट और ट्वेंटी-20) में पहले पायदान पर काबिज हैं। इसके अलावा सूर्यकुमार यादव ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में नंबर वन बल्लेबाज हैं, वहीं रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में पहले स्थान पर कब्जा बरकरार रखा है। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा टेस्ट क्रिकेट में विश्व के नंबर वन ऑलराउंडर बन गए हैं।

आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप

न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में भारत

मुंबई, भारतीय क्रिकेट टीम ने 12 वर्ष बाद आईसीसी वन-डे क्रिकेट विश्वकप के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 70 रनों से हराया। इस मुकाबले में विराट कोहली ने वन-डे क्रिकेट में शतकों का अर्धशतक पूरा किया, वहीं मोहम्मद शमी ने घातक गेंदबाजी से भारत को फाइनल का टिकट दिलाया।

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने भारतीय टीम को एक बार फिर आतिशी शुरुआत दिलाई। रोहित ने 29 गेंदों में 47 रन बनाये, जबकि शुभमन ने 66 गेंदों में 80 रन बनाये। इसके बाद विराट कोहली और श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से रन जोड़े। विराट ने 117 रन की शतकीय पारी खेली, वहीं श्रेयस ने 70 गेंदों में 105 रन बनाये। भारत ने 50 ओवरों में 4 विकेट खोकर 397 रनों का विशाल स्कोर बनाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की, लेकिन मोहम्मद शमी ने अपने पहले ओवर में डेवोन कॉन्वे और दूसरे ओवर में रचिन रवींद्र को आउट कर भारत को फ्रंटफुट पर ला दिया। इसके बाद केन विलियमसन (69) और डेरिल मिशेल (134) ने बेहतरीन पलटवार किया, लेकिन मोहम्मद शमी ने एक बार फिर लगातार दो विकेट लेकर भारत की वापसी कराई। मैच में शमी ने 57 रन देकर 7 विकेट लेकर भारत को यादगार जीत दिलाई। न्यूजीलैंड की टीम 48.5 ओवरों में 327 रन ही बना सकी।

- कोहली वन-डे विश्वकप में 700 से अधिक रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।
- कोहली ने इस विश्वकप में 3 शतकों के साथ 711 रन बनाये हैं।
- मोहम्मद शमी इस विश्वकप में 23 विकेट लेकर पहले नंबर पर आ गए हैं।
- शमी वन-डे विश्वकप में 50 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज हैं।
- शमी के नाम वन-डे विश्वकप में 4 बार 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है।

शतकों के शिखर पर विराट

विराट कोहली ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का अर्धशतक पूरा किया। यह कारनामा करने वाले कोहली विश्व के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली के वन-डे क्रिकेट में 50 शतक हो गए हैं। उन्होंने शतकों के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (49) को पीछे छोड़ दिया है।

धीरज ने तीरंदाजी में हासिल किया ओलिंपिक कोटा

बैंकॉक, भारत के युवा तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा ने एशियाई महाद्वीपीय क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में रजत पदक जीतकर पेरिस ओलिंपिक खेलों में भारत को तीरंदाजी में पहला कोटा दिलाया है। धीरज ने पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में ईरान के मोहम्मद हुसैन गोलशानी को हराकर फाइनल में जगह बनाई, लेकिन फाइनल में ताइवान के जिह सियांग लिन ने बेहद कड़े मुकाबले में धीरज को 6-5 से हराया। इस हार के बावजूद धीरज पेरिस ओलिंपिक में जगह बनाने में सफल रहे।

कनाडा ने पहली बार जीता बिली जीन किंग कप

सेविला, कनाडा ने महिला टेनिस का टीम इवेंट बिली जीन किंग कप का खिताब अपने नाम किया है। कनाडा ने पहली बार यह टूर्नामेंट जीता है। कनाडा यह टूर्नामेंट जीतने वाला 13वां देश बन गया है। टूर्नामेंट के फाइनल में कनाडा ने इटली को 2-0 से हराया। फाइनल में महिला एकल वर्ग के पहले मुकाबले में कनाडा की मेरिना स्टाकुसिक ने इटली की मार्टिना ट्रेविसन को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। वहीं दूसरे एकल मुकाबले में लेलाह फर्नांडिज ने इटली की जेस्मिन पाओलिनी को 6-2, 6-3 से आसानी से हराकर कनाडा को यादगार जीत दिलाई। कनाडा ने पिछले वर्ष पुरुष टीम इवेंट डेविस कप का खिताब जीता था।

मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय खेलों में जीते 112 पदक

गोवा, मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने गोवा में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में इतिहास रचते हुए 112 पदक अपने नाम किये हैं। मध्यप्रदेश ने पहली बार राष्ट्रीय खेलों में 112 पदक जीते हैं। राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश ने 37 स्वर्ण, 36 रजत और 39 कांस्य पदक हासिल कर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में महाराष्ट्र 80 स्वर्ण, 69 रजत, 79 कांस्य सहित कुल 228 पदक जीतकर पहले स्थान पर रहा। पदक तालिका में सर्विसेस दूसरे, हरियाणा तीसरे और केरल पांचवें स्थान पर रहा।

हॉकी में पहली बार जीता स्वर्ण पदक

मध्यप्रदेश की महिला हॉकी टीम ने राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मध्यप्रदेश की टीम ने फाइनल में रानी रामपाल की अगुवाई वाली हरियाणा की टीम को पेनाल्टी शूटआउट में 3-0 से हराया। मैच में निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। इसके बाद मध्यप्रदेश ने पेनाल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की।

याचिंग में जीते दो स्वर्ण पदक

याचिंग खेल में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन लाजवाब रहा। नेहा ठाकुर ने आईएलसीए-4 वर्ग में मध्यप्रदेश को स्वर्णिम सफलता दिलाई। याचिंग में मध्यप्रदेश को दूसरा स्वर्ण पदक शीतल सेंडव ने दिलाया। शीतल ने आईएलसीए-6 वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

- राष्ट्रीय खेलों में मध्यप्रदेश का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।
- इससे पहले मध्यप्रदेश ने वर्ष 2011 में 103 पदक जीते थे।
- मध्यप्रदेश ने पहली बार कलरीपयट्टू खेल में स्वर्ण पदक जीता।
- प्रदेश के एश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक।

आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट की सदस्यता निलंबित की

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की सदस्यता निलंबित कर दी है। आईसीसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि आईसीसी बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड एक सदस्य के रूप में अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि श्रीलंका क्रिकेट के गवर्नेंस, रेगुलेशन और एडमिनिस्ट्रेशन में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं हो।

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लेनिंग ने लिया संन्यास

मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मेग लेनिंग ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। 31 वर्षीय लेनिंग ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से दूर जाने का निर्णय लेना काफी कठिन था, लेकिन मुझे लगा कि संन्यास लेने का यही सही समय है। लेनिंग के टीम में रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 7 वर्ल्ड खिताब जीते हैं, इनमें से पांच खिताब लेनिंग की कप्तानी में जीते हैं।

विदित गुजराती ने जीता फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज खिताब

डगलस, भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी विदित गुजराती ने फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज खिताब अपने नाम किया है। विदित ने टूर्नामेंट में सर्बिया के एलेक्जेंडर प्रेडके को हराकर अपनी सातवीं जीत दर्ज करते हुए ओपन वर्ग में पहला स्थान हासिल करते हुए खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही विदित ने अप्रैल-2024 में कनाडा में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। विदित ने 11 राउंड वाले फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में सात राउंड जीतकर सबसे ज्यादा 8.5 अंक प्राप्त किए। टूर्नामेंट में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा 8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रूस के आंद्रे इसिपेंको ने तीसरा स्थान हासिल किया।

आर. वैशाली भी बनीं चैम्पियन

फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में महिला वर्ग का खिताब भारत की आर. वैशाली ने जीता। वैशाली ने टूर्नामेंट के 11वें और अंतिम राउंड में मंगोलिया की बाखतुयागिन मंगोतुल के साथ बाजी ड्रॉ कर टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए खिताब अपने नाम किया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

पंजाब ने पहली बार जीता खिताब

मोहाली, पंजाब की क्रिकेट टीम ने घरेलू क्रिकेट की सबसे बड़ी ट्वेंटी-20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल में दो बार की चैम्पियन बड़ौदा को 20 रन से हराया। पंजाब ने पहली बार यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता है।

मैच में बड़ौदा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय जिसे, बड़ौदा के गेंदबाज शोएब सोपारिया ने मैच की पहली गेंद पर अभिषेक शर्मा को आउट कर सही साबित किया। इसके बाद अतित सेठ ने प्रभसिमरन सिंह को आउट कर पंजाब को बैकफुट पर ला दिया। पंजाब की पारी को अनमोलप्रीत सिंह और मनदीप सिंह ने संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े। इसके बाद अनमोलप्रीत का साथ नेहल वढेरा ने निभाया। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच 138 रनों की साझेदारी हुई। अनमोलप्रीत ने शतक जड़ते हुए 61 गेंदों में 113 रनों की पारी खेली, वहीं नेहल ने नाबाद 61 रन बनाये। पंजाब ने निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 223 रन बनाये।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बड़ौदा की टीम की शुरुआत भी खराब रही। सलामी बल्लेबाज ज्योस्निल सिंह (4) जल्द आउट हो गए। इसके बाद निनाद राथवा (47) और अभिमन्यु सिंह राजपूत (61) ने तेजी से रन बनाये। इनके अलावा कप्तान क्रुनाल पंड्या (45) और विष्णु सोलंकी (28) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। बड़ौदा की टीम 20 ओवरों में 203 रन ही बना सकी।

- तमिलनाडु ने सबसे ज्यादा 3 बार जीती है सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी।
- बड़ौदा, गुजरात और कर्नाटक ने 2-2 बार जीता है यह टूर्नामेंट।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में सहवाग

लंदन, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। सहवाग के अलावा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान डायना एडुल्जी और श्रीलंका के पूर्व ऑलराउंडर अरविंद डिसिल्वा को भी यह सम्मान मिला है। डायना एडुल्जी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं।

वीरेंद्र सहवाग आईसीसी हॉल ऑफ फेम सूची में शामिल होने वाले भारत के आठवें पुरुष क्रिकेटर है। सहवाग मॉर्डन क्रिकेट के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में शुमार हैं। सहवाग ने अपने कैरियर में 104 टेस्ट मैचों में 8586 रन बनाए हैं, इनमें दो तिहरे शतक भी शामिल हैं। सहवाग ने 251 वन-डे मैचों में 8273 रन बनाये हैं।

- सहवाग टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय हैं।
- सहवाग ने टेस्ट क्रिकेट में 23 और वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 15 शतक बनाये हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भारत ने कनाडा को दिए सुझाव

भारत और कनाडा के बीच विवाद जारी है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की समीक्षा बैठक में भारतीय राजनयिक मोहम्मद हुसैन ने कहा कि राष्ट्रीय रिपोर्ट की प्रस्तुति के लिए भारत कनाडा के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता है। हम रणनीति अधिनियम, सुगम्य कनाडा अधिनियम और मानव तस्करी से निपटने वाले राष्ट्रीय अधिनियमों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इसी के साथ हम कनाडा को हिंसा भड़काने के लिए, अभिव्यक्ति की आजादी के दुरुपयोग से निपटने के लिए, कट्टरवाद और नस्लीय हमलों को रोकने के लिए, घृणा अपराधों के लिए, अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ को रोकने सहित अन्य हिंसाओं के खिलाफ घरेलू ढांचे को मजबूत करने की सलाह देते हैं।

मालदीव से मछुआरों की वापसी

मालदीव में फंसे तमिलनाडु के 12 मछुआरों की वापसी के लिए भारतीय उच्चायोग ने उन आठ लोगों को स्वदेश भेजने की सुविधा प्रदान की है, जिन्होंने तुरंत भारत लौटने की इच्छा जताई थी। उच्चायोग ने मछुआरों की स्थिति को देखते ही तत्काल कार्रवाई की और मामले का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए मालदीव के अधिकारियों के साथ सक्रियता से संपर्क किया। भारतीय उच्चायोग के राजनयिक प्रयासों ने मछुआरों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभाई है।

भारत और अमेरिका के बीच बढ़ेगा रक्षा औद्योगिक सहयोग

रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में अमेरिकी रक्षा मंत्री श्री लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने व्यापक रक्षा और रणनीतिक विषयों पर चर्चा की। दोनों देशों के मंत्रियों ने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान के साथ अपने रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने के उपायों और साधनों पर चर्चा की। उन्होंने भारत-अमेरिका रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम, इंडस-एक्स की प्रगति की समीक्षा की, जिसे इस वर्ष जून में लॉन्च किया गया था और इसका उद्देश्य भारत और अमेरिका की सरकारों, व्यवसायों और अकादमिक संस्थानों के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा रक्षा औद्योगिक सहयोग का विस्तार करना है।

भारत ने यूएन में सुधार की दी सलाह

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर टिप्पणी की है। भारत ने कहा है कि सुरक्षा परिषद 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के बोझ तले दबा है। भारत के अनुसार बहुपक्षवाद के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को हल किया जाना चाहिए। महासभा को संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीयता को बहाल करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। परिषद में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर प्रतीक माथुर ने कहा कि भारत ने लगातार इस विचार की वकालत की है।

(स्रोत: समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

गोवा में हुआ राष्ट्रीय खेलों के 37वें संस्करण का आयोजन

खेल "मानव प्रतिभा की अभिव्यक्ति" का महत्वपूर्ण मार्ग बन गया है - उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ गोवा में आयोजित राष्ट्रीय खेलों के 37वें संस्करण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम को संबोधित किया और राष्ट्रीय खेलों के वर्तमान संस्करण में खेलों की संख्या में बढ़ोतरी की सराहना की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेलों की शुरुआत से भारतीय संस्कृति का पुनरुत्थान हुआ है। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि इन पारंपरिक खेलों को ओलिंपिक मंच पर अच्छी पहचान मिलेगी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि खेलों के प्रति माता-पिता के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। अब वो दिन गए जब खेलों में बच्चों की विस्तृत भागीदारी को लेकर माता-पिता चिंतित रहते थे।अब खेल मानव प्रतिभा की अभिव्यक्ति का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग बन गया है।

गोवा में राष्ट्रीय खेलों के 37वें संस्करण के समापन समारोह में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़, भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा सहित अन्य गणमान्य अतिथि

भारत फिट होगा तभी आगे बढ़ेगा

उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका को भी स्वीकार किया, जिसने हमारे एथलीटों का मार्गदर्शन करने और 2036 में ओलिंपिक की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने खेलो इंडिया पहल की भी सराहना की, जिसके कारण गांवों में स्टेडियम खोले गए हैं। खिलाड़ियों की यात्रा में प्रशिक्षकों की निर्णायक भूमिका पर चर्चा करते हुए उपराष्ट्रपति ने प्रशिक्षकों को द्रोणाचार्य बताया।

महिला पदक विजेता खिलाड़ियों को सराहा

महिला सशक्तीकरण के महत्व को स्वीकार करते हुए उपराष्ट्रपति ने बड़ी संख्या में पदक जीतने के लिए महिलाओं की प्रशंसा की। उन्होंने संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित होने की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने उद्योग और निजी क्षेत्र से खिलाड़ियों को सहयोग देने की अपील की और कहा कि खिलाड़ियों का सहयोग करने से उनके साथ बहुत बड़ा न्याय होगा। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने मेधावी खिलाड़ियों को पदक भी प्रदान किए और राष्ट्रीय खेल-2023 के सफल आयोजन के लिए टीम अधिकारियों और गोवा प्रशासन को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री श्री श्रीपाद नाइक, गोवा के राज्यपाल श्री पी.एस. श्रीधरन पिल्लई, मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, सांसद और भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा, गोवा के खेल मंत्री श्री गोविंद गौड़े और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

भारत सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की राह पर

अमृत काल को गौरव काल बताते हुए उपराष्ट्रपति ने भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों पर दुनिया के आश्चर्य के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने उस ऐतिहासिक क्षण का उल्लेख किया जब भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतारने वाला पहला देश बना। उपराष्ट्रपति ने भारत की असाधारण आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश ने वर्ष 2022 में पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल किया है। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

सीओपी 28 के अध्यक्ष डॉ. सुल्तान अल जाबेर ने भारतीय नवाचारों को सराहा

ऊर्जा परिवर्तन के दृष्टिकोण पर वैश्विक मंच पर भारत की प्रशंसा

पर्यावरण परिवर्तन के विषय पर संयुक्त राष्ट्र के मंच से सीओपी28 जैसी विशेष पहल की गई। सीओपी28 यानी संयुक्त राष्ट्र के 28वें कॉन्फ्रेंस का आयोजन एक्सपो सिटी दुबई में होगा। कार्यक्रम से पहले सीओपी28 के मनोनीत अध्यक्ष डॉ. सुल्तान अल जाबेर ने भारत की सराहना की है। उन्होंने ऊर्जा परिवर्तन दृष्टिकोण को लेकर देश की नीतियों की जमकर प्रशंसा की।

अबू धाबी में आयोजित फ्रॉम जी-20 टू सीओपी 28 टाइटल वाले विशेष मंच पर अल जाबेर ने कहा, यूएई और भारत ने स्थायी सामाजिक-आर्थिक विकास के अनुरूप साझा दृष्टिकोण अपनाया है। जाबेर ने कहा, जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को देखते हुए वैश्विक प्रयास की जरूरत है। मॉडल ऐसा हो जिसमें दक्षिण का प्रत्येक देश कम से कम कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित कर सके।

जलवायु परिवर्तन पर व्यक्त की चिंता

डॉ. सुल्तान अल जाबेर ने कहा, नवीकरणीय ऊर्जा पर संयुक्त फोकस, भविष्य के लिए दोनों अर्थव्यवस्थाओं को विकसित करने का एक बड़ा अवसर है। सबसे बड़ी वैश्विक परियोजनाओं में से एक क्षेत्र में यूएई निवेशक भी शामिल हैं। जी-20 दिल्ली घोषणा को पूरा करने और जलवायु संतुलन के लिए किए जाने वाले मुख्य कार्यों पर उल्लेखनीय प्रगति के लिए भारत के नेतृत्व को धन्यवाद दिया। उन्होंने वैश्विक समझौते के लिए भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। भारत सरकार के सहयोग और बहुपक्षवाद के मजबूत दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए डॉ. सुल्तान अल जाबेर ने कहा कि सीओपी प्रेसीडेंसी इसका अनुकरण करने का प्रयास करेगा।

21 घंटे तक चली सर्जरी

दुनिया में पहली संपूर्ण आंख के प्रत्यारोपण पर सफलता

अमेरिका में मेडिकल सर्जनों की एक टीम ने एक विलक्षण चिकित्सीय प्रक्रिया के तहत पूरी आंख का दुनिया का पहला प्रत्यारोपण करने में सफलता प्राप्त की है। अभूतपूर्व सर्जरी में डोनर के चेहरे का एक हिस्सा और पूरी बाईं आंख को हटाकर प्राप्तकर्ता पर लगाया गया। एरोन जेम्स 46 वर्षीय लाइन कर्मचारी है। एक हादसे में एरोन की बाईं आंख, कोहनी के ऊपर उनका प्रमुख बायां हाथ, उनकी पूरी नाक और होंठ, सामने के दांत, बाएं गाल का हिस्सा और ठोड़ी की हड्डी तक क्षतिग्रस्त हो गई थी।

उडी कटिंग गाइड का उपयोग

डॉ. एडुआर्डो रोड्रिग्ज ने कहा कि 21 घंटे की सर्जरी में रोगी-विशिष्ट 3डी कटिंग गाइड का उपयोग किया, हम इससे बेहतर मरीज की उम्मीद नहीं कर सकते थे। उन्होंने बताया कि प्रत्यारोपित की गई बाईं आंख ने अच्छे स्वास्थ्य के संकेत दिए हैं। इसमें रेटिना में सीधा रक्त प्रवाह भी शामिल है।

जीवित व्यक्ति में पहला मामला

संपूर्ण आंख का प्रत्यारोपण लंबे समय से चिकित्सा विज्ञान का एक बड़ा कार्य रहा है और शोधकर्ताओं को चूहों के प्रयोग में कुछ सफलता मिली है, जो अब तक किसी जीवित व्यक्ति में नहीं किया गया। यह पहला मामला है जिसमें किसी जीवित व्यक्ति में संपूर्ण नेत्र प्रत्यारोपण किया गया। अब तक चूहों में इस प्रक्रिया द्वारा आंशिक दृष्टि बहाल की गई है।

सेंसर में खराबी के कारण रोबोट ने ली इंसानी जान

दक्षिण कोरिया में एक व्यक्ति के लिए तकनीक जान की दुश्मन बन गई। कोरिया के म्योंगसांग प्रांत में एक कृषि उपज वितरण केंद्र में एक व्यक्ति रोबोट का शिकार हो गया। दरअसल, रोबोट मिर्च से भरे बक्सों को रख रहा था, लेकिन सेंसर में खराबी की वजह से उसने 40 साल के कर्मचारी को भी बक्सा समझ लिया। उसे पकड़ने के लिए अन्य सामान की तरह इतनी जोर से जकड़ा कि मौत हो गई। पुलिस ने बताया है कि कर्मचारी रोबोट के सेंसर की जांच कर रहा था। इसी दौरान रोबोट ने उसे जकड़ लिया। जिसके कारण उसका चेहरा और छाती कुचल गई। घायल कर्मचारी को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

संस्कृति बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान आवश्यक : एस जयशंकर

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने लंदन में भारत से चोरी गई और हाल ही में इंग्लैंड में खोजी गई आठवीं शताब्दी की दो मूर्तियों की स्वदेश वापसी समारोह की अध्यक्षता की। उल्लेखनीय है कि सन् 1970 और 1980 के दशक के बीच उत्तर प्रदेश के लोखरी में एक मंदिर से योगिनी चामुंडा और योगिनी गोमुखी मूर्तियां चोरी हो गई थी। इन मूर्तियों को लंदन में भारतीय उच्चायोग ने इंडिया प्राइड प्रोजेक्ट और आर्ट रिकवरी इंटरनेशनल के सहयोग से खोज निकाला।

1970 के दशक में चुराया था - इस मंदिर से मूर्तियों को 1970 के दशक में लुटेरों ने चुराया था। कहा जाता है कि जिन बदमाशों ने ये काम किया था वे राजस्थान और महाराष्ट्र से बाहर काम करते थे। स्विट्जरलैंड के माध्यम से यूरोप में माल की तस्करी करते थे। इन लुटेरों ने अज्ञात संख्या में मूर्तियों को चुराया था। कई मूर्तियों को तोड़ दिया गया था और बची हुई को बेच दिया गया। साथ ही, स्थानीय ग्रामीणों ने मूर्तियों को छिपा दिया था।

भारत ले जाने के लिए उत्साहित - विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने ब्रिटेन की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन इंडिया हाउस में मूर्तियों का अनावरण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह मूर्तियों को भारत ले जाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यह महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि हम एक दूसरे की संस्कृति को बढ़ाना चाहते हैं इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान कानूनी, पारदर्शी और नियम-आधारित हो। उन्होंने कहा, जहां भी कुछ अलग हुआ है उसे ठीक किया जाता है तो मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है, न केवल इस मामले में बल्कि एक संदेश के रूप में कि यह एक प्रथा है जो आज के समय में स्वीकार्य नहीं है।

विरासत को सही जगह पर ले जाना लक्ष्य

लंदन में भारतीय उच्चायोग में व्यापार और अर्थशास्त्र के प्रथम सचिव जसप्रीत सिंह सुखीजा भारत की खोई हुई कलाकृतियों को खोज निकालने के लिए काम करने वाले संगठन इंडिया प्राइड प्रोजेक्ट के साथ इन मूर्तियों को वापस भारत ले जाने पर काम कर रहे हैं। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी ने कहा, इन अवसरों पर हम जो करना चाहते हैं, उसका उद्देश्य कुछ स्वीकार्य और सौहार्दपूर्ण समाधान खोजना है ताकि हमारी विरासत को सही जगह पर पहुंचा सकें।

मूर्तियों के स्वदेश वापसी समारोह में शामिल हुए श्री जयशंकर

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- मनीष सिंह, मुद्रक- मनीष सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।